राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 102 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,17 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पांच नवंबर को केदारनाथ जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच नवंबर को केदारनाथ जाकर पूजा करेंगे और 250 करोड़ रुपए की केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। एक महीने के भीतर राज्य का यह उनका दूसरा दौरा होगा।अगले महीने होने वाली मोदी की केदारनाथ यात्रा की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री केदारनाथ मंदिर के दर्शन करने के अलावा 250 करोड़ रुपए की केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन कर सकते हैं, जिसमें आदि गुरु शंकराचार्य की समाधि से संबंधित परियोजना भी शामिल है।

कोट्टयम में करीब दस लोग लापता, वायुसेना से सहयोग मांगा गया

कोच्चि। दक्षिण और मध्य केरल के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश ने काफी तबाही मचाई और कोट्टयम एवं इडुक्की जिलों के सीमावर्ती इलाकों में भूस्खलन के कारण कुछ लोगों के लापता होने की आशंका है। भूस्खलन को देखते हुए राज्य सरकार ने बचाव कार्यों में भारतीय वायुसेना से सहयोग मांगा है।

रामलीला मंचन के दौरान दिल का दौरा पड़ने से कलाकार की मौत

बिजनौर (उप्र)। रामलीला में राजा दशरथ बने 62 वर्षीय कलाकार की ह्रदयाघात से मौत हो गई। रामलीला मंचन के दौरान जब राम को वनवास के लिए भेजे जाने के दृश्य में राजा दशरथ बने 62 वर्षीय कलाकार राजेन्द्र सिंह वियोग में राम-राम चिल्लाकर विलाप करने लगे तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह अचानक मंच पर गिर गए। हालांकि, दर्शकों को यह सब राजेंद्र के अभिनय का हिस्सा लगा और वे तालियां बजाने लगे।

बंगाल : संगीतकार उस्ताद राशिद को धमकी देने वाले दो गिरफ्तार

कोलकाता। शास्त्रीय संगीतकार उस्ताद राशिद खान को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कोलकाता पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक इस मामले में गिरफ्तार किए गए दोनों ही व्यक्ति उस्ताद राशिद खान के पूर्व कर्मचारी थे। आरोपियों ने संगीतकार से धन राशि की भी मांग की थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक एक आरोपी दिग्गज संगीतकार का पूर्व कार्यालय सहायक था, जिसे उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरे आरोपी को कोलकाता से ही गिरफ्तार किया गया, जोकि संगीतकार के चालक के रूप में काम कर चुका है।

अगले चुनाव तक सोनिया गांधी बनी रहेंगी कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शनिवार को आयोजित की गई. कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कपिल सिब्बल समेत 'जी 23' समूह के कुछ नेताओं की ओर से पिछले दिनों सार्वजनिक रूप से बयान दिए जाने को लेकर उनके ऊपर निशाना साधा. बैठक खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया.

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सीडब्लूसी की बैठक में तीन प्रस्ताव पारित किए गए हैं. इसमें कांग्रेस पूरे देश में जन जागरण अभियान चलाएगी, जोकि 14 नवंबर से 21 नवंबर तक चलेगा. यह अभियान मंहगाई और कीमतों की बढ़ोतरी को लेकर है. इसके अलावा हर बूथ पर पदयात्रा निकाली जाएगी. साथ ही साथ हर राज्य में कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे. यह कार्य पीसीबी करेगी.

सीडब्ल्यूसी में संगठन के चुनावों को लेकर भी मंथन किया गया है. उन्होंने कहा कि पार्टी 1 नवंबर 2021 से 31 मार्च 2022 तक सदस्यता अभियान चलाएगी. लोग पांच रुपए में कांग्रेस की सदस्यता हासिल कर सकेंगे. इसके अलावा एआईसीसी अध्यक्ष के चुनाव के लिए 21 अगस्त से लेकर 22 सितंबर तक चलेगा.

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव को लेकर कार्यसमिति चिंता जाहिर की है. बाहरी और अंदर की सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं. चीन अब तक कब्जा करके बैठा है और पीएम शांत हैं. पाकिस्तान के तरफ से आतंकी हमले जारी हैं. जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने और पूर्ण राज्य का दर्जा देने में सरकार बहाने ढूंढ रही है. असम मिजोरम और नागालैंड में सरकारें लड़ रही है. ये आंतरिक सुरक्षा तार-तार हो रही है इसका परिचायक है.

उन्होंने कहा कि नशे को संगठित व्यापारी सरकार की नाक के नीचे घूम रहे हैं. अडानी पोर्ट में 3000 किलो हीरोइन पकड़ी गई थी उससे पहले 25000 किलो हीरोइन वहां से निकल कर बाजार में आ चुकी है. इसको लेकर चिंता व्यक्त की गई है. अर्थव्यवस्था तार तार हो चुकी है. तीनों कृषि कानूनों को खत्म करने को और लखीमपुर की घटना पर चर्चा की गई है. केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों का इस्तेमाल बीजेपी का जनाधार बढ़ाने में किया जा रहा है. इसको खत्म करने को लेकर संकल्प लिया गया है. देश की कमाई संपत्ति को बेचकर मोदी जी सरकार चलाना चाहते हैं. संकल्प लिया कि देश के जनमानस को जगाने का हमारा दायित्व है. पूरे देश में इन्हीं मुद्दों को लेकर जनजागरण अभियान चलाएगें. मोदी और मंहगाई दोनों देश के लिए हानिकारक हैं. कांग्रेस कार्यसमिति के हर साथी ने कहा कि सोनिया गांधी में उनका विश्वास है. अगले चुनाव तक सोनिया गांधी पद पर बनी रहेंगी.

पार्टी का अध्यक्ष पद संभालने को लेकर राहुल ने क्या कहा-

कांग्रेस प्रवक्ता सुरजेवाला ने कहा कि ष्ठ्ड्ढष्ट के बहुत सारे साथियों ने एक बार फिर राहुल गांधी का नाम आगे किया और कहा कि उन्हें आगे आकर पार्टी का नेतृत्व करना चाहिए. कांग्रेस की माने तो राहुल गांधी ने कहा है कि वह अध्यक्ष पद संभालने को लेकर विचार करेंगे. सूत्रों ने बताया कि ष्ठ्ड्ढष्ट की बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत के अलावा, पंजाब और मुख्यमंत्रियों ने भी राहुल के नाम की सिफारिश की. इसके अलावा, पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी से वापस कांग्रेस का अध्यक्ष पद संभालने की गुजारिश की.

लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद दिया अध्यक्ष पद से इस्तीफा

गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन उम्मीद से ज्यादा खराब रहा. इसके बाद राहुल ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस पद से इस्तीफा दे दिया. राहुल गांधी ने 2017 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था. राहुल को वरिष्ठ नेताओं ने समझाने का प्रयास भी किया था, लेकिन असफलता हाथ लगी. वायनाड सांसद राहुल गांधी के इस्तीफा देने के बाद से सोनिया गांधी कांग्रेस की अंतरिम प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल रही हैं. उन्होंने दो दशक से भी अधिक समय तक कांग्रेस के अध्यक्ष पद संभाला है.

ड्रोन वारफेयर से निपटने के लिए सभी सुरक्षा बलों को होना चाहिए तैयार : एनएसजी डीजी एमए गणपति

नई दिल्ली । नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के महानिदेशक एमए गणपति ने शनिवार को कहा कि देश में विभिन्न खतरे की धारणाएं देखी जा रही हैं और उनमें आतंकवाद प्रमुख है। एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस के मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एनएसजी किसी भी स्थिति में सभी आतंकी गतिविधियों का सामना करने के लिए तैयार है। देश में कुछ स्थानों पर पारंपरिक आतंकी गतिविधियों के अलावा पेलोड ले जाने और हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल का विश्लेषण प्रमुख आतंकी खतरे की धारणाओं के बीच किया जा रहा है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि सभी सुरक्षा बलों को ड्रोन की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

एमए गणपति ने कहा कि ड्रोन वारफेयर एक नई चुनौती है और इससे निपटने के लिए हमें खुद को तकनीकी रूप से उन्नत करना होगा। हमने ड्रोन चुनौतियों से निपटने के लिए खुद को लगभग अपग्रेड कर लिया है, लेकिन प्रमुख मुद्दा यह है कि सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र बल और पुलिस समेत सभी बलों को अपनी ड्रोन विरोधी क्षमताओं को बढ़ाने की जरूरत है। एनएसजी ने ड्रोन चुनौतियों से निपटने के लिए खुद को अपग्रेड किया है।

जहां तक पारंपरिक खतरे की धारणा का सवाल है, गणपति ने कहा कि अगर सरकार समय की जरूरत के अनुसार तैनात करती है तो एनएसजी किसी भी आतंकवादी हमले के मामले में निपटने के लिए हमेशा तैयार है। अधिकारी ने कहा कि एनएसजी किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए देश के अंदर और बाहर दोनों जगह स्थितियों का लगातार मूल्यांकन करता है, लेकिन खतरा आतंकवाद को लेकर है और हमें आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

अधिकारी ने कहा कि एनएसजी की प्रशिक्षण उसी के अनुसार जारी है और अंत में हमें किसी भी खतरे के लिए तैयार रहना चाहिए। उत्तराखंड कैडर के 1986 बैच के आइपीएस अधिकारी गणपति ने कहा कि किसी भी सुरक्षा बल की तैयारी आतंकियों से बेहतर होनी चाहिए। हमारा प्रशिक्षण उनसे बेहतर होना चाहिए। हमारा हथियार उनसे बेहतर होना चाहिए। यह हमारा प्रयास होगा ताकि हम उनसे आगे रह सकें।

आर्टिकल 370 हटने से विकास का रास्ता सबके लिए खुला, कश्मीरी हिन्दुओं की करानी होगी वापसी- मोहन भागवत

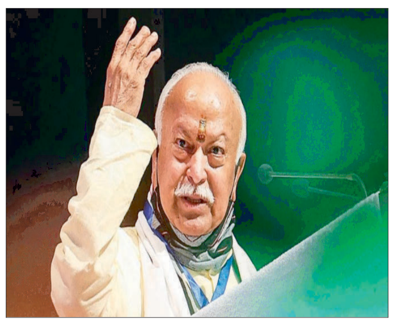

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने से विकास का रास्ता सबके लिए खुल गया है. पहले 370 के आड़ में जम्मू और लद्दाख के साथ भेदभाव होता था, अब वो भेदभाव नहीं है. कश्मीर घाटी भी अब सीधा विकास का लाभ ले रही है. आतंकवादियों का डर भी समाप्त हो गया है.

उन्होंने कहा, 'कश्मीर घाटी के लिए जो किया गया उसका 80 फीसदी राजनीतिक नेताओं की जेब में चला गया और लोगों तक नहीं पहुंचा. अब कश्मीर घाटी के लोगों को विकास और लाभ प्राप्त करने की सीधी पहुंच का अनुभव हो रहा है. आर्टिकल 370 के कारण आतंकवाद के खिलाफ कुछ करना है तो वो प्रभावित होता था इसलिए आतंकी डरना भूल गए थे, लोगों ने भी बच्चों से पुस्तक लेके पत्थर दे दिए.' आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'संकट समाप्त नहीं हुआ है, 370 संकट था, लेकिन 370 जिन कारण से आया वो असल संकट है. फिर से विस्थापित पंडितों को बसाया न जा सके इसके लिए वहां कुछ हो रहा है. जो लोग चाहते थे कि 370 हटे उनको भी लगता था कि ये हो नहीं सकता, लेकिन जब ये हो गया तो लोग अब मानते हैं कि अब डरना नहीं है. कश्मीर में बड़ा वर्ग है जो मानता है भारत ही हमारी कर्मभूमि है.'

मोहन भागवत ने कहा, 'जम्मू कश्मीर भारत का अभिभाज्य अंग है. जैसे मेरे सर का शरीर से संबंध हैं, वैसे ही हमारा संबंध कश्मीर से है. हम सब भारत हैं, भारत से हम हैं. इस बात को नहीं माना गया इसलिए कश्मीर की समस्या हुई, इसे नहीं माना गया इसलिए पंडितों को वहां से जाना पड़ा. भारत रहना चाहिए हम रहें न रहें. कश्मीरी हिन्दुओं की वापसी करानी होगी, वो खुद को सुरक्षित महसूस करें, अपनी पूजा पद्धति का सम्मान करने में समर्थ हों ये करना होगा. किसी भी राष्ट्र का निर्माण राष्ट्रभक्ति से होता है. 100 साल से हमारी बुद्धि को भर्मजाल में डाला गया.

जम्मू-कश्मीर में थम नहीं रहा आतंकियों का टारगेट किलिंग का खूनी खेल

श्रीनगर । आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में अपनी रणनीति बदलते हुए टारगेट कीलिंग का खूनी खेल खेलना शुरू कर दिया है। आतंकी आए दिन सुरक्षा बलों पर हमला कर रहे हैं और प्रवासी मजदूरों की हत्याएं कर रहे हैं। आतंकियों ने शनिवार को श्रीनगर के ईदगाह इलाके में बिहार के एक हाकर की गोली मारकर हत्या कर दी। आतंकियों की गोली का शिकार हुए अरविंद कुमार साह बिहार के बांका जिले के रहने वाले थे और रेहड़ी लगाकर पानी पुरी बेचते थे। आतंकियों ने पुलवामा में दूसरी वारदात को अंजाम देते हुए सगीर अहमद नाम के शख्स को गोली मार दी। उत्तर प्रदेश के सगीर कारपेंटर का काम करते थे।

रिपोर्टों के मुताबिक आतंकी कश्मीर में दो अक्टूबर से अब तक सात से ज्यादा आम लोगों की हत्या कर चुके हैं। इस महीने हुए आतंकी हमलों पर नजर डाले तो बीते 11 दिनों में ही आतंकियों के तीन तीन बड़े हमले हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि कश्मीर में आतंकियों के निशाने पर गैर मुस्लिम, गैर कश्मीरी, प्रवासी मजदूर, सुरक्षा बलों के जवान और कश्मीरी पंडित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह इलाका पर्वतीय है और जंगल घना है जिससे अभियान मुश्किल और खतरनाक हो गया है. मेंढर का एक बड़ा वन्य क्षेत्र गुरुवार से कड़ी सुरक्षा घेराबंदी में है जब राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और योगंबर सिंह नार खास वन में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हो गए. दोनों जवान उत्तराखंड के थे. इससे पहले 11 अक्टूबर को एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत सेना के पांच जवान शहीद हो गए.

पुंछ क्षेत्रों में इस साल जून के बाद से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ीं

अधिकारियों ने बताया कि मेंढर से थानामंडी तक के पूरे वन क्षेत्र की कड़ी घेराबंदी कर दी गई है और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाश अभियान चलाया गया है. आतंकवादी घेराबंदी से बचने की कोशिश में एक जगह से दूसरी जगह जा रहे हैं. राजौरी-पुंछ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक विवेक गुप्ता ने मंगलवार को बताया था कि पुंछ में सुरक्षाबलों पर हमले में शामिल आतंकवादी पिछले दो से तीन महीनों से इलाके में मौजूद थे.

जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ क्षेत्रों में इस साल जून के बाद से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ गई है. अलग-अलग मुठभेड़ों में नौ आतंकवादी मारे जा चुके हैं. इस बीच, एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि राइफलमैन नेगी और सिंह के पार्थिव शरीर शनिवार सुबह विमान से उत्तराखंड ले जाए गए. हवाईअड्डे से जवानों का पार्थिव शरीर सड़क मार्ग से उनके गृह नगर ले जाए गए हैं.

अंडमान-निकोबार स्वतंत्रता का तीर्थ स्थान, सभी युवा एक बार जरूर आएं: अमित शाह

पोर्ट ब्लेयर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन दिवसीय दौरे पर बीते दिन(शुक्रवार) अंडमान और निकोबार पहुंचे। गृहमंत्री शाह शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां से अंडमान-निकोबार के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल डी. के. जोशी (रिटायर्ड) भी मौजूद रहे। वहीं, शाह ने अपने संबोधन में कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह स्वतंत्रता का तीर्थ स्थान है। उन्होंने कहा, मैं सभी युवाओं से एक बार अंडमान और निकोबार की यात्रा करने का आग्रह करता हूं।

शाह ने आगे कहा, इस साल हम आजादी का अमृत महोत्सव और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहे हैं। जब हम नेताजी के जीवन को देखते हैं तो हमें लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। वह जिस स्थान के हकदार थे, वह इतिहास में उन्हें नहीं दिया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप से शाह ने कहा, सालों तक कई नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश की गई। लेकिन अब उन्हें इतिहास में उचित स्थान देने का समय आ गया है। अपने प्राणों की आहुति देने वालों को इतिहास में जगह मिलनी चाहिए। इसलिए हमने इस द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखा।

इससे पहले दिन अमित शाह ने पोर्ट ब्लेयर सेल्युलर जेल का दौरा कर विनायक दामोदर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहां एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा था कि देश भर के लोगों के लिए अंग्रेजों द्वारा बनाई गई ये सेल्युलर जेल सबसे बड़ा तीर्थ स्थान है। इसीलिए सावरकर जी कहते थे कि ये तीर्थों में महातीर्थ है, जहां आजादी की योति को प्रवलित करने के लिए अनेकों लोगों ने बलिदान दिए हैं।

अमित शाह ने कहा, 'ये संकल्प लेने का वर्ष है, विशेषकर ब्र्ह्यक्क के कार्यकर्ताओं के लिए क्योंकि हमारी पार्टी की स्थापना ही महान भारत की रचना के लिए हुई है, हम सत्ता के लिए राजनीति में नहीं आए हैं. हम विचारधारा से बंधे हुए लोग हैं और हमारी विचारधारा महान भारत की रचना की विचारधारा है. अगर 130 करोड़ लोग आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में छोटे छोटे संकल्प लें तो बहुत बड़ा परिवर्तन देश में आ सकता है. आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में देश के 130 करोड़ लोग छोटे-छोटे संकल्प ले, तो कितना बड़ा परिवर्तन देश में आ सकता है. अगर एक बचा ये संकल्प ले कि जीवन में कभी ट्रैफिक नियम नहीं तोडूंगा, अगर पूरा जीवन संकल्प पर चलता है तो बहुत बड़ा योगदान होगा.'

उन्होंने बताया, 'यहां पर मोदी जी ने ढेर सारे विकास कार्य किए हैं. जल जीवन मिशन में 66 हजार परिवारों को शुद्ध पाइन का पानी पहुंचाया गया है. स्वनिधि योजना यहां शत प्रतिशत पहुंची है. हर घर में बिजली पहुंचाई गई है, एक राष्ट्र - एक राशन कार्ड यहां शत-प्रतिशत लागू हो चुका है. आज ही मैं 29 स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण करके आया हूं, इन्हें मिलाकर अब यहां 129 स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना कर दी गई है. प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का 11,500 लोगों को 5 लाख रुपये की सुविधा का सारा फायदा पहुंचाने की शुरुआत हो चुकी है.'

अमित शाह ने बोला कांग्रेस पर हमला

शाह ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, 'कांग्रेस के समय एक सरकार सोचती थी, दूसरी सरकार योजना बनाती थी, तीसरी सरकार टेंडर निकालती थी, चौथी सरकार काम शुरू करती थी और पांचवीं सरकार उसका उद्घाटन करती थी. मोदी जी ने एक नई कार्यसंस्कृति बनाई है, नींव भी उनकी ही सरकार रखती है और उद्घाटन भी उनकी ही सरकार करती है. पर्यटन, नारियल और मत्स्य पालन ये तीनों अंडमान निकोबार की आर्थिक स्थिति को बदलने वाली चीजें हैं. इन तीनों के संपूर्ण दोहन के लिए मोदी जी ने एक योजना बनाई है और बहुत अल्प समय के अंदर मोदी जी इसकी घोषणा करेंगे.'

भारत-इजराइल संबंधों का नया अध्याय होगा शुरू, तीन दिनों के दौरे पर नए पीएम बैनेट से मिलेंगे जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नताली बैनेट की सरकार आने के बाद भारत ने इजराइल के साथ अपने संबंध और मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी क्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले सप्ताह तीन दिन के दौरे पर इजराइल जा रहे हैं। इस दौरान वे पीएम बेनेट और अपने समकक्ष यैर लापिद के साथ मुलाकात करेंगे।

खास बात है कि विदेश मंत्री इजराइल से पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचेंगे और यहीं से इजरायल के लिए रवाना होंगे। विदेश मंत्री जयशंकर 19-21 अटूबर तक इजरायल के दौर पर रहेंगे। कोविड और देश के आंतरिक मुद्दों में व्यस्तता के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों विदेश यात्रा नहीं कर रहे हैं, ऐसे में करीबी सहयोगियों के साथ संपर्क में रहने का पूरा जिमा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और जयशंकर पर आ गया है। यूएई और इजराइल के साथ सुरक्षा संबंधों को डोभाल ही संभालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल भारत छोटे देशों के अलावा मैसिको, ग्रीस, अर्मेनिया और

किर्गिस्तान जैसे देशों के साथ भी संपर्क बनाने पर ध्यान लगा रहा है, जिन्हें पिछले शासनों में छोड़ दिया गया था।

आरोप: एनसीबी अधिकारी का मित्र गवाह के तौर पर हुआ पेश : नवाब

मुंबई ,(एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) के प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की कार्य-प्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए शनिवार को पूछा कि एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े ने तीन मामलों की जांच में एक पारिवारिक मित्र को एक स्वतंत्र गवाह के रूप में क्यों इस्तेमाल किया। मलिक ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह जानना चाहते हैं कि वानखेड़े और स्वतंत्र गवाहों में से एक के बीच क्या संबंध है, जिसका इस्तेमाल एनसीबी ने अपने हालिया छापे के दौरान किया था। वानखेड़े इस महीने की शुरुआत में मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर छापेमारी का नेतृत्व करने और मादक पदार्थों की कथित जब्ती के बाद अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान सहित अन्य को गिरफ्तार करने के बाद से ही चर्चा में बने हुए हैं। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मलिक ने कहा कि अपराध स्थल पर मौजूद स्वतंत्र गवाहों का जांच एजेंसी से कोई पूर्व संबंध नहीं होना चाहिए। लेकिन यह गवाह इससे पहले भी वानखेड़े के परिवार के सदस्यों के साथ देखा जा चुका है। राकांपा नेता ने एनसीबी की कार्य-प्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा, आप अपने पारिवारिक मित्र को एक स्वतंत्र गवाह के रूप में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। मलिक ने कहा कि अदालतों ने कई फैसलों में यह स्पष्ट किया है।

अदालत — कथित रूप से देह व्यापार में शामिल एचआईवी सक्रमित महिला पर अदालत ने कहा...

एचआईवी संक्रमित महिला को रिहा करने से समाज को खतरा

मुंबई ,(एजेंसी)।

मुंबई के सत्र न्यायालय ने कथित रूप से देह व्यापार में शामिल होने के कारण एचआईवी संक्रमित महिला को हिरासत में रखने के मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखते कहा कि रिहा करने से बहुत संभव है कि समाज पर खतरा पैदा हो। महिला के वकील के मुताबिक उनकी मुवक्किल अभिनेत्री है और उसका पिता पुलिसकर्मी है। सत्र न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखा था लेकिन अब विस्तृत जानकारी सामने आई है।

इससे पहले मझगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने महिला को हिरासत में रखने का निर्देश दिया था साथ ही उसका उल्लेख पीड़िता के तौर पर किया था जिसे पुलिस ने कथित तौर पर देह व्यापार में संलिप्त होते रंगे हाथ पकड़ा था। मजिस्ट्रेट अदालत ने महिला को अनैतिक व्यापार (निषेध) अधिनियम की धारा-17(4) के तहत दो साल तक हिरासत में रखने का निर्देश दिया था। अनैतिक व्यापार (निषेध) अधिनियम की धारा-17(4) के मुताबिक मजिस्ट्रेट विशेष देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले व्यक्ति को संरक्षण गृह या हिरासत में भेजने का आदेश दे सकता है।

अपीलकर्ता ने कहा है कि वह देह व्यापार में शामिल नहीं है और प्राथमिकी से भी प्रथमदृष्टया पता चलता है इसलिए उसे पीड़िता माना गया है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि पीड़िता एचआईवी संक्रमित है और यौन संबंध के जरिए आसानी से बीमारी का प्रसार हो सकता हैं, जो बड़े पैमाने पर लोगों को पीडित बना सकता है और बहुत संभव है कि इससे समाज पर खतरा पैदा हो। अदालत ने कहा कि पीड़िता को हिरासत में रखकर उसकी देखभाल और सुरक्षा की जा सकती हैं जैसा कि मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिया है।

महिला ने इस फैसले के खिलाफ डिंडोशी सत्र अदालत में अपील की थी। वकील के जरिए दायर याचिका में उसने दावा किया था कि मजिस्ट्रेट के फैसले में त्रृटि है। महिला के मुताबिक उसके पिता उसका खर्च उठा सकते हैं और परिवार के अन्य सदस्य वित्तीय रूप से सबल हैं। महिला के वकील ने तर्क दिया कि गलतफहमी और उनके मुवक्किल को एचआईवी पॉजिटिव होने की वजह से हिरासत में रखा गया है।उन्होंने अभियोजन के महिला के रंगे हाथ पकड़े जाने के दावे का भी खंडन किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एसयू बाघेले ने कहा कि अपीलकर्ता ने कहा है कि वह देह व्यापार में शामिल नहीं है और प्राथमिकी से भी प्रथमदृष्टया पता चलता है इसलिए उसे पीड़िता माना गया है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि पीड़िता एचआईवी संक्रमित है और यौन संबंध के जरिए आसानी से बीमारी का प्रसार हो सकता हैं, जो बड़े पैमाने पर लोगों को पीडित बना सकता है और बहुत संभव है कि इससे समाज पर खतरा पैदा हो। अदालत ने कहा कि पीड़िता को हिरासत में रखकर उसकी देखभाल और सुरक्षा की जा सकती हैं जैसा कि मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिया है, ताकि पीड़िता भविष्य में सामान्य जिंदगी बिता सके। अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश सही और वैध है और इसमें हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

सार समाचार

रूस में कोरोना का सबसे भयावह रूप, 24 घंटे में 1000 से ज्यादा मौतें

मॉस्को। रूस में पहली बार कोविड-19 से एक दिन में मरनवालों की संख्या 1,000 के आंकड़े को पार कर गई। देश में संक्रमण के मामलों में भी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय कोरोना वायरस कार्य बल ने शनिवार को बताया कि 1,002 लोगों की मौत हुई, जो कि शुक्रवार को बताए गए आंकड़े 999 से ज्यादा है। वहीं 33,208 नए मामलों की भी पुष्टि हुई है जो कि एक दिन पहले के आंकड़े से 1,000 ज्यादा है। रूस में पिछले कुछ सप्ताह में संक्रमण से दैनिक मौत का रिकॉर्ड कई बार टूटा है लेकिन सरकार अब भी कड़े प्रतिबंधों को लेकर अनिच्छुक है। अधिकारियों ने टीकाकरण की गति लॉटरी, बोनस और अन्य फायदे देकर बढ़ाने की कोशिश की लेकिन टीकाकरण को लेकर लोगों के मन में कई तरह की आशंकाएं है जो अब भी अधिकारियों की कोशिश में बाधा डाल रही है। सरकार ने इस सप्ताह बताया था कि देश की 14.6 करोड़ आबादी में सेकरीब 29 प्रतिशत आबादी (करीब 4.3 करोड़) का टीकाकरण पूरा हो चुका है।

क्या पहले ही अखुंदजादा की हो चुकी थी मौत ? तालिबान ने फिर क्यों छुपाई सच्चाई

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही सुप्रीम लीडर हैबतुल्लाह अखुंदजादा का नाम सामने आने लगा। तालिबान इसी नाम के सहारे आतंक का अपना साम्राज्य खड़ा कर रहा था लेकिन क्या अखुंदजादा की पहले ही मौत हो चुकी थी ? क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद भी अखुंदजादा दिखाई नहीं दिया और इंटरनेट पर उसकी जो तस्वीर है वो काफी ज्यादा पुरानी है।

गिर गई अमेरिकी समर्थित सरकार

साल 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान में तालिबान के राज के बाद वहां पर अमेरिकी प्रशासन समर्थित सरकार का गठन हुआ था। लेकिन अमेरिका की वापसी के साथ ही सरकार भी गिर गई और वापस से तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। अमेरिकी ड्रोन हमले में अख्तूर मंसूर के मारे जाने के बाद साल 2016 में अखुंदजादा को तालिबान का प्रमुख नियुक्त कर दिया गया था। 15 अगस्त, 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया तो कयास लगाए जाने लगे कि अखुंदजादा सामने आकर सरकार के गठन का ऐलान करेंगे। लेकिन किसी ने भी अखुंदजादा को नहीं देखा और फिर बाद में अखुंदजादा की मौत की खबर सामने आई। इसमें कितनी सच्चाई है यह बताया नहीं जा सकता है। पहले तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि अखुंदजादा मारा गया है तो कह रहा था कि वो जेल में कैद है लेकिन अंततः तालिबान ने यह स्वीकार किया कि अखुंदजादा नहीं रहा। माना जा रहा है कि साल 2020 में अखुंदजादा पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा समर्थित आत्मघाती हमले में मारा गया था।

नदी की सफाई अभियान पर गए स्कूल के 11 छात्र डूबे, जांच अभियान जारी

जकार्ता।इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में नदी की सफाई अभियान पर गए एक स्कूल के 11 छात्र डूब गए और 10 अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक इस्लामिक जूनियर हाई स्कूल के 150 छात्र शुक्रवार को सिलियूर नदी के तट पर सफाई अभियान में हिस्सा ले रहे थे, तभी इनमें 21 छात्र फिसलकर नदी में गिर गए। बांडुंग तलाश एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख डेडेन रिडवानस्याह ने बताया, ''मौसम ठीक था और अचानक बाढ़ की कोई आशंका नहीं थी। जो बच्चे डूबे, उन्होंने एक दूसरे का हाथ पकड़ा था। उनमें से एक बच्चे का पैर फिसल गया जिससे अन्य भी नदी में फिसल गए।'' पास के निवासियों एवं बचाव दल ने 10 छात्रों को बचा लिया जिन्हें निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव दल ने छात्रों को बचाने के लिए बड़ीनौकाओं का इस्तेमाल किया और शुक्रवार रात को अभियान खत्म होने तक नदी में डूबे सभी छात्रों का पता लगा लिया गया।

इस्कॉन मंदिर पर भीड़ ने किया हमला, तीन लोगों की मौत, बांग्लादेश में एक हफ्ते के अंदर हिंदुओं पर दूसरा बड़ा हमला

नई दिल्ली।बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर एक और बड़ा हमला हुआ है। 14 अक्टूबर को दुर्गा पूजा पंडाल में हिंसा हुई जिसमें मूर्तियां तोड़ी गयी और तीन हिंदुओं को मार डाला गया अब शुक्रवार को नोआखली इलाके में एक इस्कॉन मंदिर में भीड़ ने कथित तौर पर भक्तों पर हमला किया। इस्कॉन ने एक ट्वीट में कहा कि मंदिर को काफी नुकसान हुआ है और एक श्रद्धालु की हालत गंभीर बनी हुई है। इस्कॉन के सदस्य की मौत की खबरें भी हैं।

बंग्लादेश में इस्कॉन मंदिर पर भीड़ ने किया हमला

इस्कॉन की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इस्कॉन के सदस्य पार्थ दास की शुक्रवार को 200 से अधिक लोगों की भीड़ ने बेरहमी से हत्या कर दी थी, उनका शव मंदिर के बगल में एक तालाब में मिला था। हम बांग्लादेश सरकार से तत्काल कार्रवाई का आह्वान करते हैं। इस्कॉन ने एक ट्वीट में कहा इस्कॉन मंदिर और भक्तों पर आज नोआखली, बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंसक हमला किया गया। मंदिर को काफी नुकसान हुआ और एक भक्त की हालत गंभीर बनी हुई है। हम बांग्लादेश सरकार से सभी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों को न्याय दिलाने का आह्वान करते हैं।

इस्कॉन मंदिर के तीन सदस्यों की हत्या

इस्कॉन निदेशक व्रजेंद्र नंदन दास ने कहा कि हमला करने वाले आतंकवादी थे, बहुसंख्यक समुदाय के गुंडे, हमारे 3 भक्त मारे गए। बांग्लादेश सरकार को भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

बांग्लादेश में तोड़ा गया दुर्गा पूजा का पंडाल, तीन लोगों की मौत

इस्कॉन का कहना है कि उनके मंदिर और भक्तों पर शुक्रवार को बांग्लादेश के नोआखली में भीड़ द्वारा हिंसक हमला किया गया था। इस सप्ताह बांग्लादेश में हिंदू पूजा स्थलों पर हमलों की श्रृंखला में इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़ नयी घटना है।

चीन ने छह महीने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों को किया रवाना

बीजिंग।(एजेंसी)।

चीन का शेनझोउ-13 अंतरिक्ष यान देश के तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर शनिवार को अपने अंतरिक्ष केंद्र पहुंचा। ये अंतरिक्ष यात्री रिकॉर्ड छह महीने तक वहां रहेंगे। लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट से शुक्रवार देर रात 12 बजकर 23 मिनट पर अंतरिक्ष यान को भेजा गया और करीब साढ़े छह घंटे बाद शनिवार सुबह छह बजकर 56 मिनट पर यान तियांगोंग अंतरिक्ष केंद्र के कोर मॉड्यूल पहुंचा। इस अंतरिक्ष यान से रवाना हुए दो पुरुष और एक महिला दूसरे क्रू सदस्य हैं जो अंतरिक्ष केंद्र में गए हैं। यह अंतरिक्ष केंद्र गत अप्रैल में स्थापित किया गया था। पहले क्रू सदस्य तीन महीने तक वहां रहे थे। इन क्रू सदस्यों में से दो अंतरिक्ष यात्रियों झाई झिगांग (55) और वांग यापिंग (41) को पहले भी अंतरिक्ष यात्रा करने का अनुभव रहा है। ये ग्वांगफू अंतरिक्ष की पहली बार यात्रा कर रहे हैं। उन्हें सेना के एक बैंड और समर्थकों द्वारा लोकप्रिय देशभक्ति गीत गाते हुए रवाना किया गया। चीन ने हाल के वर्षों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में काफी तेज प्रगति की है। ये क्रू सदस्य अंतरिक्ष केंद्र में

उपकरण स्थापित करने के लिए तीन स्पेसवॉक करेंगे, अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं को खोजेंगे और अंतरिक्ष औषधि तथा अन्य क्षेत्रों में प्रयोग करेंगे। चीन की सेना द्वारा संचालित अंतरिक्ष कार्यक्रम की योजना अंतरिक्ष केंद्र को पूरी तरह संचालन की स्थिति में लाने के लिए अगले दो वर्षों में वहां कई क्रू सदस्यों को भेजने की है। इस साल के अंत तक दो और चीनी मॉड्यूल भेजे जाने हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल में अन्य देशों के साथ सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने कहा कि चीन अंतरिक्ष यान भेजने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग करता रहेगा और ब्रह्मांड के रहस्यों को खोजने में सकारात्मक योगदान देगा। चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम के गोपनीय प्रकृति के होने और सेना से करीबी संबंध होने को लेकर अमेरिका की आपत्ति के कारण उसे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से बाहर रखा गया। इसके कारण चीन ने स्थायी अंतरिक्ष केंद्र शुरू करने से पहले दो प्रयोगात्मक मॉड्यूल अंतरिक्ष में भेजे। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिका और चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रमों के बीच संपर्क के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होती है लेकिन चीन फ्रांस, स्वीडन, रूस और इटली समेत अन्य देशों के अंतरिक्ष विशेषज्ञों से सहयोग ले रहा है। चीनी अधिकारियों ने कहा कि अंतरिक्ष केंद्र के पूरी तरह संचालन की स्थिति में आने पर वह दूसरे देशों के अंतरिक्ष यात्रियों को भी अंतरिक्ष केंद्र ले जाने के लिए उत्सुक है। चीन ने 2003 से अब तक 14 अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। वह पूर्व सोवियत संघ और अमेरिका के बाद अंतरिक्ष में अपने दम पर अंतरिक्ष यात्री को भेजने वाला 2003 में तीसरा देश बन गया था।

लड़कियों को स्कूलों में पढ़ने की इजाजत होगी या नहीं? तालिबान जल्द करेगा घोषणा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि तालिबान ने उन्हें बताया कि वे ''जल्द'' यह घोषणा करेंगे कि सभी अफगान लड़कियों को माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने की इजाजत होगी। पिछले सप्ताह काबुल की यात्रा पर गए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक उमर अब्दी ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों को बताया कि अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से पांच प्रांतों - उत्तर पश्चिम में बाल्ख, जवज्जान और समांगन, उत्तर पूर्व में कुंदुज और दक्षिण पश्चिम में उरोज्गान में पहले ही माध्यमिक स्कूलों में लड़कियों को पढ़ने की इजाजत है। उन्होंने कहा कि तालिबान के शिक्षा मंत्री ने उन्हें बताया कि वे सभी लड़कियों को छठी कक्षा से आगे अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखने की अनुमति देने के लिए ''एक रूपरेखा'' पर काम कर रहे हैं, जिसे ''एक से दो महीने के बीच'' जारी किया जाएगा। अब्दी ने कहा, ''माध्यमिक विद्यालय जाने की उम्र वाली लाखों लड़कियां लगातार 27वें दिन शिक्षा से वंचित हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के 1996-2001 के शासन के दौरान उन्होंने लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था और उनके काम करने और सार्वजनिक जीवन पर रोक लगा दी थी। अब्दी ने कहा कि हर बैठक में उन्होंने तालिबान को ''लड़कियों की शिक्षा बहाल करने'' पर जोर दिया और इसे खुद लड़कियों और देश के हित में महत्वपूर्ण बताया।''

पाक गृह मंत्री ने कहा, आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति के मुद्दे को एक हफ्ते में सुलझा लेंगे

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा कि देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नए प्रमुख की नियुक्ति के मुद्दे को एक सप्ताह में सुलझा लिया जाएगा। मंत्री का यह बयान उन कयासों के बीच आया है जिसमें कहा गया कि इस अहम नियुक्ति को लेकर प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा में मतभेद है। उल्लेखनीय है कि इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक की नियुक्ति का मुद्दा पिछले सप्ताह इस पद पर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम की नियुक्ति को लेकर जारी होने वाली अधिसूचना में देरी के बाद से ही सुर्खियों में है। हालांकि, गृह मंत्री इस देरी के कारणों के बारे में बताने से बचते नजर आए।

सेना ने छह अक्टूबर को बयान जारी कर अंजुम को आईएसआई के मौजूदा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के स्थान पर नियुक्त करने की घोषणा की जबकि हमीद को पेशावर कोर का कमांडर नियुक्त किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस नियुक्ति की आधिकारिक अधिसूचना रोक दी। शुरुआती चुप्पी के बाद सरकार ने इस सप्ताह जारी बयान में कहा कि इस अहम नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री से सही तरीके से चर्चा नहीं की गई। इस हफ्ते की शुरुआत में सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि प्रधानमंत्री को खुफिया एजेंसी के प्रमुख की नियुक्ति करने का अधिकार है और परामर्श की प्रक्रिया पूरी हो गई है और अधिसूचना जारी की जाएगी। डॉन' समाचार पत्र में शुक्रवार को प्रकाशित खबर में कहा गया कि शेख राशिद अहमद ने निजी टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में बताया है कि सौहार्दपूर्ण तरीके से देश के असैन्य और सैन्य नेतृत्व ने मामले को सुलझा लिया है और अब 'नियुक्ति (आईएसआई प्रमुख की) अगले शुक्रवार से पहले हो जाएगी।'' जब इस नियुक्ति में हुई देरी के बारे में पूछा गया तो गृह मंत्री ने कहा कि वह कारण जानते हैं लेकिन सार्वजनिक नहीं करेंगे क्योंकि प्रधानमंत्री ही इस बारे में जनता को बता सकते हैं।

एक सवाल के जवाब में शेख राशिद ने उन दावों का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने ''आध्यात्मिक और पवित्र'' कारणों से नियुक्ति में देरी की। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बकवास है किआध्यात्मिक शक्तियों के हस्तक्षेप की वजह से जानबूझकर नियुक्ति में देरी की गई। यह अतार्किक है कि कोई निर्देशित कर रहा है।'' मंत्री ने दावा किया कि असैन्य और सैन्य नेतृत्व में कोई मतभेद नहीं है और दोनों ने जो तय किया गया है, उसपर वे संतुष्ट हैं। उन्होंने मीडिया में आई खबरों और सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेशनल असेंबली में मुख्य सचेतक अमीर डोगर के उस बयान को भी खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री लेफ्टिनेंट जनरल फैज को पड़ोसी देश अफगानिस्तान में उत्पन्न् हालात की वजह से कुछ और समय के लिए इस पद पर बने देने रहना चाहते थे। वहीं, एक अन्य बयान में सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि आईएसआई महानिदेशक की नियुक्ति के मुद्दे का आने वाले कुछ दिनों में समाधान हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस प्रकरण पर टिप्पणी करने से बचते हुए कहा, ''इस मुद्दे पर शुक्रवार कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है।

विदेश मंत्री जयशंकर 17 अक्टूबर को इजराइल की यात्रा पर जायेंगे, द्विपक्षीय संबंधों को लेकर होगी बैठक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर 17 अक्टूबर से पांच दिवसीय यात्रा पर इजराइल जायेंगे जहां वे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान से यह जानकारी मिली है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, '' विदेश मंत्री एस जयशंकर 17-21 अक्टूबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर जायेंगे।'' मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर इजराइल के विदेश मंत्री येर लेपिड के निमंत्रण पर जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह पहली इजराइल यात्रा है। इस दौरान वे अपने इजराइली समकक्ष येर लेपिड के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इजराइल में नेफ्ताली बेनेट की सरकार बनने के बाद भारत से यह पहली महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय यात्रा होगी।

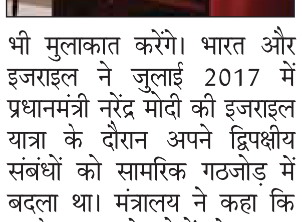

विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग, प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट तथा वहां की संसद नेसेट के स्पीकर से भी मुलाकात करेंगे। भारत और इजराइल ने जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा के दौरान अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामरिक गठजोड़ में बदला था। मंत्रालय ने कहा कि इसके बाद से दोनों देश ज्ञान आधारित आपने गठजोड़ को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं जिसमें नवोन्मेष एवं शोध तथा 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को गति प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर इजराइल में भारतीय समुदाय के लोगों, भारतीय छात्रों, कारोबारियों तथा उच्च प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्योगों से संबंधित लोगों से भी संवाद करेंगे। बयान के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान प्रथम विश्व युद्ध में इस क्षेत्र में जान न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि भी देंगे।

क्या अब भी रिपब्लिकन पार्टी में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहते है डोनाल्ड ट्रंप?

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में अपना प्रभाव बनाए रखने की कोशिश जारी रखे हुए है और वह राष्ट्रपति पद के लिए बार फिर चुनाव मैदान में उतरने की मंशा रखते हैं। ट्रंप को राष्ट्रपति का पद छोड़े लगभग एक साल होने वाला है लेकिन वह अब भी अपने प्रभाव को बनाये रखने के प्रयासों में लगे हुए है। वहीं, अमेरिकी चुनावों में कथित रूसी हस्तक्षेप की जांच वाली खुफिया समिति के अध्यक्ष और ट्रंप के खिलाफ पहले महाभियोग का नेतृत्व करने वाले एडम शिफ भी उन्हें घेरने का मौका नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी राजनीतिक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति रही तो यह लोकतंत्र पर मंडरा रहे खतरे से कम नहीं होगा। शिफ ने सी-स्पैन के 'बुक टीवी' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हम देश को दिखाना चाहते हैं कि

छह जनवरी को कैपिटल (संसद भवन) पर हमले की घटना कैसे हुई। हम बताना चाहते हैं कि कैसे हमारे निर्वाचन को लेकर फैलाए गए बड़े झूठ ने हजारों लोगों को अपनी ही सरकार पर हमले के लिए प्रोत्साहित किया।'' यह साक्षात्कार रविवार से एक सप्ताह तक कड़ियों में प्रसारित किया जाएगा। शिफ ने सवाल किया, ''राष्ट्रपति को इस रैली की क्या जानकारी थी और जब उन्हें जानकारी मिली तो क्या किया? क्यों यह इतने लंबे समय तक चला? ऐसे में कई अहम सवाल हैं जिनके जवाब तलाशने बाकी है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप के खिलाफ जांच कर रही समिति ' सटीक रिपोर्ट देगी', ठीक वैसे ही जैसे 9/11 हमले पर गठित समिति ने 2001 में अमेरिका में हुए आतंकवादी हमले की विस्तृत जांच करने के बाद दी थी। वहीं ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट ''सत्ता के नशे' में चूर हैं। उन्होंने अपने पूर्व कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा है कि वे समिति के बुलावे पर बयान देने नहीं जाए। पूर्व राष्ट्रपति अपने रुख पर अड़े हैं कि राष्ट्रपति नहीं होने पर भी उन्हें कार्यकारी विशेषाधिकार प्राप्त है।

गौरतलब है कि समिति ने इस सप्ताह घोषणा की है कि अगर ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन समन का पालन नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ अवमानना के लिए समिति मतदान करेगी। ट्रंप ने एक बयान में कहा, ''चरमपंथी वाम डेमोक्रेट रूस के नाम पर फर्जी मामला बनाने और फर्जी महाभियोग चलाने की कोशिश कर चुके हैं और अब एक बार फिर वे कांग्रेस का इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित करने के लिए कर रहे हैं।

हमलावर ने नमाजियों के बीच आकर खुद को उड़ाया, मस्जिद की दीवारें खून से रंगी; आईएसआईएस ने ली जिम्मेदारी

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान के आगाज का असर अब देखने को मिल रहा है। बता दें कि, अफगानिस्तान के बड़े शहर कंधार के शिया इमाम बरगाह मस्जिद में नमाज पढ़ रहे लोगों पर आत्माघाती हमले किए गए जिसमें 62 लोगों की मौत हो गई है और 68 लोग घायल हो गए है। इसकी जिम्मेदारी खुद इस्लामिक स्टेट ने ली है। उल्लेखनीय है कि, पिछले हफ्ते ही शुक्रवार को कुंदूज शहर की शिया मस्जिद में आतम्घाती हमले किए गए थे जिसमें 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

हमलावर ने खुद को किया बलास्ट

आत्मघाती हमले में हमलावर ने खुद को नमाज पढ़ रहे लोगों के बीच उड़ा दिया जिसके कारण मरने वालों की संख्या ज्यादा है। इस बलास्ट की फोटो और वीडियो इंटरनेट पर पोस्ट किए गए है जो कि काफी विचलित करने वाले हैं। बता दें कि, इस जोरदार बलास्ट के बाद मस्जिद की दीवारें खून से रंगी हुई दिखाई दे रही है और शरीर के मांस के टुकड़े जगह-जगह बिखरे हुए दिखाई दे रहे है। विस्फोट से काला धुंआ निकला जिससे मस्दिज की दिवारें काली हो गई है। पूरे मस्जिद में बारूद की गंध महसूस की जा सकती है। वहीं तलिबान सरकार की न्यूज एजेंसी बख्तार ने मस्जिद विस्फोट में 62 लोगों के मर जाने की पुष्टि की है।

तालिबान का विशेष बल तैनात

बता दें कि तालिबान का विशेष दल हर इलाके पहुंच लोगों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के लिए बता दें कि खुद तालिबान ने शिया समुदाय को अपना निशाना बनाया है लेकिन इश बार इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। शिया समुदाय पर हुए इस हमलें की ईरान ने भी निंदा की है।

अंतरिक्ष में अगर किसी की मौत हो गई तो शव का क्या होगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जन्द ही वह समय आ सकता है जब हम छुट्टियां मनाने के लिए या रहने के लिए अन्य ग्रहों की यात्रा करेंगे। वाणिज्यिक अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ऑरिजीन ने भुगतान करने वाले ग्राहकों को उप कक्षीय उड़ानों से भेजना शुरू कर दिया है और उद्योगपति एलन मस्क को अपनी कंपनी स्पेस एक्स के साथ मंगल ग्रह पर एक बेस शुरू करने की उम्मीद है। अब सवाल यह उठता है कि अंतरिक्ष में रहने में कैसा लगेगा या यदि किसी की मौत हो जाएगी तो वहां शव का क्या होगा। पृथ्वी पर किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसका शव सड़ने-गलने के कई चरणों से होकर गुजरता है। इस बारे में 1247 में सोंग सी की 'द वाशिंग अवे ऑफ रॉग्स', प्रथम फोरेंसिक विज्ञान पुस्तिका में वर्णन किया गया था। सबसे पहले रक्त का प्रवाह रूक जाता है (लिवोर मोर्टिस) और गुरूत्व के चलते यह जमा होने लगता है। इसके बाद शव ठंडा हो जाता है और मांसपेशिया अकड़ जाती है, जिस प्रक्रिया को रिगोर मोर्टिस कहते हैं। इसके बाद, रासायनिक प्रतिक्रिया को तेज करने वाला प्रोटीन कोशिका की दीवारों को तोड़ देता है और उसकी सामग्री को बाहर निकाल देता है। इसके साथ-साथ, जीवाणु पूरे शरीर में फैल जाता है।

वे नरम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं और उनसे जो गैस निकलता है उससे शव फूल जाता है। इसके बाद दुर्गंध आने लगती है और नरम उत्तक टूट जाते हैं। शव के सड़ने-गलने की यह प्रक्रिया अंदरूनी कारक हैं लेकिन बाहरी कारक भी हैं जो सड़ने-गलने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, उनमें तापमान, कीट की सक्रियता, शव को दफन करना या कपड़े आदि में लपेट कर रखना तथा आग और पानी की मौजूदगी शामिल है। शव को ममी में तब्दील करने का कार्य शुष्क परिस्थितियों में होता है, जो गर्म या ठंडा हो सकता है। नम पर्यावरण में ऑक्सीजन के बगैर ऐसी स्थिति बनती है जिसमें पानी वसा को हाइड्रोलाइसिस प्रक्रिया के जरिए मोम जैसे पदार्थ में विखंडित कर सकता है। मोमीय परत त्वचा पर एक कवच बन जाता है और उसका संरक्षण करता है। हालांकि, कई मामलों में नरम उत्तक आखिरकार खत्म हो जाते हैं और सिर्फ कंकाल बच जाता है। ये कठोर उत्तक हजारों वर्षों तक टिके रह सकते हैं। सड़न को रोकनाः अन्य ग्रहों पर अलग गुरूत्व रहने के चलते 'लिवोर मोर्टिस' चरण निश्चित तौर पर प्रभावित होगा और अंतरिक्ष में तैरते समय गुरुत्व का अभाव रहने पर रक्त नहीं जमेगा। स्पेससूट के अंदर 'रिगोर मोर्टिस' की प्रक्रिया जारी रहेगी।

मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव भी शव के सड़ने -गलने में मदद करते हैं। हालांकि, हमारे सौर मंडल के अन्य ग्रहों पर कीट और शव को खाने वाले अन्य जंतु मौजूद नहीं हैं। सड़ने-गलने की प्रक्रिया में तापमान भी एकमुख्य कारक है। उदाहरण के तौर पर चंद्रमा पर तापमान 120 डिग्री सेल्सियस से 170 डिग्री सेल्सियस है। इससे शवों में ताप से प्रभावित बदलाव या ठंड से जमने के प्रभाव देखे जा सकते हैं। हालांकि, मनुष्य के शव अंतरिक्ष में एलियन के समय होंगे। इसलिए संभवतः अंत्येष्टि का एक नया तरीका ढूंढने की जरूरत होगी।

-(टिम थॉम्पसनः हेल्थ एंड लाइफ साइंसेज के डीन एवं अप्लाइड बायोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी, टेस्सीड यूनिवर्सिटी के प्राध्यापक) मिडिल्सब्रो (इंग्लैंड)

दिल्ली-एनसीआर में अबोहवा हुई खतरनाक,इन दो जिलों में एक्यूआई हुआ बेहद खराब

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद में वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब स्तर पर रेड जोन में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर ऐप के अनुसार, शनिवार को एनसीआर में ग्रेटर नोएडा का वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) 337 दर्ज किया गया, इसके बाद गाजियाबाद में एक्यूआई 324 रहा, जबकि नोएडा का एक्यूआई 283 रहा। वहीं, हरियाणा के बल्लभगढ़ में एक्यूआई 245, फरीदाबाद में 243 तथा गुरुग्राम में 293 दर्ज किया गया। बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते लोगों को सांस लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, गाड़ियों से निकलने वाला काला धुआं, निर्माण कार्यों के कारण उड़ने वाले पीएम कणों, सड़कों पर फैली धूल, उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन और पड़ोसी रायों में जलाई जा रही पराली वायु प्रदूषण के कुछ मुख्य कारक हैं।

उल्लेखनीय है कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

दिल्ली सरकार 18 अक्टूबर से एक बार फिर रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान के तहत 2,500 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को सड़कों पर तैनात किया जाएगा। इसका मकसद वाहनों से होने वाले प्रदूषण को काबू करना है। यह अभियान 13 पुलिस जिलों के 100 यातायात चौराहों पर शुरू किया जाएगा। रविवार को मुहिम का अभ्यास किया जाएगा।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया था कि प्रदूषण रोकने के लिए यह अभियान 13 पुलिस जिलों के 100 चौराहों पर चलाया जाएगा और 90 चौराहों पर 10-10 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के ग्रुप को तैनात किया जाएगा, जबकि अन्य 10 प्रमुख चौराहों पर 20 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के ग्रुप को तैनात किया जाएगा। उन प्रमुख चौराहों पर जहां 20 वॉलंटियर्स को तैनात किया जाएगा, उनमें आईटीओ, तिलक मार्ग पर भगवानदास चौराहा, बाराखंभा रोड पर टॉलस्टाय चौराहा, मोती बाग मेट्रो के पास चंदगी राम अखाड़ा चौराहा, पीरागढ़ी चौक, पृथ्वीराज रोड चौराहा, राजेश पायलट मार्ग, मधुबन चौक, पीतमपुरा मेट्रो चौराहा और किराड़ी मोड़ शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ये सिविल डिफेंस वॉलंटियर पर्यावरण मार्शल के रूप में काम करेंगे और लोगों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तीन अपीलों के बारे में जानकारी देने वाले पर्चे भी बांटेंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान 18 नवंबर तक चलेगा। सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक और दोपहर दो से रात आठ बजे तक की दो शिफ्टों में तैनात किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी लाना है।राय ने कहा कि दिल्ली सरकार शहर में प्रदूषण के स्तर को काफी कम रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने में मदद करने के लिए, केजरीवाल ने बीते मंगलवार को लोगों से रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और हफ्ते में कम से कम एक दिन अपनी कार का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की थी। उन्होंने दिल्लीवासियों से यह भी अपील की थी कि प्रदूषण नियमों के उल्लंघन के किसी भी मामले की रिपोर्ट ग्रीन दिल्ली ऐप पर करें।

संक्षिप्त खबर

एक मां की पूजा के बाद दूसरी मां को कर रहे गंदा लोग, रोक के बावजूद प्रवाहित कर रहे पूजन सामग्री

नई दिल्ली । यमुना नदी में प्रदूषण को देखते हुए एनजीटी के दिशानिर्देशों के तहत पूजा सामग्री प्रवाहित करने पर पूरी तरह से रोक लगी है। इसके बावजूद लोग नवरात्र के समापन के बाद नदी में मां दुर्गा की मूर्तियां विसर्जित करने और पूजन सामग्री प्रवाहित करते नजर आए। लोग यमुना पुल पर खड़े होकर पालीथिन में माता की चुनरी, फूल माला, अगरबत्ती के खाली डिब्बे और अन्य पूजन सामग्री डाल रहे थे। हालांकि, पुलिस बल भी तैनात था, लेकिन लोग बेखौफ होकर यमुना पुल की जालियों के बीच से पूजन सामग्री को डालते दिखे। पुल के किनारे पूजन सामग्री का ढेर लग गया है। इससे पुल पर गंदगी फैल रही है। इसके अलावा नदी में दूर-दूर से प्लास्टिक की थैलियां बहतीं नजर आ रही थीं। यमुना पुल पर जगह-जगह पूजा सामग्री और हवन सामग्री न डालने की चेतावनी के बोर्ड लगे हैं, वहीं कई फिट ऊंची जाली भी लगी है। इसके बावजूद लोग नियमों की अनदेखी कर नदी को दूषित करते दिखे।

यमुना पुल पर तैनात पुलिस बल लोगों को पूजा सामग्री डालने से बार-बार मना कर रहा था। फिर भी लोग यमुना खादर के रास्ते और पुल की टूटी जाली के बीच से चोरी-छिपे पूजन सामग्री डाल रहे थे। यमुना पुल में पूजन सामग्री डाल रहे बच्चों और महिलाओं ने बताया कि वे लोग आसपास ही रहते हैं और पूजा सामग्री डालने के पैसे लेते हैं। राहगीरों ने बताया कि आसपास झुग्गियों में रहने वाले लोग पुल की जालियों को तोड़ देते हैं। इससे लोग यहां पूजन सामग्री डालने पहुंचते हैं। लोगों को भी सोचना चाहिए नौ दिन मां दुर्गा की पूजा करते हैं। उसके बाद पूजा सामग्री को नदी में फेंक देते हैं। यह बहुत दुखद है कि एक तरफ सरकार यमुना की सफाई के लिए अभियान चला रही है और दूसरी ओर लोग पवित्र नदी को दूषित कर रहे हैं।

दिल्ली की कुड़ी नव्या बैजल ने 10 साल की उम्र में सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

नई दिल्ली। यूं तो बहुत से बच्चे बचपन से ही प्रतिभाशाली होते हैं। लेकिन, जब कोई बच्चा उम्र के मुकाबले कई गुनी सफलता अर्जित करता है तो उसकी चर्चा होना लाजिमी है। इन्हीं में से एक हैं दिल्ली के अशोक विहार इलाके की नव्या बैजल। इसने बड़े ही कम समय में इंस्टाग्राम पर अपनी एक नई पहचान बनाई है। नव्या बैजल की खास बात यह है कि वह अभिनय की अदाकारी से भरी हुई एक ज़िंदादिल और खुश मिजाज़ बच्ची है। हालांकि, सोशल मीडिया नए-नए टैलेंट से भरा हुआ है। बच्चे अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर अपने नियमित कार्यक्रमों के साथ ध्यान खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं, नव्या महज 10 साल की उम्र में आपको आनंदित कर देगी। साथ ही अपने टैलेंट और हुनर से आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनाकर रखेगी। इसी वजह से उनकी कुछ रील्स और पोस्ट को बहुत पसंद किया जा रहा है। नव्या बैजल इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने जीवन की एक झलक पेश करती हैं। वह एक अदाकारा, मॉडल और सुंदर डांसर हैं। इन्हीं सब खूबियों की वजह से नव्या को सोशल मीडिया पर बहुत पसंद किया जा रहा है। नव्या आने वाले समय में आप इनको म्यूजिक एलबम और वेबसीरीज में भी नजर आ सकती हैं। इसके साथ ही वह ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए मेहनत में जुटी हैं। जल्दी ही वह और सफल होकर अपनी उम्र के बच्चों के लिए एक मिसाल बनेगी। वैसे भी हमारे देश में सोशल मीडिया सेलेब्रिटीज और प्रभावित करने वालों का चलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

दिल्ली में नंदू गिरोह का बदमाश मुठभेड़ के बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे, चली छह राउंड गोलियां

नई दिल्ली । द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने नंदू गिरोह के एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों तरफ से छह राउंड गोलियां चली। इसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए वहीं बदमाश अनिल जून के दोनों पैरों में गोली लगी। आरोपित अनिल पर दिल्ली पुलिस में एक एएसआइ के बेटे की हत्या का अरोप है। इसके पास से एक पिस्टल, दो कारतूस व एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। द्वारका जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने के लिए स्पेशल स्टाफ की टीम बदमाशों को गिरफ्तार कर रही है। दिल्ली पुलिस के एएसआइ के बेटे की हत्या मामले में आरोपित की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी स्पेशल स्टाफ की टीम को सौंपी गई थी। छानबीन के दौरान पता चला कि आरोपित अनिल जून कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह का बदमाश है और आनेवाले दिनों में लोगों में दहशत पैदा कर रंगदारी वसूलने के लिए वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस के जरिये आरोपित की लोकेशन के बारे में पता करना शुरू किया।

इसी दौरान टीम को पता चला कि आरोपित अनिल जून 15 अक्टूबर की रात धूलसिरस इलाके में आनेवाला है। इसके बाद इंस्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम सतर्क हुई और धूलसिरस गांव में जाल बिछा दिया। पुलिस टीम को एक मोटरसाइकिल पर धूलसिरस चौक पर अनिल आता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे सरेंडर करने का कहा, लेकिन उसने पिस्टल निकालकर गोलियां चलानी शुरू कर दी। बुलेट प्रूफ जैकेट होने के चलते पुलिसकर्मी बाल बाल बच गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने अपने बचाव में गोली चलाई। इससे अनिल के दोनों पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित पर पहले भी लूट व आर्म्स एक्ट तहत मामला दर्ज है।

पिता की डांट पर किशोरी ने घर छोड़ा, गुमशुदगी दर्ज होने पर पुलिस ने फरीदाबाद से किया बरामद

नई दिल्ली। प्रशांत विहार इलाके में रहने वाली किशोरी ने पढ़ाई के लिए पिता के डांटने से घर छोड़कर चली गई। गुमशुदगी दर्ज होने पर बुध विहार थाने के पुलिस कर्मियों ने उसे फरीदाबाद में खोज निकाला और उसे उसके माता पिता को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार रोहिणी इलाके में रहने वाले उदय दास ने 13 अक्टूबर को प्रशांत विहार थाने में अपनी 13 वर्षीय बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी रितु दास अपराह्न तीन बजे बिना बताए घर से कहीं चली गई है। उन्होंने बेटी के अपहरण किये जाने की भी आशंका जाहिर की।

नौवीं कक्षा की छात्रा है किशोरी- प्रशांत विहार थाने में अपहरण की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया और किशोरी का पता लगाने के लिए आसपास के थाना पुलिस को भी जिम्मेदारी दी गई। रोहिणी जिले के डीसीपी प्रणव तायल ने बताया कि किशोरी को ढूंढने के लिए जिले में अलग अलग टीमें बनाई गईं। इनमें एक टीम बुध विहार थाने के एसएचओ खेमेंद्र पाल के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल मासूम, महिला कांस्टेबल पूनम की टीम ने अपने स्तर से किशोरी को खोजना शुरू किया। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। किशोरी के दोस्तों से पूछताछ की गई। उसके रिश्तेदारों के बारे में जानकारी जुटाई। रेलवे स्टेशनों, व बस अड्डों पर भी उसकी तलाश की गई। इन प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि किशोरी के फरीदाबाद में घूमते हुए पाये जाने की सूचना मिली। इसके बाद तुरंत वहां पुलिस की टीम पहुंच गई और उसे सकुशल बरामद कर लिया।

पूछताछ में उसने बताया कि उसके पिता ने पढ़ाई पर गंभीरता से ध्यान नहीं देने के लिए डांट दिया था। जिससे वह खुद को काफी आहत महसूस कर रही थी। ऐसे में उसने कभी नहीं लौटने के फैसले के साथ घर से निकल गई थी। बहरहाल, पुलिस ने किशोरी व उसके पिता की काउंसलिंग कराई है।

पैर पर चढ़ा टेंपो का पहिया तो जमकर हुआ बवाल, छह घायल

पश्चिमी दिल्ली । डाबड़ी थाना क्षेत्र में पैर पर टेंपो का पहिया चढ़ने के बाद हुए बवाल में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान लाठी-डंडे के अलावा तलवार से भी एक-दूसरे पर हमला किया गया। करीब एक घंटे तक चले बवाल में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों के अलग-अलग समुदाय का होने के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने 28 लोगों को हिरासत में ले लिया। साथ ही दंगा करने व हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार बिदापुर जेजे कालोनी के पास रावण दहन का कार्यक्रम था। इसमें स्पीकर व माइक पास में रहने वाले जीतू का था। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे जीतू अपना स्पीकर व अन्य सामान लेने के लिए वहां पहुंचा। इसी दौरान उसका टैंपो अजहर के पैर पर चढ़ गया। इसके बाद अजहर ने जीतू की पिटाई कर दी। वहां से जीतू सीधे अपने घर आया और घटना की जानकारी स्वजन को दी।

सिंघु बॉर्डर लिंचिंग पर अनुसूचित जाति आयोग बयान, प्रदर्शन स्थल पर होनी वाली हर घटना के लिए किसान ही जिम्मेदार

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली। सिंघु बॉर्डर पर हुए नृशंस हत्याकांड पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला ने शनिवार को कहा कि किसान नेताओं ने पूरी तरह से इस घटना से पल्ला झाड़ लिया है, लेकिन यह सही नहीं है। अगर आरोपी 10 महीने से उनके साथ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके साथ रह रहे हैं, तो वे उसी आंदोलन का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर उन्होंने उसे फांसी पर लटकाया, वह भी किसानों के मंच के पास है। वहां जो भी घटना होती है उसके लिए वे (किसान) ही जिम्मेदार होते हैं। उनकी भूमिका अपराधियों की तरह ही है।

सांपला ने बताया कि सिंघु बॉर्डर हत्याकांड को लेकर दलित समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग आज मुझसे मिले। हम पहले ही डीजीपी हरियाणा, मुख्य सचिव को इस पर सख्त कार्रवाई करने के लिए नोटिस भेज चुके हैं और फैक्स के माध्यम से रिपोर्ट भी मांगी है।

जानकारी के अनुसार, सिंघु बॉर्डर पर स्थित किसानों के प्रदर्शन स्थल के नजदीक एक दलित व्यक्ति की पीट-पीट कर नृशंस हत्या के मामले में करीब 15 दलित संगठनों ने शनिवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पंजाब के तरन तारन जिले के निवासी लखबीर सिंह (35) का पुलिस बैरिकेड से बंधा शव उस मंच के पास मिला जिसे दस महीने से प्रदर्शन कर रहे किसानों ने तैयार कर रखा है। उसके शरीर पर धारदार हथियार के वार से बने करीब 10 निशान थे। इस घटना के लिए निहंगों के एक समूह को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

अखिल भारतीय खटीक समाज, अखिल भारतीय बेरवा विकास संघ, धनक कल्याण संघ और दलित कर्मचारियों और पेशेवरों के अन्य संगठनों समेत 15 दलित सगंठनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने आयोग से इस मामले की निष्पक्ष जांच होने और दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने की मांग की। राजनीतिक पार्टियों ने इस घटना की निंदा की और व्यापक जांच की मांग की। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि यह घटना ये बताती है कि अराजकतावादी खुद को किसान नेता बता रहे हैं। आयोग ने शुक्रवार को हरियाणा पुलिस को किसान प्रदर्शन स्थल पर दलित व्यक्ति की हत्या के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सांपला ने हरियाणा पुलिस से 24 घंटे के भीतर प्राथमिक रिपोर्ट भी मांगी है। सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हो रहे एक वीडियो क्लिप में कुछ निहंगों को जमीन पर खून से लथपथ पड़े एक व्यक्ति के पास खड़े हुए देखा गया है और उसका बायां हाथ कटा हुआ पड़ा है। निहंगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मृतक ने सिखों की पवित्र पुस्तक की बेअदबी की है। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली से लगती सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों की शीर्ष इकाई संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बताया कि इस नृशंस हत्या की जिम्मेदारी निहंगों के समूह ने ली है। उनका दावा है कि लखबीर ने सिखों की पवित्र किताब सरबलोह ग्रंथ की बेअदबी करने की कोशिश की थी।

खुले में नमाज पढ़ने के विरोध में उतरे लोग, नमाजियों के सामने करने लगे कीर्तन

(एजेंसी)

गुरुग्राम । दिल्ली से सटे गुरुग्राम के सेक्टर-47 में खुले में नमाज पढ़ने को लेकर विरोध लगातार जारी है। शुक्रवार को कुछ स्थानीय लोगों ने नमाज स्थल के पास भजन-कीर्तन के जरिए विरोध जताया। मामले की जानकारी मिलते ही भारी पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। उन्होंने विरोध करने वालों को समझाने का प्रयास किया।

इस दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि दस दिन में समस्या का समाधान करने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया। प्रशासन की शह पर खुले में नमाज पढ़ी जा रही है। लोगों का कहना था कि जब तक खुले में नमाज पढ़ने पर रोक नहीं लग जाती तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

सेक्टर-47 के आरडब्ल्यूए प्रधान सुनील यादव ने कहा कि खुले में नमाज पढ़ने से माहौल खराब हो रहा है। जब नमाज पढ़ने की जगह बनी हुई है, वहां जाकर पढ़ने में क्या दिक्कत है। प्रशासनिक अधिकारी चाहते तो खुले में नमाज रोकी जा सकती है, लेकिन प्रशासन इसे रोकना नहीं चाह रहा है। इससे लोगों में लगातार आक्रोश पनप रहा है। स्थानीय लोगों ने हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने हाथों में माइक लेकर माता के गीत गाकर कीर्तन किया।

आरडब्ल्यूए प्रधान ने कहा कि विरोध को देखते हुए प्रशासन को अब खुले में नमाज पढ़ने पर रोक लगा देनी चाहिए। पिछले तीन सप्ताह से हर शुक्रवार को लोग नमाज पढ़ने का विरोध कर रहे हैं।

वहीं, लोगों का कहना है कि सहायक पुलिस आयुक्त अमन यादव हर बार हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों को समझा-बुझाकर मामले को शांत करा देते हैं, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। इस मौके पूर्व प्रधान विरेंद्र त्यागी, पार्षद कुलदीप यादव, रेल विहार के आरडब्ल्यूए महासचिव विजय भारद्वाज, दिनेश भारद्वाज, प्रहलाद, राज कुमार, प्रेम सिंह, वकील निर्मल यादव समेत बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

सिंघु बार्डर पर हत्या मामले में टूटी राकेश टिकैत की चुप्पी, अब किसान आंदोलन को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली । सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के शख्स की हत्या मामले में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 24 घंटे के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जो हुआ ग़लत हुआ। पांच घंटे के अंदर आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस अपनी जांच कर रही है। वहीं किसानों के लंबे समय से चल रहे आंदोलन पर उन्होंने कहा कि इस घटना से किसान आंदोलन बदनाम नहीं होगा। कोई अगर व्यक्तिगत काम करता है तो उसकी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी होती है। किसान आंदोलन इस तरह की कोई इजाज़त नहीं देता।

वहीं, साहिबाबाद में कृषि कानून विरोधियों ने शनिवार को लखीमपुर खीरी प्रकरण को लेकर यूपी गेट पर सरकार और गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र का पुतला फूंका। इस दौरान कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था रही। पुलिस महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र प्रवीण कुमार स्वयं डटे रहे। संयुक्त किसान मोर्चा ने लखीमपुर खीरी प्रकरण को लेकर देशव्यापी आंदोलन का एलान किया है। उसके तहत शनिवार को पुतला फूंकने का कार्यक्रम था। यूपी गेट के प्रदर्शनकारियोंने उसी के मद्देनजर यहां पुतला फूंका। इसको लेकर सुबह से ही यहां कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था रही। क्षेत्र को सात जोन और 13 सेक्टर में बांट कर पांच-पांच उपजिलाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक की तैनाती की गई। पुलिस महानिरीक्षक मेरठ रेंज प्रवीण कुमार निगरानी में जुटे रहे।

कोटला मुबारकपुर में जान से मारने की धमकी देकर पड़ोसी ने किशोरी से किया दुष्कर्म

नई दिल्ली । कोटला मुबारकपुर इलाके में एक 29 वर्षीय युवक ने अपने पड़ोसी की नाबालिग बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर उससे दुष्कर्म किया। वारदात वाले दिन बच्ची के परिजन अपने गांव गए हुए थे और बच्ची घर में अकेली थी जिसका फायदा आरोपी ने उठाया। मामले की शिकायत मिलने के बाद कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने आरोपी सुनील के खिलाफ पोक्सो और दुष्कर्म की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता अपने परिवार के साथ कोटला मुबारकपुर इलाके में रहती है। जबकि आरोपित उसका पड़ोसी है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में उसका परिवार अपने गांव गया हुआ था। इस दौरान वह घर में अकेली थी। इसकी जानकारी होने पर उसके पड़ोस में रहने वाला सुनील जबरन उसके घर में घुस गया। आरोपित ने उसे जान से मारने की धमकी देकर उससे दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।आरोपित उसे धमकी देकर चला गया।

पार्किंग विवाद में फैक्ट्री मालिक के बेटे की पीट पीटकर हत्या

नई दिल्ली । डाबड़ी थाना क्षेत्र में हुए पार्किंग विवाद में एक फैक्ट्री मालिक के बेटे अफरोज आलम की पीट पीटकर हत्या कर दी गई। झगड़े के दौरान बीच बचाव करने आया अफरोज का दोस्त भी घायल हो गया। पुलिस हत्या और हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर फरार आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि शुक्रवार देर रात पुलिस को महावीर एन्क्लेव पार्ट दो में मारपीट और गोली चलने की जानकारी मिली।

सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। तब तक घायल अफरोज और उसके दोस्त अलीमुल्लाह को परिवार वाले दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जा चुके थे। जहां पर डाक्टरों ने अफरोज आलम को मृत घोषित कर दिया। घायल अलीमुल्लाह ने पुलिस को बताया कि अफरोज आलम अपने पिता इदरीश और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहता था और घर से ही कपड़ों के एक्सपोर्ट का काम करता था। शुक्रवार की रात में अफरोज सामान लेकर आया।

उस समय सोहेल खान ने अपनी बुलेट उसके घर के सामने खड़ी कर रखी थी। इस बात को लेकर अफरोज और सोहेल के बीच कहासुनी और हाथापाई हो गई। इसके बाद सोहेल और उसके साथ मौजूद बिलाल वहां पड़े एक लकड़ी के फट्टे से अफरोज को मारने लगे। इस लकड़ी में जगह-जगह कीलें लगी हुई थी। इस कारण अफरोज के शरीर पर कई घाव हो गए।

बचाव में अलीमुल्लाह आया तो आरोपितों ने उसपर भी हमला कर दिया। अफरोज के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट लगने से वह अचेत होकर गिर गये। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित अपनी बुलेट लेकर फरार हो गए। शुरुआती छानबीन में पता चला कि इनके बीच पार्किंग को लेकर पहले भी विवाद हो चुका है।

दिल्ली में घर खर्च में कम रुपये देने पर शख्स को उसकी पत्नी और बेटे ने राड से पीटा, घायल

नई दिल्ली । महंगाई के दौर में एक शख्स को घर खर्च के लिए पत्नी को कम रुपये देना भारी पड़ गया। जानकारी के अनुसार राजेश कुमार परिवार के साथ राम नगर विस्तार में रहते हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी ने उसने खर्च के लिए 50 हजार रुपये मांगे थे। उन्होंने खर्च के लिए 20 हजार रुपये दे दिए, बाकी रकम बाद में देने के लिए कहा। इसपर उनकी पत्नी और बेटा नाराज हो गए। आरोप है कि पत्नी और बेटे ने उनकी पिटाई कर दी, बाद में लोहे की राड से हमला कर दिया।

पीड़ित के भाई और मां ने बचाने का प्रयास किया तो उन दोनों को भी पीट दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मानसरोवर पार्क थाने की पुलिस पीड़ित राजेश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। वहीं, एक अन्य मामले में विवेक विहार थाना पुलिस ने एक मकान में छापेमारी कर 22 सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके पास से 25 हजार रुपये, रजिस्टर और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि विवेक विहार थाने की पुलिस टीम बृहस्पतिवार रात इलाके में गश्त कर रही थी, उसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ज्वाला नगर में रामलीला ग्राउंड के पास राजेश कुमार नाम के शख्स के घर में सट्टा खेला जा रहा है। टीम ने घर पर छापा मारा, घर के अंदर 22 लोग सट्टा खेल रहे थे।

अपनी नाकामी को छुपाने के लिए सरकारी संपत्ति को बेच रही है भाजपाः कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने भाजपा शासित केंद्र सरकार और नगर निगमों पर सरकारी संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि नगर निगमों में पिछले 15 वर्षों से भाजपा का शासन है। कुशासन व भ्रष्टाचार की वजह से तीनों निगम कंगाल हो गए हैं। कई संपत्तियों को बेच दिया गया है।

उन्होंने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने राजन बाबू टीबी अस्पताल की तीन एकड़ जमीन की नीलामी की तैयारी कर रही है। यदि निगम चाहे तो इस अस्पताल की खाली जमीन से राजस्व अर्जित करने के लिए योजनाएं बना सकता है, लेकिन इसे बेचने की तैयारी है। झुग्गी बस्तियों में विकास के कोई काम नहीं किया गया। अब सम्मान यात्रा के नाम पर इन बस्तियों की जमीन की पहचान की जा रही है जिससे कि इन्हें बेचा जा सके।

उन्होंने कहा कि नावल्टी सिनेमा को 34.59 करोड़ में बेच दिया गया है। इसी तरह से हजारों करोड़ रुपये की 11 संपत्तियों को निगमों ने मात्र 744.18 करोड़ रुपये में बेच दिया है। टाउन हाल को हेरिटेज होटल बनाकर लीज पर दे दिया है।

संपत्तियों को बेच कर नाकामी छुपा रही भाजपा- भाजपा राजस्व अर्जित करने की जगह निगम की संपत्तियों को बेचकर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने तीनों निगमों को तुरंत भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि निगम कर्मचारी वेतन के लिए हड़ताल करते रहे हैं। अब उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य निधि की राशि मिलने पर भी संदेह है। निगम में कर्मचारियों के 1200 करोड़ रुपये के भविष्य निधि की गड़बड़ी का मामला सामने आया है।

फिर लौटेगा का कोरोना का कहर दिल्ली में डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ हर्ड इम्युनिटी पाना मुश्किल : अध्ययन

नई दिल्ली। दिल्ली में इस साल कोविड-19 के गंभीर प्रकोप से पता चला है कि सार्स-सीओवी-2 वायरस के किसी अन्य वैरिएंट से पहले संक्रमित हो चुके लोगों को वायरस का डेल्टा वैरिएंट फिर संक्रमित कर सकता है। वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने वायरस के वैरिएंट के खिलाफ सामूहिक प्रतिरक्षा क्षमता (हर्ड इम्युनिटी) का विकास बहुत चुनौतीपूर्ण बताया है।

पत्रिका साइंस में गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन में सामने आया कि डेल्टा वैरिएंट दिल्ली में सार्स-सीओवी-2 के पिछले वैरिएंट्स की तुलना में 30 से 70 प्रतिशत तक अधिक संक्रामक है।

दिल्ली में पिछले वर्ष मार्च में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से शहर में जून, सितंबर और नवंबर 2020 में वायरस ने कहर बरपाया। इस वर्ष अप्रैल में तो हालात बेहद खराब हो गए, जब 31 मार्च से 16 अप्रैल के बीच संक्रमण के दैनिक मामले 2,000 से बढ़कर 20,000 तक पहुंच गए। इस दौरान अस्पतालों और आईसीयू में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली बेहद दबाव में आ गई। वायरस की पहले की लहरों की तुलना में मरने वालों की संख्या भी तीन गुना बढ़ गई।

अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि दिल्ली की कुल सिरो-पॉजिटिविटी 56.1 फीसदी है जिससे भविष्य में वायरस की लहर आने पर सामूहिक प्रतिरक्षा क्षमता के जरिए ही कुछ सुरक्षा मिलेगी। सामूहिक प्रतिरक्षा क्षमता से रोग से परोक्ष सुरक्षा मिलती है और यह तब विकसित होती है जब पर्याप्त प्रतिशत आबादी में संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

हालिया अध्ययन में महामारी के प्रकोप को समझने के लिए जिनोमिक और महामारी विज्ञान संबंधी आंकड़ों और गणितीय मॉडल का उपयोग किया गया। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स ऐंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर-आईजीआईबी) के नेतृत्व में यह अध्ययन कैंब्रिज विश्वविद्यालय, इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन और कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया।

सह अध्ययनकर्ता कैंब्रिज विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रवि गुप्ता ने कहा कि वायरस के प्रकोप को खत्म करने के लिए सामूहिक प्रतिरक्षा क्षमता की अवधारणा बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन दिल्ली में हालात दिखाते हैं कि कोरोना वायरस के पहले के स्वरूपों से संक्रमित होना डेल्टा स्वरूप के खिलाफ सामूहिक प्रतिरक्षा क्षमता प्राप्त करने के लिहाज से पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि डेटा स्वरूप के प्रकोप को खत्म करने या इसे रोकने का एक ही तरीका है, या तो इस स्वरूप से संक्रमण हो जाए या फिर टीके की अतिरिक्त खुराक देना जिससे एंटीबॉडी का स्तर इस हद तक बढ़ जाए जो डेल्टा स्वरूप की बच पाने की क्षमता को ही खत्म कर दे। अप्रैल 2021 में दिल्ली में कोरोना वायरस के कहर के लिए क्या सार्स-सीओवी-2 के स्वरूप जिम्मेदार थे? यह पता लगाने के लिए अध्ययनकर्ताओं के दल ने दिल्ली में नवंबर 2020 से जून 2021 के बीच के वायरस के नमूने एकत्रित किए जिनकी सिक्वेंसिंग की गई और विश्लेषण किया गया। इसमें उन्होंने पाया कि दिल्ली में 2020 का प्रकोप वायरस के किसी भी चिंताजनक स्वरूप के कारण नहीं था। जनवरी 2021 तक अल्फा वैरिएंट किन्हीं-किन्हीं मामलों में पाया गया, विशेषकर विदेश से आए लोगों में। यह स्वरूप सबसे पहले ब्रिटेन में सामने आया था। मार्च 2021 तक यहां इस स्वरूप के मामले 40 फीसदी हो गए। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि इसके बाद अप्रैल में डेल्टा वैरिएंट से जुड़े मामलों में तेज इजाफा हुआ।

गणितीय मॉडल की मदद से और महामारी विज्ञान एवं जिनोमिक आंकड़ों के जरिए अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि डेल्टा वैरिएंट उन लोगों को संक्रमित करने में सक्षम है, जो पहले सार्स-सीओवी-2 से पीड़ित रह चुके हैं। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि संक्रमण की चपेट में आ चुके लोगों की डेल्टा वैरिएंट से 50-90 फीसदी ही रक्षा हो पाती है।

संपादकीय

सरकार में बदलाव का विरल प्रयोग

भारतीय राजनीति में ऐसे मुख्यमंत्रियों की फेहरिस्त छोटी नहीं है, जिनको कार्यकाल के बीच में ही अपना पद छोड़ना पड़ा। मगर गुजरात में जिस तरह से पूरी सरकार का कायाकल्प किया गया है, वैसा उदाहरण विरल ही है। वहां भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में नई सरकार ने सत्ता तो संभाल ली है, लेकिन यह सवाल अब भी कायम है कि जब आसन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा को किसी अन्य दल से कोई बड़ी चुनौती नहीं मिलने जा रही है, तब विजय रूपाणी और उनकी पूरी कैबिनेट को सत्ता से बाहर करने का भला क्या मतलब है? संभवतः इसके कई कारण हैं। सबसे पहला, इस तरह का बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली है। जब किसी राज्य का नेतृत्व उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रहा होता, तब बिना वक्त गंवाए वह उसे बेदखल करने से परहेज नहीं करते। वह राज्यों में ऐसा नेता चाहते हैं, जिस पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का पूरा एतबार हो। फिर, गुजरात तो उनका गृह राज्य है। यहां की परिस्थितियों को भला वह कैसे नजरअंदाज कर सकते थे। पूर्व मुख्यमंत्री आनंदी बेन पटेल ने कोशिश भी की कि एकाधिक विधायकों को बचा लिया जाए, जिसके कारण भूपेंद्र पटेल की ताजपोशी में एक दिन की देरी भी हुई, लेकिन वह सफल नहीं हो सकीं। खबर तो यह भी है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के ज्यादातर वर्तमान विधायकों के टिकट कटने वाले हैं। यह कयास तब लगाए जा रहे हैं, जब हर विधानसभा चुनाव में भाजपा 30-40 फीसदी विधायकों की फिर से चुनावी दावेदारी खारिज करती रही है। दूसरी वजह, विजय रूपाणी (पूर्व मुख्यमंत्री) के खिलाफ बढ़ती नाराजगी हो सकती है। लोगों की उनसे मूलतः दो शिकायतें थीं। एक, वह कोरोना महामारी के दौरान राहत-कार्य का काम सफाई से नहीं कर सके। कोरोना-प्रबंधन में नाकामी के कारण राज्य सरकार की काफी किरकिरी भी हुई थी। और दूसरी, पटेल समुदाय का छीजता विश्वास। गुजरात का पाटीदार समाज भाजपा का कोर वोट बैंक माना जाता है। मगर यह वर्ग अब पार्टी से छिटकता जा रहा है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने और अमित शाह के दिल्ली आने के बाद यहां एक बड़ा पाटीदार आंदोलन भी हुआ था, जिससे हार्दिक पटेल का उदय हुआ। नतीजतन, 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी 100 सीटें भी नहीं पा सकी थी। अब भाजपा यह दिखाना चाहती है कि 2017 बीते दिनों की बात हो गई है और वह फिर से 120 सीटें जीतने का माद्दा रखती है। इसमें नए चेहरे उसकी मदद कर सकते हैं।

मोदी और शाह की जोड़ी बखूबी जान रही है कि राज्य सरकार को कोई खतरा नहीं है। फिर भी ये बदलाव किए गए, क्योंकि वे आगे की सोच रहे हैं। उनका यह प्रयोग यदि सफल रहा, तो कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी यही दांव खेला जा सकता है। हालांकि, मध्य प्रदेश में पिछले साल ऐसी कोशिश हुई भी थी, जब ज्योतिरादित्य सिंधिया व कुछ अन्य विधायकों के कांग्रेस छोड़ने के बाद कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई और भाजपा वहां फिर से सत्तारूढ़ हो गई। मगर विकल्पहीनता की स्थिति में शिवराज सिंह चौहान को ही शपथ दिलाया गया। हालांकि, उनकी 'जमीन' काफी काट दी गई है। हां, उत्तर प्रदेश जरूर अपवाद है, जहां योगी आदित्यनाथ जैसी मजबूत शख्सियत सत्ता में बनी हुई है। उनके खिलाफ भी एकाधिक प्रयास हुए, लेकिन हिंदुत्व का बड़ा चेहरा होने और विश्व हिंदू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक बड़े वर्ग की पसंद होने के कारण उनका बाल बांका नहीं हो सका। संभावना यही है कि अगला विधानसभा चुनाव भी उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा, क्योंकि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण यहां की चुनावी राजनीति की हकीकत है और किसी भी राज्य के चुनाव में योगी आदित्यनाथ को 'स्टार प्रचारक' बनाने की ढेरों गुजारिशें अब भी आती हैं।

हालांकि, चेहरा बदलने की यह शैली नुकसानदेह भी है। अपने जमाने में इंदिरा गांधी भी ऐसे खूब किया करती थीं। अगर किसी राज्य का नेतृत्व ताकतवर होता दिखता, वह उसको झटके से बदल देती थीं। अंततः यह परिपाटी कांग्रेस की कमजोरी साबित हुई और इसका असर हम आज भी देख रहे हैं। हकीकत यही है कि देश की इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के पास अब कोई मजबूत क्षत्रप नहीं है, और इसकी पूरी राजनीति बस नेहरू-गांधी परिवार के आसपास सिमट गई है। मोदी-शाह की जोड़ी इतिहास का यह अध्याय शायद ही भूलना चाहेगी। राज्यों में मजबूत नेतृत्व भाजपा की ताकत है। फिर चाहे वह मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान हों, राजस्थान में वसुंधरा राजे, छत्तीसगढ़ में रमन सिंह, कर्नाटक में येदियुरप्पा, या फिर गुजरात में खुद नरेंद्र मोदी। बावजूद इसके भाजपा ने गुजरात में इसलिए पूरी सरकार बदलने का दांव खेला है, क्योंकि यह रणनीति हाल-फिलहाल में सफल साबित हुई है। उसके विपक्ष में यहां कोई मजबूत दल नहीं है। कांग्रेस को पाटीदार आंदोलन से फायदा मिला था, और वहां उसका नया नेतृत्व उभरने लगा था। अल्पेश ठाकोर और हार्दिक पटेल कांग्रेस की तरफ से चुनावी मैदान में उतरे, और सफल भी हुए। दलित चेहरा जिग्नेश मेवाणी ने भी परोक्ष रूप से कांग्रेस की मदद की। मगर अब अल्पेश भाजपा का हिस्सा बन चुके हैं और हार्दिक भी कांग्रेस के ढर्रे से बहुत खुश नहीं हैं। रही बात जिग्नेश की, तो वह अपनी राजनीति में व्यस्त हैं। अहमद पटेल के निधन के बाद तो कांग्रेस की बची-खुची उम्मीदें भी दम तोड़ती नजर आ रही हैं। रही बात आम आदमी पार्टी की, तो स्थानीय निकाय चुनाव में उसने अपनी ठीक-ठाक ताकत दिखाई है। मगर यहां न तो उसका संगठन जमीन पकड़ सका है और न उसके पास कोई प्रभावी चेहरा है। यह पार्टी अगर मतदाताओं को प्रभावित करती है, तो मुख्यतः कांग्रेस के ही वोट काटेगी। जाहिर है, भाजपा के लिए भूपेंद्र सरकार फायदे का सौदा हो सकती है, लेकिन जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी और स्थानीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व को न उभरने देने की रणनीति आने वाले दिनों में उस पर भारी भी पड़ सकती है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को किसी मुगालते से बचना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

कश्मीर में समस्या राजनीतिक या संवैधानिक न होकर मजहबी कट्टरपंथ है

> **मौजूदा माहौल में कश्मीर में अल्पसंख्यक सहज तरीके से नहीं रह सकते। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो कश्मीर जल्द ही हिंदू-सिख विहीन होगा। हमें समझना होगा कि ऐसे आतंकवाद से तब तक प्रभावी तरह से नहीं निपटा जा सकता जब तक आतंकी और उन्मादी प्रवृत्ति को जन्म देने वाले वैचारिक प्रचार तंत्र पर प्रहार न किया जाए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही तंत्र लगातार नए आतंकियों को जन्म देता है और हिंसा समर्थक समाज गढ़ता है। निदरेष लोगों की हत्या आतंकियोंके हाथों में मौजूद बंदूक और बम नहीं करते, बल्कि उनके दिमाग में भरा गया मजहबी कट्टरपंथ और दूसरे धर्मों के लोगों के प्रति घृणा का भाव कराता है।**

कश्मीर घाटी का त्रसद इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराता दिख रहा है। जिहादी आतंकी कश्मीर में बचे-खुचे हिंदू और सिखों को निशाना बना रहे हैं। इससे उपजे भय के कारण वे फिर से पलायन के लिए मजबूर हो सकते हैं। गुरुवार को श्रीनगर के एक सरकारी स्कूल में सिख और हिंदू अध्यापकों को चिन्हित कर मौत के घाट उतार दिया गया। इससे पहले श्रीनगर के जाने-माने दवा विक्रेता मक्खन लाल बदरु की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। आतंकियों ने दिहाड़ी कमाने वाले एक दलित वीरेंद्र पासवान को भी नहीं बख्शा, जो रोजी-रोटी के लिए कश्मीर आया था। इसी दिन मोहम्मद शफी लोन की भी इस शक में हत्या की गई कि वह सुरक्षा बलों की मदद करते हैं। यह पहली बार नहीं जब कश्मीर में जिहादियों द्वारा अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा हो। कश्मीरी हिंदुओं को मजहबी आतंकवाद के कारण वहां से करीब-करीब छह बार बड़े पैमाने पर पलायन करना पड़ा, जिसके बाद उनकी कभी वापसी भी नहीं हो पाई। आखिरी बड़ा पलायन जनवरी 1990 में हुआ था जब एक ओर जिहादी आतंकी कश्मीरी हिंदुओं की चुन-चुनकर हत्या कर रहे थे और उन्मादियों की हथियारबंद भीड़ मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से 'हम क्या चाहते? निजाम-ए-मुस्तफा', 'रलीव, गलीव, चलीव' (धर्म बदल लो, मारे जाओ या भाग जाओ) के एलान से कदमताल करती घूम रही थी। यह वह दौर था जब पाकिस्तानपरस्त जिहादियों ने अफगानिस्तान से तब की महाशक्ति सोवियत संघ को खदेड़ा था और कश्मीर में मौजूद इस्लामिक कट्टरपंथियों और रावलपिंडी में बैठे उनके आकाओं को लगता था कि आतंक के बल पर अगर सोवियत संघ को हराया जा सकता है तो भारत को हराना तो बाएं हाथ का खेल है।

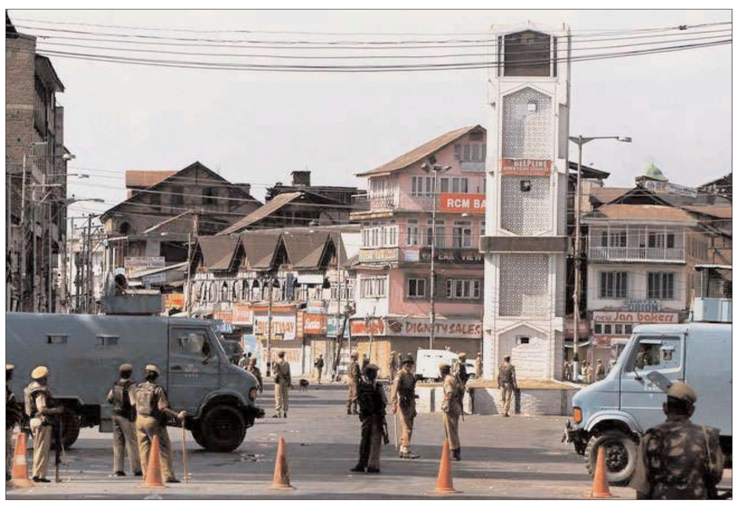

बहरहाल भारतीय सुरक्षा बलों ने पिछले तीस वर्षों में यह साबित किया कि आतंक के विरुद्ध लड़ाई में वह सोवियत और अमेरिकी फौजों से कहीं अधिक मजबूत है।

अफगानिस्तान से अमेरिकी पलायन और तालिबान के सत्तारूढ़ होने के बाद जिहादी तत्वों के नापाक मंसूबे फिर से परवान चढ़ रहे हैं। उसी का नतीजा कश्मीर में हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों की हत्याओं के रूप में सामने आ रहा है। इन हत्याओं के लिए पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकी संगठन तो जिम्मेदार हैं हीं, लेकिन उतने ही जिम्मेदार फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे संवैधानिक पदों पर रह चुके कश्मीरी मुस्लिम नेता भी हैं, जो तालिबानी उभार पर न सिर्फ सार्वजनिक रूप से खुशी जता चुके हैं, बल्कि भारत को यह धमकी भी दे रहे हैं कि जो अफगानिस्तान में हुआ, वह कश्मीर में भी होगा। वे उसी तालिबान के उदय से खुश हैं, जिसके नेता महमूद गजनवी की मजार पर जाकर सोमनाथ मंदिर पर उसके क्रूर हमले का महिमामंडन कर रहे हैं। यह कश्मीर के समाज और राजनीति का ऐसा नंगा सच है जिसे कश्मीरियत के ढकोसले की आड़ में ढकते रहना आतंकियों द्वारा मारे गए निदरेष लोगों के साथ छल होगा। कश्मीर का एक हिस्सा इस्लामिक कट्टरपंथ का गढ़ बन चुके अफगानिस्तान-पाकिस्तान से उठने वाले मजहबी उन्माद के ज्वार से प्रभावित होता है। इसकी परिणति कश्मीर में गैर-मुस्लिमों के विरुद्ध हिंसा में होती है।

यह भी सही है कि कश्मीर में आतंकी अक्सर मुसलमानों को भी मारते हैं, लेकिन उसका कारण भी मजहबी होता है। ये आतंकी संगठन गैर-मुस्लिमों को काफिर और मुशरिक बताकर निशाना बनाते हैं। वहीं इस उन्माद से दूर सामान्य जीवन जी रहे मुसलमानों को मुनाफिक या ढोंगी बताकर मारते हैं। इस उन्माद का स्रोत पाकिस्तान का जिहादी तंत्र तो है ही, मगर समूचे कश्मीर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आया कट्टरपंथी मस्जिद-मदरसों का वह जाल भी है, जिन्हें अहले हदीसे और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठन संचालित करते हैं, जो लश्कर और जैश जैसे संगठनों के वैचारिक जन्मदाता भी हैं। यही कारण है कि अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद भी हिंदू और सिखों के लिए स्थितियां नहीं सुधर पा रही हैं, क्योंकि कश्मीर राजनीतिक और संवैधानिक समस्या न होकर मजहबी कट्टरपंथ की समस्या बन चुका है। कश्मीर का समाज वैश्विक जिहादी कट्टरपंथ से अछूता नहीं है। इसीलिए वहां गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों का वही हाल हो रहा है जो सीरिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे इस्लामिक देशों में है। कश्मीर का मुस्लिम समाज पूरे भारत में कहीं भी स्वयं को सुरक्षित पाता है, परंतु कश्मीर के अंदर रहने वाले कश्मीरी पंडितों और सिखों को सुरक्षा नहीं दे पाता। अगर सरकार 30 साल से अपने घर-बार से उजड़े कश्मीरी पंडितों और सिखों को उनकी संपत्तियां वापस करना चाहती है तो मुख्यधारा के कश्मीरी नेता बवाल खड़ा करते हैं। ऐसा कर ये नेता कश्मीरी समाज में व्याप्त कट्टरपंथ को हवा ही दे रहे होते हैं। इस खुले मजहबी फासीवाद को कश्मीरियत और 'कंपोजिट कल्चर' जैसे शब्दाडंबरों से ढका जाता है। किसी आतंकी को हेडमास्टर का बेटा और किसी पत्थरबाज को बुनकर बताते हैं। हैरानी यही है कि ऐसा बताने वाले लोग कश्मीर के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की हत्याओं पर चुप हैं। कश्मीरियत रूपी ढकोसले को समय-समय पर मीडिया में बेचने वाले कश्मीरी नेता भी मौन हैं। निदरेष गैर-मुस्लिमों की अंतिम यात्रओं से भी नदारद हैं। हाल-फिलहाल अफगानिस्तान से लेकर कश्मीर तक जो कुछ भी घटित हो रहा है, वह आने वाले दिनों में सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों का ट्रेलर मात्र है। मौजूदा माहौल में कश्मीर में अल्पसंख्यक सहज तरीके से नहीं रह सकते। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो कश्मीर जल्द ही हिंदू-सिख विहीन होगा। हमें समझना होगा कि ऐसे आतंकवाद से तब तक प्रभावी तरह से नहीं निपटा जा सकता जब तक आतंकी और उन्मादी प्रवृत्ति को जन्म देने वाले वैचारिक प्रचार तंत्र पर प्रहार न किया जाए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यही तंत्र लगातार नए आतंकियों को जन्म देता है और हिंसा समर्थक समाज गढ़ता है। निदरेष लोगों की हत्या आतंकियोंके हाथों में मौजूद बंदूक और बम नहीं करते, बल्कि उनके दिमाग में भरा गया मजहबी कट्टरपंथ और दूसरे धर्मों के लोगों के प्रति घृणा का भाव कराता है।

दूषित चिंतन से एक अच्छे समाज का निर्माण संभव नहीं, नशा ना बने सामाजिक प्रतिष्ठा का परिचायक

आश्चर्य नहीं कि नशाखोरी से कलंकित बालीवुड फिर से विवादों में है। हैरानी की बात यह है कि इस बार ड्रग्स मामले में एक आरोपित के पिता ने अपने पुत्र के लिए भविष्य की जो योजना निश्चित की थी, उसमें से एक ड्रग्स लेने के लक्ष्य को वह संभवतः पूरा भी कर चुका है। क्रूज पार्टी में आर्यन ने ड्रग्स ली थी या नहीं या फिर वह उसकी खरीद-फरोख्त में शामिल था या नहीं, इसका उत्तर अभी स्पष्ट नहीं, परंतु यह बेहद आश्चर्यजनक है कि उनके पिता शाहरुख खान ने पहले ही एक साक्षात्कार में कहा था कि वह चाहते हैं कि उनका बेटा बड़ा होकर ड्रग्स ले। जितना संगीन अपराध और सामाजिक बुराई का प्रतीक किसी भी ड्रग्स का सेवन करना और आर्थिक लाभ कमाने हेतु ड्रग्स कारोबार में शामिल होना है, उससे कहीं अधिक गंभीर इस प्रकार का मानस है। माता-पिता, जिनकी जिम्मेदारी अपने नौनिहालों को संस्कार देने की होती है और जो अपने बच्चों के प्रथम शिक्षक भी होते है, यदि उनका दृष्टिकोण ऐसा होगा, तो क्या समाज विनाशकारी अंत की ओर नहीं बढ़ेगा?

शाह रुख खान कोई आम भारतीय नहीं हैं। हिंदी सिनेमा के करोड़ों प्रशंसकों में उनकी पहचान है। जिन शाहरुख को उनके चाहने वाले अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं, उनकी दृष्टि में भारत का युवा कैसा होना चाहिए, वह उनके सिमी ग्रेवाल के साथ साक्षात्कार से स्पष्ट है। तब शाहरुख से सिमी ने पूछा था कि वह आर्यन का पालन-पोषण कैसे करेंगे तो उन्होंने कहा, मैं उसे कहूंगा कि वह लड़कियों के पीछे भाग सकता है, ड्रग्स ले सकता है..। क्या ऐसे चिंतन से सामाजिक विकृतियों को बढ़ावा नहीं मिलेगा? यह चिंता इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि अपनी महिला मित्र को प्रसन्न रखने और उसे महंगे से महंगा उपहार देने हेतु कई युवा या तो लूटपाट की घटना में शामिल पाए जाते हैं या फिर पैसों की पूर्ति के लिए अनैतिक कृत्य में लिप्त मिलते है? इस प्रकार के कई समाचार हाल के वर्षो में सामने आ चुके है। आखिर इसकी प्रेरणा उन्हें कहां से मिलती है?उन्हें विधिवत सीमा में सजा मिलेगी और वह अपने अपराध के लिए जिम्मेदार भी होंगे, किंतु आर्यन के पिता शाहरुख का क्या, जो भारतीय समाज के अभिजात्य वर्ग का भी हिस्सा हैं। विडंबना देखिए कि इस प्रकार के चिंतन के बाद भी बड़ी-बड़ी कंपनियां शाहरुख को अपने विज्ञापनों में आइकन और प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित करती हैं। यदि प्रेरक ऐसा होगा, तो उसके करोड़ों अनुचर किस दिशा में आगे बढ़ेंगे? यदि समाज में ईमानदारी, विश्वास, मानवता और सहिष्णुता के बजाय ड्रग्स जनित धुएं का गुबार और सनक हो तो उस समाज का विनाश निश्चित है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ड्रग्स सेवन और अश्लीलता को बालीवुड के साथ समाज का एक वर्ग न केवल पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर प्रगतिशीलता, उदारवादिता और संपन्नता का प्रतीक मान रहा है, बल्कि आर्यन से सहानुभूति भी जता रहा है। क्या भारत में ड्रग्स लेना अपराधमुक्त और प्रतिष्ठा का परिचायक है? योजनाबद्ध और संगठित तरीके से आर्यन के समर्थन में संवेदनापूर्ण भाव उत्पन्न करके उसे मासूम बताया जा रहा है। यदि 23 वर्षीय आर्यन पर लगे ड्रग्स सेवन और उसकी खरीद-फरोख्त के आरोपों को बचपना और नादानी कहकर गौण किया जा रहा है तो ऐसा कहने वाले इसी आयु में देश की स्वतंत्रता हेतु प्राणों की आहुति दे चुके भगत सिंह और ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा को किस दृष्टि से देखेंगे? ड्रग्स मामले में फंसे आर्यन के प्रति संवेदना पहली बार नहीं दिख रही है। इससे पहले ऐसे ही फंदे में बीते वर्ष कई नामी अभिनेता-अभिनेत्रियां भी फंसे चुके हैं। संजय दत्त का प्रकरण भी सर्वविदित है। इन मामलों में कानूनी-जांच का विरोध करने वाले अधिकांश चेहरे वही हैं, जो शिवसेना के नेतृत्व वाली महानगरपालिका द्वारा बीते वर्ष कंगना रनोट का घर तोड़े जाने का मौन समर्थन कर रहे थे। शाहरुख-आर्यन के पक्षधर, मीडिया द्वारा मुंबई-गोवा क्रूज ड्रग्स मामले की रिपोर्टिंग को मीडिया-ट्रायल की संज्ञा दे रहे हैं। उनका एक आरोप यह भी है कि जब लखीमपुर खीरी प्रकरण जैसा मामला देश के समक्ष है तो मीडिया का एक वर्ग ड्रग्स मामले पर अत्याधिक ध्यान क्यों दे रहा है? ऐसा आक्षेप लगाने वाले अप्रैल 2020 में महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं की हिंसक भीड़ द्वारा निर्मम हत्या की रिपोर्टिंग किए जाने पर भी अपनी आपत्ति जता चुके हैं।

इस पृष्ठभूमि में जब 2015 में दादरी स्थित अखलाक की भीड़ ने दुर्भाग्यपूर्ण हत्या कर दी थी और मीडिया की दिनोंदिन उग्र रिपोर्टिंग और टीवी-बहस ने देश की छवि को असहिष्णु और मुस्लिम विरोधी बनाने का प्रयास किया था, तब वह कुनबा इसका या तो समर्थन कर रहा था या फिर उस पर सुविधाजनक रूप से चुप था। ऐसा ही मनगढ़ंत विमर्श 2016 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित वेमुला आत्महत्या मामले और 2018 के कोरेगांव हिंसा में भी बनाया गया था।

सच तो यह है कि जब से देश में 24 घंटे चलने वाले चैनल प्रारंभ हुए हैं, तब से न केवल मीडिया का व्यावसायीकरण हो गया है, बल्कि उसने देश की सामाजिक और राजनीतिक गतिविधि को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। जिन घटनाओं में , अपराध और मजहब का घालमेल होता है, उसमें दर्शकों-पाठकों की दिलचस्पी सर्वाधिक होती है और टीआरपी अर्थात राजस्व पाने हेतु चैनल उस ओर भागने लगते हैं। आरुषि-हेमराज हत्याकांड, भंवरी देवी हत्या, डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम और आसाराम बापू से जुड़े मामले की उग्र-रिपोर्टिंग इसका प्रमाण है। तब इस पृष्ठभूमि में आर्यन ड्रग्स मामला अपवाद कैसे है?

टैक्स हेवन समाप्त हों

आखिर 15 फीसदी ग्लोबल मिनिमम कॉरपोरेट टैक्स वसूले जाने के प्रस्ताव पर ऐतिहासिक सहमति हो गई। आयरलैंड, एस्टोनिया और हंगरी- इन तीनों लो टैक्स देशों को इस प्रस्ताव पर आपत्ति थी। गहन बातचीत में कई तरह की रियायतें और अपवाद सुनिश्चित करने के बाद तीनों देश मान गए और इस प्रस्ताव का अमल में आना लगभग तय हो गया। कुल 140 देशों में से 136 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन कर दिया है। समझौते के लिए बातचीत की अगुआई कर रहे संगठन ओईसीडी (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कॉ-ऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट) के मुताबिक यह समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था का 90 फीसदी हिस्सा कवर कर लेगा। इस समझौते की अहमियत इस बात में है कि इससे पिछले 40 वर्षों से विभिन्न देशों के बीच जारी टैक्स कम करके निवेशकों और मल्टिनैशनल कंपनियों को लुभाने की होड़ कम करने में मदद मिलेगी। अभी तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपना मुख्यालय उन देशों में रखती हैं जहां टैक्स सबसे कम होता है।

नतीजा यह कि ये कारोबार चाहे जिस देश में भी करें इनके प्रॉफिट का बड़ा हिस्सा उन देशों में शिफ्ट हो जाता है जहां इनका मुख्यालय है। इससे इन कंपनियों तथा उन लो टैक्स देशों का तो फायदा होता है लेकिन बाकी तमाम देशों को नुकसान होता है। इस स्थिति में बदलाव की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। इस पर बातचीत भी चल रही थी।

कोरोना महामारी के चलते बातचीत को वर्चुअल मोड में लाना पड़ा, लेकिन यही कोरोना इस समझौते तक पहुंचने में मददगार भी हुआ। इस दौरान लॉकडाउन के कारण सभी देश बजट पर जबर्दस्त दबाव महसूस कर रहे थे। लिहाजा सबकी कोशिश थी कि इस समझौते पर जल्द से जल्द सहमति हो जाए। ओईसीडी का अनुमान है कि समझौता लागू हो जाने के बाद सालाना 15000 करोड़ डॉलर (करीब 11,27,000 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त राजस्व आएगा। यही नहीं, 12500 करोड़ डॉलर (करीब 940,000 करोड़ रुपये) प्रॉफिट पर टैक्स लगाने का अधिकार उन देशों को शिफ्ट हो जाएगा जहां ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां कमाई करती हैं।

निश्चित रूप से ये रकम बड़ी है। फिर भी ऐसा नहीं है कि इस समझौते से हर कोई संतुष्ट ही है। कहा जा रहा है कि कमजोर और विकासशील देशों के हित सुरक्षित रखने के लिए और कदम उठाने होंगे।

यह भी कहा जा रहा है कि 15 फीसदी रेट बहुत कम है और इससे टैक्स हेवन समाप्त नहीं होंगे। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह समझौता सही दिशा में एक ठोस शुरुआत है। अब पहली जरूरत यह सुनिश्चित करने की है कि 13 अक्टूबर से शुरू हो रहे जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक से और फिर महीने के अंत में रोम में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन से स्वीकृति मिलने के बाद अगले साल तक तमाम देश अपने यहां कानून में आवश्यक बदलाव कर लें ताकि 2023 से यह समझौता लागू करने का लक्ष्य पूरा हो सके।

सरकार और किसान संगठनों के बीच गतिरोध नहीं टूटा तो लखीमपुर खीरी जैसी घटनाएं आगे भी होंगी

> **सुप्रीम कोर्ट को भी कोई जल्दी नहीं, क्योंकि वह उस रपट का संज्ञान लेने की जरूरत नहीं समझ रहा, जिसमें कृषि कानूनों की समीक्षा की गई है और वह भी खुद उसकी ओर से गठित समिति की ओर से। कोई नहीं जानता कि आगे क्या होगा, लेकिन इतना तय है कि आरोपों-प्रत्यारोपों के साथ एक-दूसरे को दोषी ठहराने का सिलसिला और तेज होगा। लखीमपुर की घटना के बाद ऐसा होता हुआ दिख भी रहा है- ठीक वैसे ही जैसे लाल किले की घटना के बाद हुआ था। निस्संदेह यह भी तय है कि यदि सरकार और किसान संगठनों के बीच गतिरोध नहीं टूटा तो लाल किले और लखीमपुर खीरी जैसी घटनाएं आगे भी होंगी। ये घटनाएं और अधिक हिंसक भी हो सकती हैं और माहौल बिगाड़ने के साथ कानून एवं व्यवस्था को चुनौती देने वाली भी।**

कायदे से कृषि कानूनों के विरोध में जारी आंदोलन का 26 जनवरी की दिल्ली की घटना के बाद ही पटाक्षेप हो जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यद्यपि दोनों पक्ष-सरकार और किसान संगठन-बातचीत शुरू करने की जरूरत जताते रहे, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। सरकार कहती रही कि किसान संगठन कृषि कानूनों की खामियां बताएं, तो वह उन्हें दूर करने के लिए आगे बढ़े। इसके जवाब में किसान संगठन यह कहते रहे कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने से कम कुछ भी मंजूर नहीं। सरकार इस पर राजी नहीं हुई, तो किसान संगठन भी अपना आंदोलन जारी रखने पर अड़ गए। उनकी ओर से कभी यह कहा गया कि 2024 तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और कभी दस साल तक धरने पर बैठे रहने के इरादे प्रकट किए गए।

फिलहाल दस महीने बीत चुके हैं और दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होने के कोई आसार नहीं दिखते। शायद दोनों पक्षों ने यह तय कर लिया है कि कोई भी अपने रवैये से टस से मस नहीं होगा। अपने-अपने रवैये पर अडिग दोनों पक्ष बातचीत की जरूरत भले जताते रहे हों, लेकिन साथ में एक दूसरे के खिलाफ बयान भी दागते रहे। इसके नतीजे में तर्क की जगह कुतर्क लेते रहे। इससे कुल मिलाकर कटुता और वैमनस्यता ही बढ़ी। लखीमपुर खीरी की घटना की जड़ में यही कटुता और वैमनस्य है। इसी बैर भाव ने 26 जनवरी के दिन लाल किले की देश को शर्मिंदा करने वाली घटना को अंजाम दिया था।

सरकार और किसान आंदोलनकारियों के बीच जारी लंबे गतिरोध के बीच एक काम यह भी हुआ कि एक के बाद एक विपक्षी राजनीतिक दल किसान संगठनों के साथ खुलकर खड़े होने के लिए आगे आते रहे। वे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए सरकार को कोसते रहे और किसान संगठनों की पीठ थपथपाते रहे। विपक्षी दलों के किसान संगठनों के साथ खड़े होने से उनके और सरकार के बीच जारी गतिरोध कम होने के बजाय और बढ़ गया। यह गतिरोध कहां तक पहुंच गया है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि अभी जब प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्र पर गए तो राकेश टिकैत ने ट्वीट कर जो बाइडन से भारत सरकार की शिकायत की। इस गतिरोध से न तो सरकार का कुछ बिगड़ा और न ही किसान संगठनों का, लेकिन उसका भुगतान देश करता रहा और शायद आगे भी करता रहेगा, क्योंकि लखीमपुर खीरी की खौफनाक घटना के बाद भी ऐसे कहीं कोई संकेत नहीं कि दोनों पक्ष बातचीत करने के लिए आगे आएंगे।

सरकार और किसान संगठनों के बीच जारी गतिरोध टूट सकता था, यदि सुप्रीम कोर्ट थोड़ी सक्रियता और साहस दिखाता, लेकिन उसे तो करीब नौ माह बाद यह याद आया कि किसान संगठन उन कृषि कानूनों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं, जिनके अमल पर उसने इस वर्ष जनवरी में ही रोक लगा दी थी। ऐसा तब हुआ जब किसान संगठन दिल्ली को ही यानी जहां सुप्रीम कोर्ट स्थित है, घेर कर बैठे हैं। किसान संगठनों के इस लंबे आंदोलन के दौर में केवल लाल किले में उपद्रव से लेकर लखीमपुर खीरी में रक्तरंजित उत्पात तक ही नहीं हुआ, बल्कि अन्य अनेक घटनाएं हुईं।

पंजाब में सैकड़ों मोबाइल टावर तोड़े गए, हरियाणा में कई बार सड़कों को घेरकर धरना-प्रदर्शन करने के साथ भाजपा नेताओं के साथ मारपीट की गई, आंदोलन में शामिल होने आई एक युवती से दुष्कर्म हुआ, किसान संगठनों की रीति-नीति से नाराज एक शख्स को जलाकर मार दिया गया, कई जगह टोल प्लाजा पर कब्जा किया गया, धरना दे रहे कई किसानों की मौत हुई और तमाम रास्तों को बाधित किया गया। इस सबके बीच उन लाखों-करोड़ों आम लोगों की किसी ने सुध नहीं ली, जो किसान संगठनों के धरना-प्रदर्शन के कारण अपने गंतव्य तक आने-जाने में परेशान होते रहे और अपने समय एवं संसाधन की बर्बादी होते देखते रहे। इन असहाय और निरुपाय लोगों पर कोई नहीं पसीजा-न किसान संगठन, न सरकार और न ही न्यायपालिका। ऐसा तब हुआ जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों से यह सुनने को मिलता रहा कि लोग यह जानते हैं कि जब उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं होती तो शीर्ष अदालत उनकी मदद के लिए आगे आती है। ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला।

क्या लखीमपुर खीरी की घटना के बाद हालात बदलेंगे? आसार कम हैं, क्योंकि किसान संगठनों की सक्रियता वाले दो प्रमुख राज्यों-पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। विपक्षी दलों के रुख-रवैये से यह साफ है कि उनकी दिलचस्पी इसमें है कि कम से कम विधानसभा चुनावों तक किसान संगठनों का आंदोलन जारी रहे। खुद किसान संगठन भी इसके संकेत दे रहे हैं। जहां किसान संगठनों को इससे मतलब नहीं कि कृषि कानूनों के अमल पर तो रोक लगी हुई है, वहीं सरकार इससे चिंतित नहीं दिखती कि यह रोक कब हटेगी? सुप्रीम कोर्ट को भी कोई जल्दी नहीं, क्योंकि वह उस रपट का संज्ञान लेने की जरूरत नहीं समझ रहा, जिसमें कृषि कानूनों की समीक्षा की गई है और वह भी खुद उसकी ओर से गठित समिति की ओर से।

कोई नहीं जानता कि आगे क्या होगा, लेकिन इतना तय है कि आरोपों-प्रत्यारोपों के साथ एक-दूसरे को दोषी ठहराने का सिलसिला और तेज होगा। लखीमपुर की घटना के बाद ऐसा होता हुआ दिख भी रहा है-ठीक वैसे ही जैसे लाल किले की घटना के बाद हुआ था। निस्संदेह यह भी तय है कि यदि सरकार और किसान संगठनों के बीच गतिरोध नहीं टूटा तो लाल किले और लखीमपुर खीरी जैसी घटनाएं आगे भी होंगी। ये घटनाएं और अधिक हिंसक भी हो सकती हैं और माहौल बिगाड़ने के साथ कानून एवं व्यवस्था को चुनौती देने वाली भी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे अयोध्या, रामनगरी में करेंगे दर्शन-पूजन

लखनऊ । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर रामनगरी अयोध्या पहुंचे। उत्तराखंड के 11 वें मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने के बाद धामी का यह अयोध्या का पहला दौरा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अयोध्या के श्रीराम एयरपोर्ट पर पहुंचे। उनका नया घाट पर यात्री निवास सरयू होटल में कार्यकर्ताओं से भेंट करने का कार्यक्रम है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी हनुमानगढ़ी से श्रीराम जन्मभूमि तक जाने वाली राम बरात में शामिल होंगे। इसके बाद श्रीरामलला व हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करेंगे। शाम को उनका सरयू नदी के तट पर आरती करने का भी कार्यक्रम है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अयोध्या की यात्रा को लेकर कहा कि मैं कई बार अयोध्या जा चुका हूं। एक बार फिर अयोध्या जा रहा हूं। देश और प्रदेश की खुशहाली समृद्धि शांति के लिए भगवान श्रीराम से प्रार्थना करुंगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का राममंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद यह पहला दौरा है। उनके साथ आल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एवं पूर्व कंद्रीय मंत्री मनिंदर सिंह बिट्टा भी पहुंच रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देर रात तक दिल्ली सेवा धाम ट्रस्ट के भूमि पूजन के कार्यक्रम में आयोजित भजन संध्या स्थल में होंगे शामिल। रविवार को धर्मशाला की भूमि पूजन के दौरान यज्ञ में आहुति देने के साथ वहां पर धर्मशाला की आधारशिला रखेंगे। उनका इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मणिराम छावनी में मुलाकात का कार्यक्रम है। इसके बाद सुबह 11ः30 बजे अयोध्या के एयरपोर्ट से उत्तराखंड रवाना हो जाएंगे। उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री इससे पहले बीते महीने मुजफफरनगर दौरे पर आए थे। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद वह लखनऊ आए थे, लेकिन उनका बतौर मुख्यमंत्री रामनगरी अयोध्या का यह पहला दौरा है।

नाच देखने गए युवक को दोस्त ने ही मारी गोली, वाराणसी रेफर

भगवानपुर (कैमूर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के राधाखंड गांव में विजयादशमी के दिन शुक्रवार की रात नाच का कार्यक्रम चल रहा था। यहां कार्यक्रम के बीच में ही बातों ही बातों में एक युवक को उसके दोस्त ने ही गोली मार दी। गोली की आवाज से कार्यक्रम में दहशत फैल गई। लोग इधर-उधर भागने लगे।

जानकारी के अनुसार, कसेर गांव निवासी पप्पू सिंह के पुत्र 25 वर्षीय विष्णु नाच देखने के लिए अपने मित्र के साथ गया था। उसी कार्यक्रम में सरैया गांव के कुछ मनचले युवक भी पहुंचे थे। जिसमें शामिल एक युवक विष्णु का दोस्त था। ग्रामीणों के अनुसार दोनों दोस्त मौके पर मिले। लेकिन दोनों के बीच क्या हुआ और कैसे विवाद हो गया इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी। कार्यक्रम चल ही रहा था कि बात-बात में ही सरैया गांव के युवक ने अपने दोस्त को गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। कुछ समय के लिए लोगों को पता नहीं चला की गोली कहां से चली है।

लोग दहशत में थे। लेकिन, कुछ ही देर बाद गोली लगने का पता चला। आसपास के लोगों ने युवक को खून से लथपथ देखा । लोगों ने ही घायल युवक को इलाज के लिए भभुआ सदर अस्पताल लाया। जहां चिकित्सकों ने युवक की गंभीर स्थिति देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इस संबंध में प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष मुसीर आलम ने बताया कि दोनों एक ही समुदाय के हैं व दोनों आपस में दोस्त हैं। लेकिन गोली कैसे चली क्यों चलाई इसका खुलासा नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि संभवतः आपसी वर्चस्व दिखाने के लिए गोली चलाने का मामला अभी तक पुलिस को लग रहा है। उन्होंने बताया कि घायल युवक के परिजनों के द्वारा कोई लिखित आवेदन पुलिस को नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

पटना में प्रेमिका संग भाग रहे युवक को रास्ते में लड़की के भाई ने पीटा, युवती बोली- तू इंटरफेयर काहे कैले

पटना। पटना के गौरीचक थाना इलाके में प्रेमी-प्रेमिका शादी करने के लिए भाग रहे थे। ऐन वक्त पर लड़की के भाई की नजर पड़ गई। उसने प्रेमी युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसके कारण सड़क पर काफी देर तक अफरातफरी मची रही। लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लेकिन लड़की का दुस्साहस ऐसा कि उसने प्रेमी को पीटे जाने पर अपने भाई को ही फटकार लगा दी। उसने कहा कि तू काहे इंटरफेयर किया। क्यों नहीं भागने दिया। उसने कहा कि वह प्यार करती है। अपने बीच किसी को नहीं आने देगी। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। हालांकि, पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की गई।

लंबे समय से चल रहा था प्रेम प्रसंग - बताया जाता है कि गौरीचक की एक लड़की का युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अक्सर मिलते थे। दिनोंदिन उनका प्रेम परवान चढ़ रहा था। लेकिन घरवाले तैयार नहीं थे। तब दोनों ने भागकर शादी करने का फैसला कर लिया। दोनों ने रणनीति बनाई। उसने बॉयफ्रेंड को बुलाया और कहा कि चलो भाग चलते हैं। इसके बाद लड़की अपने प्रेमी संग घर से भाग निकली। चार दिन पहले दोनों घर से भाग चले। लेकिन रास्ते में युवती के भाई ने उन्हें देख लिया। दोनों को पकड़ा। इसके बाद उसने युवक की जमकर पिटाई कर दी। वहां भीड़ लग गई।

तू काहे न भागे देले, इंटरफेयर काहे कैले -अपने प्रेमी की पिटाई से लड़की काफी गुस्से में आ गई। उसने कहा कि, तू काहे न भागे देले। इंटरफेयर काहे कैले। उसने सबके सामने कहा कि वह प्रेमी से बहुत प्यार करती है। उनदोनों के बीच में किसी को बोलने का हक नहीं है। इस बीच उसका भाई युवक की पिटाई करता रहा। बाद में स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया। लड़की को जबरन गाड़ी पर बिठाकर उसका भाई ले गया। इधर पिटाई खाने के बाद आशिक भी वहां से चला गया। वहां मौजूद लोगों का कहना था कि लड़की ने जो हिम्मत दिखाई उसे देखकर लोग दंग रह गए।

लालू से मिलकर दिल्ली से पटना लौटे तेजस्वी यादव बोले-बड़ा खेला हो रहा है, बिहार में जलेगी लालटेन

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर तेजस्वी यादव शनिवार को पटना लौटे। जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि बिहार की जनता एनडीए को पराजित करके विजयदशमी मनाएगी। बड़ा खेला हो रहा है, अब लालटेन ही जलेगी। लालू के बिहार आने पर तेजस्वी ने कहा कि वह आना चाहते हैं पर चिकित्सकों की उनके स्वास्थ्य पर नजर है। उन्होंने कहा कि चुनावी सभाओं में ऊर्जा ज्यादा खर्च होती है, इस लिए डाक्टरों की राय के बाद ही राजद सुप्रीमो के आने पर कोई निर्णय लिया जाएगा।

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार से गरीबी, बेरोजगारी, अफसरशाही, अपराध और भ्रष्टाचार ही राज्य को मिला है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज में बिहार बेरोजगारी का केंद्र बन गया है। तेजस्वी ने कहा कि 15 साल में एनडीए सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा तक नहीं दिला पाई। नई सरकार की एक योजना धरातल पर काम नहीं कर रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता मौजूदा सरकार से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बेईमानी के बाद भी एक करोड़ 56 लाख वोट हमारे गठबंधन को मिले। बड़ा खेला हो रहा है पर स्पष्ट है कि लालटेन ही जलेगी।

तारापुर और कुशेश्वरस्थान में होगी राजद की जीत- उन्होंने कहा कि तारापुर और कुशेश्वरस्थान में भले ही पिछली बार जदयू ने बाजी मार ली थी लेकिन इसबार राष्ट्रीय जनता दल के दोनों उम्मीदवारों की जीत तय है। तेजस्वी ने कहा कि दोनों सीटों पर विजय हासिल कर हम सत्ता में बैठे तानाशाहों को सीधा संदेश देंगे कि अब बहुत हुआ, थक चुके लोग बिहार नहीं चला पा रहे। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बताया कि वे शनिवार की शाम से वे उप चुनाव में प्रचार के लिए निकलेंगे। दो दिन तारापुर में रहेंगे इसके बाद कुशेश्वरस्थान का प्लान बनेगा।

यूपी में मतांतरण बढ़ाने के लिए विदेश से फंडिंग, उत्तर प्रदेश एटीएस की चार्जशीट में सामने आया मामला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर मतांतरण की परत दर परत खुलने के दौरान ही इसमें विदेशों से भी बड़ी मात्रा में धन मिलने का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश में मतांतरण के मामले में 16 लोगों को गिरफ्तार करने वाली एटीएस की चार्ज शीट में मतांतरण के लिए विदेशों से फंडिंग का पता चला है।

उत्तर प्रदेश में महानगर के साथ ही छोटे शहर व कस्बों में बड़े पैमाने पर मतांतरण की जांच कर रही उत्तर प्रदेश एटीएस को इस खेल में मतांतरण के सिंडिकेट के खातों की पड़ताल में खाड़ी देशों के साथ अमेरिका व ग्रेट ब्रिटेन से भी फंडिंग का पता चला है।

उत्तर प्रदेश एटीएस ने कोर्ट में जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें दर्शाया गया है कि इनके खातों में विदेशी संस्थाओं से करीब 150 करोड़ की फंडिंग हुई है। उमर गौतम की संस्था को ब्रिटेन के अल फला ट्रस्ट से 57 करोड़ रुपया मिला है। मतांतरण के इस खेल को बढ़ाने के लिए इनको दुबई के साथ खाड़ी के अन्य देशों से फंड मिल

रहा था।

उत्तर प्रदेश में मतांतरण के बड़े मामले में एटीएस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, कई चौंकाने वाले मामले तथ लोग सामने आ रहे हैं। एटीएस ने इस मामले में करीब 150 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग के साक्ष्य जुटाए हैं। यह रकम उमर गौतम, कलीम सिद्दीकी और सलाहुद्दीन के पास भेजी गई थी। बीते पांच वर्ष से उमर गौतम की संस्था इस्लामिक दावा सेंटर और फातिमा चैरिटेबल ट्रस्ट को 30 करोड़ से ज्यादा रुपये विदेशी संस्थाओं से मिले। उसने इसका 60 फीसदी ही मतांतरण पर खर्च किया था।

इसके साथ ही एसटीएफ की गिरफ्त में आए वडोदरा के निवासी रसलाहुद्दीन की संस्था अमेरिकन फेडरेशन ऑफ मुस्लिम ऑफ इंडियन ओरिजिन को पांच वर्ष में 28 करोड़ रुपये मिले, जो उसने उमर गौतम को दिए थे। इसके साथ 22 करोड़ रुपये कलीम की संस्था अल हसन एजुकेशनल सोसायटी को भेजे गए। यह विदेशी फंड दुबई, तुर्की व अमेरिकी संस्थाओं ने भेजा था।

चार्जशीट के मुताबिक पता चला कि उमर गौतम व जहांगीर आलम ने अपने गिरोह के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक सिंडिकेट भी बनाया था। इसका उद्देश्य धर्म बदलने वाले लोगों को उनके मूल धर्म के प्रति विद्वेष पैदा करना था। जिससे देश की अखंडता व एकता को बढ़ाने वाले बंधुता पर प्रतिकूल असर पड़ा है। उमर गौतम के सिंडिकेट को महाराष्ट्र में संचालित करने के आरोपी भूप्रिय बिंदो, कौसर आलम, फराज शाह व प्रसाद कावरे की मुख्य भूमिका है। चार्जशीट में कहा गया कि आरोपियों को धर्मांतरण के लिए विदेशों से मौलाना कलीम सिद्दीकी के जामिया इमाम वलीउल्लाह ट्रस्ट और हवाला के जरिए करोड़ों रुपये की फंडिंग की गई है। आरोपी पूछताछ में इस धन के बारे में कोई ब्योरा नहीं दे सके हैं। उत्तर प्रदेश एटीएस ने इस खेल को बेनकाब करने के लिए अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी भी जांच जारी है। गिरफ्तार 16 में से दस के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। एटीएस ने सबसे पहले 21 जून को मौलाना उमर गौतम को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो सलाहुद्दीन जैनुद्दीन शेख का नाम सामने आने पर 30 जून को उसे भी पकड़ लिया गया। इसके बाद 21 सितंबर को मौलाना कलीम सिद्दीकी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इन सभी ने विदेशी संस्थाओं के साथ मिलकर एक सिंडिकेट बनाया था जो कि हिंदुओं और अन्य धर्म के लोगों धर्मांतरण के लिए धार्मिक विद्वेष और मूल धर्म की बुराइयों से संबंधित किताबें भी छापा करते थे। मौलाना कलीम सिद्दीकी का नाम बड़े इस्लामिक स्कॉलर्स में गिना जाता है। उसकी गिरफतारी के बाद काफी हंगामा भी मचा था, लेकिन उसके खिलाफ काफी सुबूत मिलने पर सन्नाटा पसर गया।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने छत्तीसगढ़ की घटना की तुलना लखीमपुर खीरी कांड से की, बोलीं-दोषियों के खिलाफ हो कार्रवाई

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मयावती शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में वाहन से भीड़ को कुचलने की घटना से बेहद मर्माहित हैं। मायावती ने इस घटना की तुलना लखीमपुर खीरी कांड से करने के साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ में जशपुर में कार के भीड़ को रौंदने की निंदा करने के बाद अब बहुजन समाज पार्टी की मुखिया ने छत्तीसगढ़ सरकार पर हमला बोला है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने ट्वीट किया कि शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के में दुर्गा मां की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान भीड़ को कार से कुचलने से हुई एक व्यक्ति की मौत व अनेकों के घायल होने की घटना दुखद है। उन्होंने कहा कि यह तो ऐसी घटना है जो कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की घटना की याद ताजा करती है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस की सरकार सभी पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद व नौकरी दे। बसपा की इसके साथ ही मांग है कि सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

इसके साथ ही बसपा प्रमुख ने दिल्ली सिंघु बॉर्डर पर पजांब के एक दलित युवक की नृशंस हत्या को अति-दुखद व शर्मनाक बताया है। मायावती ने कहा कि पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे। मायावती ने कहा कि बसपा की मांग है कि पंजाब के दलित सीएम भी लखीमपुर खीरी की तरह पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की मदद व सरकारी नौकरी दें।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के पत्थलगांव में शुक्रवार को मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस में तेज रफ्तार वाहन (महिंद्रा क्वांटो) घुस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिकओडिशा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार वाहन जुलूस के बीच घुस गया और लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गया। इसके बाद वाहन सड़क से उतरकर खेत में चला गया। यह देख वहां के लोगों ने वाहन में सवार बबलू विश्वकर्मा, निवासी ग्राम बैढ़ना, जिला सिंगरौली (मप्र) और शिशुपाल साहू, निवासी ग्राम बरगवां, जिला सिंगरौली (मप्र) को पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। वाहन को आग लगा दी। वाहन में बड़ी मात्रा में गांजा रखा था। मौके पर पहुंची पुलिसने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार लिया। इसकी चपेट में आने से पत्थलगांव निवासी गौरव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे में दर्जनभर से अधिक लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुख्ख व्यक्त करते हुए मामले के जांच के निर्देश दिए हैं।

यूपी में 20 दिसंबर के बाद कभी की लग सकती है आदर्श चुनाव आचार संहिता, चुनाव आयोग का निर्देश जारी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तेज होती तैयारी के बीच में निर्वाचन आयोग भी मुस्तैद हो गया है। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों को लेकर निर्देश जारी किया है। इससे तो संभव है कि प्रदेश में 20 दिसंबर के बाद कभी भी आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार का कार्यकाल 14 मई 2022 तक है।

निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में किसी भी स्थान पर लम्बे समय से तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को लेकर तत्काल हटाने के निर्देश जारी कर दिया है। आयोग के निर्देश पर अब एक ही जिले में तीन-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके अधिकारी व कर्मचारी को हटाने की प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएगी। उत्तर प्रदेश के साथ ही निर्वाचन आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब व उत्तराखंड सरकार को भी निर्देश भेजा है। गोवा सरकार का कार्यकाल 15 मार्च 2022, मणिपुर का 19 मार्च 2022 पंजाब का 27 मार्च 2022, उत्तराखंड का 23 मार्च 2022 और उत्तर प्रदेश का 14 मई 2022 को समाप्त हो रहा है।

निर्वाचन आयोग के गति पकड़ने से तो लग रहा है कि प्रदेश में 20 दिसंबर के बाद कभी भी आर्दश चुनाव आचार संहिता लागू हो सकती है। इसके बाद संभव है कि प्रदेश में 20 जनवरी से फरवरी तक विधानसभा चुनाव सम्पन्न हों। उत्तर प्रदेश में विधानसभा 2022 का चुनाव तय समय से होगा। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने एक नवम्बर से मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण की तैयारी की है। इसका काम एक से 30 नवंबर तक होगा। प्रदेश में मतदाता संक्षिप्त पुनिरीक्षण का विशेष अभियान सम्पन्न होने के बाद 20 दिसम्बर तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण होगा। इसके बाद पांच जनवरी 2022 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। माना जा रहा है कि जनवरी के पहले सप्ताह में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। आयोग का कहना है कि जिस राज्य में चुनाव होते हैं वहां अफसरों की तैनाती को लेकर नियम हैं। ऐसे राज्यों के अधिकारी अपने गृह जिले में तैनात नहीं रह सकता है और न ही एक जगह पर चार साल से ज्यादा समय तक उसकी तैनाती हो सकती है।

मुख्य सचिव व मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा पत्र- चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखा है। आयोग ने पत्र में कहा कि वह 31 दिसम्बर 2021 तक अधिकारियों के तबादले और तैनाती का काम निपटा लें। चुनाव आचार संहिता से सीधे जुड़े होने वाले अधिकारियों की नियुक्ति उनके गृह जिलों में नहीं होगी। आयोग का कहना है कि गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला किया जाएगा। यदि कोई अधिकारी किसी एक ही जिले में बीचे चार वर्ष से तैनात हैं या 31 दिसम्बर 2021 से पहले उसकी पोस्टिंग को तीन वर्ष पूरे हो रहे हैं तो उसकी पोस्टिंग जारी नहीं रहेगी। यह नियम डीईओ/आरओ/एआरओ/पुलिस इंस्पेक्टर/सब-इंस्पेक्टर और इससे बड़ी पोस्ट के अधिकारियों पर लागू होंगे।

बुद्ध की धरा सिद्धार्थनगर से 25 को पीएम मोदी करेंगे सात मेडिकल कालेजों का लोकार्पण: सीएम योगी

सिद्धार्थनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश को बड़ा तोहफा देंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पर पीएम मोदी के कार्यक्रम की समीक्षा करने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 को बुद्ध की धरती से प्रदेश के सात जिलों में बने नए मेडिकल कालेज का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदियनाथ ने बताया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 को हमारे प्रदेश को बड़ा तोहफा देंगे। यह हमारे लिए गौरव का क्षण होगा।

प्रधानमंत्री सिद्धार्थनगर के साथ देवरिया, एटा, गाजीपुर, हरदोई, मिर्जापुर और प्रतापगढ़ के मेडिकल कालेज का लोकार्पण करेंगे। सिद्धार्थनगर का मेडिकल कालेज, जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पहले प्रदेश अध्यक्ष रहे पं. माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम समर्पित होगा। सभी मेडिकल कॉलेज में अस्पताल और छात्रावास की सुविधा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले केवल पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरखपुर में मात्र एक मेडिकल कॉलेज बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही था। अब तो गोरखपुर में एम्स लगभग बनकर तैयार है। अगले एक-डेढ़ महीने में प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन के प्रस्तावित के कार्यक्रम स्थल बीएसए ग्राउंड और नवनिर्मित मेडिकल कालेज का निरीक्षण करने के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यहां मेडिकल कालेज बनने से आसपास के जनपद ही नहीं बल्कि नेपाल के नागरिकों को भी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा हुआ है।

सीएम योगी आदित्यनाथ सिद्धार्थनगर दिन में करीब तीन बजे पहुंचे। पुलिस लाइंस में हेलिकॉप्टर से आने के बाद वह नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज परिसर का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। सिद्धार्थनगर में बीती 30 जुलाई को नवनिर्मित मेडिकल कालेज का पीएम नरेन्द्र मोदी के हाथों लोकार्पण का कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन उस समय तक कालेज की मान्यता का मामला लटका था। 12 अक्टूबर को वर्चुअल माध्यम से कार्य पूरा होने की समीक्षा के बाद 13 अक्टूबर को देर शाम को मान्यता मिल गई। मेडिकल कालेज की मान्यता मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारी कर ली है। सिद्धार्थनगर में प्रधानमंत्री जिला जेल के सामने बीएसए परिसर में जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री का एक बार कार्यक्रम टल जाने से लोगों को काफी निराशा हुई थी, अब सीएम योगी आदित्यनाथ इसकी किसी भी तरह से भरपाई कराना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश को तीसरे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का तोहफा देंगे। पीएम मोदी के 20 को कुशीनगर दौरे के दौरान ही सीएम योगी आदित्यनाथ सिद्धार्थनगर दौरे का भी कार्यक्रम लेने को प्रयासरत थे। बीते तीन दिन से अपनी कर्मभूमि गोरखपुर में प्रवास कर रहे सीएम योगी आदित्यनाथ आज वहां से सिद्धार्थनगर जाने के बाद लखनऊ वापसी करेंगे।

अंकित दास समेत ड्राइवर व गनर की जमानत अर्जी खारिज

लखीमपुर । लखीमपुर खीरी कांड के आरोपित लखनऊ निवासी अंकित दास, उनके ड्राइवर शेखर भारती व निजी सुरक्षा कर्मी काले उर्फ लतीफ की जमानत अर्जी शनिवार को सीजेएम ने खारिज कर दी। अंकित दास ड्राइवर व निजी सुरक्षा कर्मी व दोस्त के साथ तीन अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के पैतृक गांव थाना तिकुनिया के बनवीरपुर में दंगल देखने गए थे। वहीं बनवीरपुर मार्ग पर हि?सा में चार किसानों, एक पत्रकार समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। घटना में जिला बहराइच के नानपारा निवासी जगजीत सि?ह की तहरीर पर थाना तिकुनिया में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा समेत 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, दुर्घटना व हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना में आरोपित ड्राइवर शेखर भारती को 12 अक्टूबर को सुबह सवा सात बजे पलिया बस स्टैंड से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। 13 अक्टूबर को अंकित दास व उनके गनर लतीफ उर्फ काले सुबह दस बजे क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंच गए थे। एसआइटी ने तीन घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से तीनों आरोपित जेल में हैं। शनिवार को अंकित दास, लतीफ उर्फ काले व शेखर भारती के अधिवक्ता ने सीजेएम कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की। सीजेएम ने सुनवाई के बाद तीनों आरोपितों की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

बता दें कि खीरी कांड में आरोपित पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास के भतीजे अंकित दास और उनके सुरक्षा गार्ड लतीफ उर्फ काले को लेकर शुक्रवार दोपहर बाद एसआइटी और लखीमपुर क्राइम ब्रांच लखनऊ के हुसैनगंज क्ले स्क्वायर स्थित एमआइ अपार्टमेंट पहुंची। यहां ग्राउंड फ्लोर पर अंकित के फ्लैट में एसआटी करीब आधे घंटे रुकी। एसआइटी ने फ्लैट से अंकित की रिपीटर गन और रिवाल्वर बरामद कर ली है। रिवाल्वर और रिपीटर गन बरामदगी के बाद एसआइटी और क्राइम ब्रांच अंकित व लतीफ को लेकर गोमतीनगर फन माल के पास होटल सागर सोना भी गई थी। यहां से एसआइटी ने होटल में लगी डीवीआर और फुटेज भी कब्जे में ली थी। बताया जा रहा है कि लखीमपुर कांड के दौरान अंकित और लतीफ काले रंग की फार्च्यूनर में थे।

अंकित ने एसआइटी को बताया था कि भीड़ उन पर पथराव कर रही थी। पथराव के दौरान उनकी फार्च्यूनर कार कुछ दूर आगे जाकर पलट गई। भीड़ उनकी तरफ दौड़ी तो वह गाड़ी से निकलकर भागे। भीड़ का उग्र रूप देखकर उन्होंने फायर कि?ए थे। वही असलहे अंकित ने घटना के बाद फ्लैट में छुपाकर रखे थे। लखनऊ आने के बाद अंकित होटल सागर सोना में ही रुका था।

डीएम के भाई पर गोलीबारी का आरोप लगा भीड़ ने जमकर पीटा, हालत गंभीर, नालंदा जिले की घटना

करायपरसुराय (नालंदा)। थाना क्षेत्र के चौकी हुडाडी गांव के नजदीक शुक्रवार की शाम दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट व गोलीबारी हो गई। गोलीबारी में एक किशोरी घायल हो गई। ग्रामीणों ने गोलीबारी के आरोपित को मारपीट कर घायल कर दिया। बताया जाता है कि गोलीबारी के आरोपित सासाराम के डीएम के चचेरे भाई हैं। हालांकि बताया जाता है कि डीएम के भाई ने आत्मरक्षार्थ गोली चलाई थी।

गांव के अंशु यादव से चल रहा था विवाद

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के चौरासी गांव निवासी सासाराम के डीएम धर्मेन्द्र सिंह के चचेरे भाई ठाकुर संग्राम सिंह व अंशु यादव के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते-देखते दोनों पक्ष के लोग जुट गए और मारपीट होने लगी। इसी बीच दोनों तरफ से गोलीबारी भी हो गई। इसमें एक पक्ष की एक किशोरी को गोली जा लगी। गोली लगने के बाद ग्रामीणों ने ठाकुर संग्राम सिंह उर्फ बंटी को पकड़ लिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी, जिससे वे बुरी तरह से घायल हो गए। घटना की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। जिसके बाद ठाकुर संग्राम सिंह व किशोरी को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पटना के एक निजी अस्पताल में संग्राम सिंह का इलाज चल रहा है।

डीएम के भाई ने आत्मरक्षा में चलाई गोली

हालांकि एक पक्ष का कहना है कि ठाकुर संग्राम सिंह ने आत्मरक्षार्थ गोली चलाई। आरोपित अंशु यादव अपने साथियों के साथ लूटपाट की कोशिश कर रहा था। अंशु यादव के हाथ में हथियार था, जिस वजह से ठाकुर संग्राम सिंह ने आत्मरक्षार्थ गोली चलाई। किशोरी किसकी गोली से घायल हुई, यह किसी को नहीं पता। इधर, डीएसपी कृष्ण मुरारी ने बताया कि ठाकुर संग्राम सिंह को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। फिलहाल पुलिस हिरासत में उनका इलाज चल रहा है। मौके से एक बाइक व एक कार बरामद की गई है। पुलिस जांच में जुटी है। अंशु यादव की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के बीच गाड़ी के विवाद में गोलीबारी हुई है। दोनों एक-दूसरे से पूर्व परिचित हैं।

कांग्रेस के नए पैंतरे से चिंता में लालू यादव की पार्टी, उप चुनाव में मुश्किल हो रही तेजस्वी यादव की राह

पटना। बिहार में दो विधानसभा सीटों- कुशेश्वरस्थान और तारापुर के उप चुनाव के लिए जिस समय राजद और कांग्रेस ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी, माना जा रहा था कि दोस्ताना लड़ाई होगी। यह भी कि अंततः दोनों सुलह कर लेंगे। लेकिन, दोनों सीटों के लिए अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि पहले वह राजद से ही दो-दो हाथ करना चाह रही है। इसके बाद कांग्रेस माय समीकरण के वोटों को अपने पक्ष में करने के लिए जी जान से जुट गई है। राजद के आधार वोट माय (मुस्लिम-यादव) में हिस्सेदारी बढ़ाने की कांग्रेस की मंशा उसके स्टार प्रचारकों की सूची से जाहिर हुई।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची से राजद सतर्क- कांग्रेस की ओर से कुल 20 स्टार प्रचारकों की सूची में छह मुस्लिम चेहरे हैं। तारिक अनवर, डा. शकील अहमद, डा. मो. जावेद, शकील अहमद खान, इमरान प्रतापगढ़ी और डा. शकील उज्जमा अंसारी। कांग्रेस ने 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी. सिर्फ पांच मुस्लिम चेहरे थे।

उनमें गुलाम नबी आजाद भी थे। इस बार दो सीटों के उप चुनाव में ऐसे छह स्टार प्रचारक हैं। हालांकि, दोनों क्षेत्रों में कितने मुस्लिम वोटर हैं, इसका ठीक-ठीक आंकड़ा किसी के पास नहीं है। फिर भी चुनावी राजनीति की भाषा में इन्हें निर्णायक माना जाता है। 2020 के विधानसभा चुनाव तक कुशेश्वरस्थान में मुस्लिम वोटरों ने कांग्रेस का साथ दिया था। तारापुर में उनकी पसंद राजद उम्मीदवार बने थे।

वाई फैक्टर से दो नये पर्यवेक्षक

कांग्रेस ने कुशेश्वरस्थान से पूर्व सांसद रंजीत रंजन और तारापुर से चंदन यादव को पर्यवेक्षक बनाया है। रंजीत रंजन जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव की पत्नी हैं। दोनों पर्यवेक्षकों की तैनाती यादव वोटरों को इस हद तक रिझाने के इरादे से की गई है कि इस बिरादरी के लोग कांग्रेस के पक्ष में वोट कर सकें। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस की इन कोशिशों से माय समीकरण के वोटर किस हद तक उससे जुड़ेंगे, लेकिन इतना तय है कि फिलहाल राजद की कठिनाई बढ़ गई है। कांग्रेस यह भ्रम तोड़ने की कोशिश भी कर रही है कि राजद से रणनीतिक संधि के तहत वह दोनों सीटों पर लड़ रही है।

कांग्रेस की सक्रियता से एनडीए में उत्साह- कांग्रेस की सक्रियता से एनडीए और खासकर दोनों सीटों पर चुनाव लड़ रहे जदयू में उत्साह है। यह उस आकलन के चलते है कि एनडीए के विरोधी वोटर दो हिस्से में बंट जाएंगे।

आम चुनाव में दोनों सीटों पर महागठबंधन के एक-एक उम्मीदवार थे। जदयू के साथ उनका कड़ा मुकाबला था। इस बार अगर वोटों का बिखराव होता है तो जदयू को उसका लाभ मिलेगा। किसे कितना लाभ मिलेगा, यह चुनाव नतीजे से ही पता चलेगा, फिलहाल कांग्रेस की सक्रियता महागठबंधन में बिखराव की ओर इशारा करती है।

संक्षिप्त समाचार

शिवराज सिंह आज पृथ्वीपुर और रैगांव के दौरे पर

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर और सतना जिले के रैगांव विधानसभा के चुनावी दौरे पर रहेंगे। जहां वे अलग-अलग चार चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। श्री चौहान सुबह 11 बजे निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर विधानसभा के ग्राम सिमरा और दोपहर 12:25 बजे पृथ्वीपुर विधानसभा, जिला टीकमगढ़ के ग्राम कांति की जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2:35 बजे सतना जिले के रैगांव विधानसभा के ग्राम सेमरवाड़ा और दोपहर 3:45 बजे रैगांव विधानसभा के ग्राम भर्जुन की आम सभा को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात शाम 5:25 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

उपचुनाव में भाजपा ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतेगी

भोपाल । केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार को भोपाल प्रवास पर थे इस दौरान उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, साथ ही उन्होंने उपचुनावों में भाजपा की ज्यादा से ज्यादा सीट जीतने की बात कही। श्री पटेल ने मीडिया से चर्चा के दौरन कहा कि इन उपचुनाव में विकास और सुशासन मुद्दा रहेगा और भाजपा ज्यादा से ज्यादा सीट पर विजयी होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहती है। भोपाल से भाजपा की सांसद प्रज्ञा सिंह द्वारा नर्मदा परिक्रमा को लेकर की गई टिप्पणी पर जवाब देने से बचते नजर आए केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा कि मैंने भी नर्मदा परिक्रमा की है, अभी इस विषय पर नहीं बोलूंगा। केंद्रीय मंत्री पटेल ने प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री भगवान दास सबनानी के साथ भी चर्चा की।

शर्मा आज खंडवा लोकसभा क्षेत्र में करेंगे प्रचार

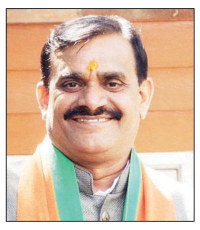

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा रविवार, 17 अक्टूबर को खंडवा लोकसभा के चुनाव प्रचार पर रहेंगे। श्री शर्मा भीकनगांव विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष 17 अक्टूबर को सुबह 11 बजे भीकनगांव के ग्राम अंजनगांव में आमसभा को संबोधित कर दोपहर 12 बजे आनंद श्री गार्डन में युवा सम्मेलन में शामिल होंगे। दोपहर एक बजे आनंद श्री गार्डन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करने के बाद श्री शर्मा दोपहर 2.30 बजे मारूगढ़ आश्रम में सामाजिक संगठनों के प्रमुखों एवं प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे। श्री शर्मा दोपहर 3.00 बजे झिरन्या में बूथ व पन्ना समिति सम्मेलन में शामिल होंगे।

पृथ्वीपुर में आज सभा को संबोधित करेंगे कमलनाथ

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में रविवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। श्री कमलनाथ चुनावी सभा में पृथ्वीपुर से कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्र सिंह के पक्ष में लोगों से वोट करने की अपील करेंगे। प्रदेश में खंडवा लोकसभा और पृथ्वीपुर, जोबट और रैगांव विधानसभा के लिए उपचुनाव हो रहे हैं।

अजय सिंह आज से खंडवा के चुनावी दौरे पर

भोपाल । मप्र के खंडवा लोकसभा संसदीय क्षेत्र में होने जा रहे उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुरनी के पक्ष में आमसभा एवं चुनाव प्रचार करने मप्र विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 17 और 18 अक्टूबर को क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह ने बताया कि अजय सिंह 17 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे भोपाल से हेलीकाप्टर द्वारा भोपाल से किल्लोद जाएंगे, जहां वे कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में दोपहर 12 बजे आमसभा को संबोधित करेंगे। श्री सिंह दोपहर 1.30 बजे दीवाल में, अपरान्ह तीन बजे रनगांव में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में आमसभा को संबोधित करने के पश्चात अपरान्ह 4.30 बजे इंदौर पहुंच जाएंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे। श्री सिंह दूसरे दिन 18 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे इंदौर से खंडवा लोकसभा क्षेत्र एवं पंधाना विधानसभा क्षेत्र के गुड़ी पहुंचकर वहां आमसभा को संबोधित करेंगे, तत्पश्चात दोपहर एक बजे बोरगांव में और अपरान्ह तीन बजे सतवास में खंडवा लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

डॉ. मिश्रा ने आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए

भोपाल । प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया के इंदरगढ़ में तीन परिवारों को संबल योजना में सहायता राशि प्रदान की। उन्होंने उक्त राशि सिंध नदी में तीन बालिकाओं के डूबने से मृत्यु हो जाने पर परिजनों को प्रदान की। डॉ. मिश्रा ने तीनों मृतक बालिकाओं की माताओं श्रीमती केशकली उचाड़, श्रीमती गीता बघेल और श्रीमती मुन्नी बाई केवट को चार-चार लाख रुपए की राशि के चेक प्रदान किए।

खंडवा निगम आयुक्त को नोटिस

भोपाल । यहां जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने के मामले में नगर पालिक निगम की आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान गौड़ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खंडवा लोकसभा उपचुनाव के सिलसिले में जिले के ग्राम कालमुखी आए थे जहां हेलिपैड पर अग्निशमन व्यवस्था के लिए नगर निगमायुक्त को निर्देशित किया गया था। बावजूद इसके वहां मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग तक फ़ायर ब्रिगेड की व्यवस्था नहीं हो सकी। इस मामले में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम ने कलेक्टर के आदेश पर निगमायुक्त को नोटिस जारी करते हुए उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी है। उन्हें 24 घंटे के भीतर अपना जवाब देने को आदेशित किया गया है।

कमलनाथ जनता को जवाब दें हैलीकॉप्टर घोटाले में दलाली ली या नहीं : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। हैलीकाप्टर घोटाले में कमलनाथ एवं उनके पुत्र बकुलनाथ का नाम पैंडोरा पेपर्स के द्वारा सामने आने को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने खंडवा के बड़वाह में पत्रकार वार्ता के दौरान पूछा है कि हैलीकॉप्टर घोटाले में कमलनाथ और उनके बेटे बकुलनाथ को दलाली मिली है या नहीं।

शर्मा ने कहा कि कमलनाथ का बेटा बकुलनाथ एनआरआई है और इस घोटाले में दुबई से भी दलाली हो रही थी। इस घोटाले में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है और देश की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ किया गया है। कमलनाथ को प्रदेश की जनता के सामने आकर इस सवाल का जवाब देना चाहिए कि वे और उनके बेटा हैलीकॉप्टर घोटाले में शामिल हैं या नहीं। प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हैलीकॉप्टर घोटाले में कमलनाथ का नाम आने पर देश, प्रदेश की जनता उनसे जवाब मांग रही है। इससे कमलनाथ घबरा गए हैं। दूसरी तरफ उनकी उम्र भी ढलती जा रही है। इन दोनों ही कारणों से कमलनाथ की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष ढूंढ रही है। लेकिन इस खोज में पार्टी गांधी परिवार से बाहर नहीं आ पा रही है। इस संबंध में उठ रहे सवालों का जवाब देने के लिए सोनिया गांधी को दिल्ली में बैठक करके कहना पड़ रहा है कि मैं ही पूर्णकालिक अध्यक्ष हूं। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस देश में अप्रासंगिक होती जा रही है और अपना अस्तित्व खोती जा रही है।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने किया तीन नवीन थाना भवनों का लोकार्पण

भोपाल । प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया में तीन नवीन थाना भवन लोकार्पित किए। उन्होंने धीरपुरा, भगुआपुरा और सेवढ़ा थाना भवनों का लोकार्पण किया। उक्त नव-निर्मित थाना भवन तीन करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से तैयार किए गए हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नव-निर्मित भवनों से अधिकारी-कर्मचारियों का कार्य सुगम और सुविधाजनक होगा। इस अवसर पर स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के साथ पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के सभी 56 हजार गांवों का सर्वे कराने जा रही है सरकार

किसानों की आमदनी अब चार गुना करने की तैयारी

परंपरागत के बजाय होगी अब प्री-प्लान खेती

भोपाल (एजेंसी)। किसानों के लिए खेती करना सामान्य तौर पर घाटे का धंधा माना जाता रहा है। इसी धारणा को बदलने और किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास करती रही है। पहले वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब इसमें एक बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर ली गई है। अब किसानों की आमदनी को दोगुना करने के बजाय चार गुना तक करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए अब किसानों को तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। प्रदेश के सभी गांवों में अब परंपरागत के बजाय प्री - प्लान खेती होगी।

राज्य सरकार अब प्रदेश के सभी 56 हजार से अधिक गांवों का सर्वे कराने जा रही है। इस सर्वे में उस गांव और उसके आसपास की उपजाऊ जमीन का सर्वे होगा। इस कड़ी में सबसे पहले मिट्टी का परीक्षण किया जाएगा। देखा जाएगा कि वहां की मिट्टी में किस तरह की उपज ली जा सकती है, जो किसानों के लिए अधिक फायदेमंद साबित होगी। यह तय होने के बाद राज्य सरकार किसानों को सरकारी मदद देगी। उन्हें नई तकनीक से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने बीज से लेकर खाद तक में तो अनुदान देगी ही, साथ ही उन्हें उपज लेने की तकनीक से भी परिचित कराएगी। इसके लिए संबंधित गांव और क्षेत्र के किसानों को बाकायदा ट्रेनिंग दी जाएगी।

एक वर्ष में पूरा होगा सर्वे का काम

राज्य सरकार ने जो तैयारी की है, उस हिसाब से इस पर वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले अमल शुरू कर दिया जाएगा। उससे पहले गांवों के सर्वे का काम एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। किस जिले के किस ब्लॉक और किस गांव की मिट्टी की क्या विशेषता है या फिर वहां किस तरह की गतिविधियां संचालित की जा सकता है, जिससे कि किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इसका पूरा ब्यौरा राज्य सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। पोर्टल पर जानकारी उपलब्ध रहने से किसान भी सीधे विशेषज्ञों से संपर्क स्थापित कर सकेंगे और उनसे परामर्श कर सकेंगे।

केवल खेती पर निर्भरता को खत्म करने की कवायद

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए खेती पर निर्भरता को खत्म भी किया जाएगा। यह इसलिए कि केवल परंपरागत खेती के दम पर किसानों की आमदनी को चार गुना तक नहीं बढ़ाया जा सकता। अभी तक किसान प्रदेश में सामान्य तौर पर गेहूं, चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, सरसों, मूंग, मंगफली आदि की खेती बहुतायत में करते हैं। केवल इन फसलों के दम पर किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं बनाया जा सकता। इसलिए अब जमीन की उर्वरा क्षमता के हिसाब से औषधीय पौधों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इतना ही नहीं उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। दरअसर केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना को नए सिरे से लागू किया है। राज्य सरकार इस योजना को प्रदेश में तेजी से लागू करने की कोशिश में है, जिससे कि किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी के संकल्प को पूरा किया जा सके।

मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन के मामले में अब देश के बड़े राज्यों में शुमार

मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन के मामले में देश के नंवर वन राज्य माने जाने वाले पंजाब और उत्तरप्रदेश को भी पीछे छोड़ने लगा है। वर्ष 2020 में अब देश में कोरोना का खौफ छाया हुआ था, तब मप्र ने गेहूं उत्पादन में पंजाब जैसे अग्रणी राज्य को पीछे छोड़ दिया। मप्र में रिकार्ड एक करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया गया था। यह प्रदेश के किसानों की जीवटता का ही सूचक है। प्रदेश को लगातार कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए कृषि कर्मण अवार्ड मिल रहे हैं। प्रदेश में खेत के जोतों के आंकड़े में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब प्रदेश में खरीफ सीजन में बोनी का क्षेत्र एक करोड़ तीन लाख हेक्टेयर से अधिक पहुंच गया है। इसी तरह रबी सीजन मेंभी बोनी का आंकड़ा एक करोड़ हेक्टेयर से अधिक तक जा पहुंचा है। ऐसे में मप्र को कृषि संभावनाओं से भरपूर राज्य बनकर उभरा है। इसलिए यहां के किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी की सबसे अधिक संभावना जताई जा रही है। मप्र की 65 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है।

एमएसएमई विकास नीति से प्रदेश में बढ़ेगा निवेश

भोपाल (एजेंसी)। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए मप्र सरकार के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग ने उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए नई एमएसएमई विकास नीति बनाई है। इस नीति में प्रदेश में निवेश बढ़ाने के साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के हरसंभव प्रावधान किए गए हैं। मप्र कृषि उत्पादों में देश में काफी आगे है और इन उत्पादों के प्रदेश में ही प्र-संस्करण के लिए नीति में इन इकाइयों को अनेक सुविधाओं के साथ रियायतें दिए जाने का ऐलान किया गया है।

नीति से स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार

नीति में नवीन खाद्य प्र-संस्करण इकाई, जिसमें यंत्र-संयंत्र में 10 करोड़ रुपए से अधिक एवं 50 करोड़ रुपए तक का निवेश किया गया हो, को कई तरह की सहायताए सुविधाएं प्रदत्त की जाएंगी। नीति के मुताबिक विद्युत खपत सहायता के तहत प्रचलित विद्युत टैरिफ में उच्च दाब उपभोक्ताओं को नवीन संयोजन प्राप्त करने पर एक रुपए प्रति यूनिट अथवा 20 प्रतिशत की छूट, जो भी कम हो, प्रदान की जाएगी। यह छूट खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों के लिए उत्पादन, व्यवसायिक परिचालन की तिथि से पांच वर्ष तक की अवधि के लिए देय होगी। ऑफ सीजन में कॉन्ट्रेक्ट डिमांड के 10 प्रतिशत अथवा वास्तविक रिकार्ड की गई डिमांड में से जो भी अधिक होगा, उसकी बिलिंग सामान्य टैरिफ पर की जाएगी, यह छूट संबंधित श्रेणी की खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को देय होगी।

इसी तरह मंडी शुल्क से छूट की भी सहूलियत नीति में है। ऐसी सभी पात्र खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश के अधिकतम 50 प्रतिशत या पांच वर्ष की अवधि, इनमें से जो भी कम हो के लिए मंडी शुल्क से छूट दी जाएगी। शुल्क से छूट की यह सुविधा उन इकाइयों को ही होगी, जो इस राज्य के कृषि उपजों का क्रय करेंगी।

फूड पार्क विकसित करने पर विशेष सहायता भी नीति में सहूलियत देने का प्रावधान है। अधोसंरचना विकास सहायता के तहत प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण परियोजनाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करने एवं अधोसंरचनाओं को बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार, खाद्य प्र-संस्करण उद्योग मंत्रालय के द्वारा क्रियान्वित मेगा फूड पार्क की स्थापना की योजना के मार्गदर्शी निर्देशों के अनुसार निजी क्षेत्र द्वारा मेगा फूड पार्क की स्थापना पर परियोजना लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम राशि रूपए पांच करोड़ सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह सहायता विकसित पार्क में न्यूनतम 10 इकाइयों की स्थापना पर देय होगी। यह सहायता टॉप-अप के रूप में देय होगी।

उप चुनाव को लेकर शिकवा- शिकायतें

भाजपा नेताओं ने किया आचार संहिता का खुला उल्लंघन

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के विरुद्ध चुनाव आयोग में शिकायत कर कारवाई की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं चुनाव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने आरोप लगाया है कि सीएम चौहान द्वारा रैगांव विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए मतदाताओं के घरों पर बिना उनकी लिखित अनुमति के पार्टी के झंडे लगाए गए, कोविड के नियमों का उल्लंघन करते हुए जहां कि पांच व्यक्ति ही चुनाव प्रचार कर सकते हैं वहां उन्होंने सैकड़ों लोगों की भीड़ के साथ रोड शो करते हुए रैली निकालकर चुनाव प्रचार किया, घोषणाएं कीं, मतदाताओं को पक्का घर बनाकर देने का प्रलोभन दिया एवं कोविड नियमों के अनुरूप धारा 188 का उल्लंघन किया जिसमें मास्क नहीं, सामाजिक दूरी का ध्यान नहीं रखा गया और नियमों को ताक पर रखकर चुनाव प्रचार किया गया जिसकी वीडियो ग्राफी स्थानीय प्रशासन से लेकर सत्यापित किया जा सकता है। धनोपिया ने कहा कि पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शर्मा ने मोहनगढ़ में विजय संकल्प ध्वज अभियान शुरू किया गया जिसके अंतर्गत उन्होंने हाजारों की संख्या में मतदाताओं के घरों पर पार्टी ध्वज उनकी बिना लिखित अनुमति के लगवाए हैं, सैकड़ों की भीड़ के साथ चुनाव प्रचार किया, जबकि नियम अनुसार पांच व्यक्ति ही चुनाव प्रचार कर सकते हैं एवं उन्होंने रोड शो किया, जो कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का खुला उल्लंघन है। धनोपिया ने आयोग से निवेदन किया है कि मुख्यमंत्री द्वारा रैगांव क्षेत्र में एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष द्वारा पृथ्वीपुर में चुनाव प्रचार करते हुए आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया है, इसलिए दोनों के विरुद्ध आचार संहिता के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाए।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की कार्रवाई की मांग

15 दिन में मिलीं बिजली की एक लाख 77 हजार 852 शिकायतें

97.14 फीसदी शिकायतों का किया निराकरण

भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि चालू अक्टूबर माह के प्रथम 15 दिवस में प्रदेश स्तर पर कुल एक लाख 77 हजार 852 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 1 लाख 73 हजार 252 शिकायतें निराकृत कर दी गई हैं। निराकरण का प्रतिशत 97.14 प्रतिशत है।

प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में केंद्रीकृत कॉल-सेंटर स्थापित किए गए हैं। कम्पनी मुख्यालय भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर में स्थित ये कॉल-सेंटर 24 घंटे कार्यरत हैं। इसमें कॉमन नम्बर 1912 के माध्यम से शिकायतें दर्ज कर सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारी को शिकायत प्रेषित की जा सकती हैं। शिकायतों के निराकरण के बाद काल सेंटर से उपभोक्ता का फीडबेक भी लिया जा रहा है।

पूर्व क्षेत्र द्वारा 36 हजार 900 में से 34 हजार 780 शिकायतें, मध्य क्षेत्र द्वारा 59 हजार 458 में से 59 हजार 14 शिकायतें एवं पश्चिम क्षेत्र द्वारा 81 हजार 494 में से 79 हजार 458 शिकायतें निराकृत की गई हैं। इन शिकायतों में सर्वाधिक शिकायतें विद्युत प्रदाय से संबंधित हैं, जिनका त्वरित निराकरण किया गया है। इसके अलावा खराब वितरण ट्रांसफार्मर और मीटर अथवा बिल संबंधी शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार ले रही झूठा श्रेय : कमलेश्वर

भोपाल । मध्यप्रदेश में स्व. सहायता समूह की योजनाओं को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर झूठ बोलने को आरोप लगाते हुए कहा है कि यह योजना मनमोहन सरकार ने 2011 में शुरू की थी। कांग्रेस के सिंहावल से विधायक और पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा है कि अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अनुसूचित जाति जनजाति की गरीब महिलाओं के स्व सहायता समूहों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को झूठ को सच बनाने और सच को झूठ बनाने का कारखाना बना दिया है। पटेल ने कहा कि आज शिवराज सिंह सरकार झूठ बोलकर अपना महिमामंडन मंचों पर कर रहे हैं। वर्ष 2011 में यूपीए सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय के माध्यम से देश में लागू की गई थी।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य में बेटियों की भी रहेगी सहभागिता

प्रदेश में बन चुकी हैं 40 लाख लाड़ली लक्ष्मियां

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में बेटियों की सुरक्षा के साथ उन्हें आत्म-निर्भर बनाने के लिए वर्ष 2007 से प्रारंभ की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना में अभी तक लगभग 40 लाख लाड़ली लक्ष्मी बन चुकी हैं। इन सभी लाड़ली लक्ष्मियों को राज्य सरकार ने न केवल लखपति बनाया है, बल्कि उनकी शिक्षाए स्वास्थ्य के साथ उच्च शिक्षा की भी जिम्मेदारी निभाई जा रही है। योजना का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ है कि अब प्रदेश में जन्मी बालिका को अभिशाप नहीं वरदान समझा जाता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बेटियों के प्रति संवेदनशील सोच से उपजी लाड़ली लक्ष्मी योजना को अब और विस्तारित करने का मन बना लिया गया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि प्रदेश की हर बेटी शिक्षित हो, उसका स्वास्थ्य बेहतर रहे और वह अपने आप को आत्म-निर्भर

महसूस करें। आत्म-निर्भर मप्र के लक्ष्य पूर्ति में प्रदेश की बेटियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। बेटी के जन्म से लेकर उसकी पूरी शिक्षा और उसके विवाह तक की जिम्मेदारी लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से उठाई जा रही है। इस योजना ने एक तरफ प्रदेश की बेटियों को अभिभावक रूपी सुरक्षा दी है, वही दूसरी ओर बेटियों के प्रति समाज की सोच को भी बदला है। एक समय था जब बेटी के जन्म पर पूरा परिवार निराश हो जाया करता था। लाड़ली लक्ष्मी योजना के लागू होने से अब परिवारों में बेटी के पैदा होने पर उत्सव मनाया जाता है। समाज में बेटियों के प्रति आए इस बदलाव से प्रदेश में महिला-पुरूष के लिंगानुपात में भी सुधार हुआ है।

सीएम चौहान का मानना है कि समाज के सशक्तिकरण के लिए नारी का सशक्तिकरण जरूरी है। आज पैदा हुई बेटी कल समाजए प्रदेश और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभा पाए। हम ऐसे ही प्रयास कर रहे हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटी को सबल बनाने और उसे आत्म-निर्भर बनाने का प्रयोग मप्र में सफ्ल हुआ है। यह योजना जितनी प्रदेश में सराही गई है, उतना ही अन्य राज्यों में भी योजना को सराहा और अपनाया गया है। योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नये प्रावधान लगातार जोड़े जा रहे हैं। राज्य सरकार अब 12 वीं पास करने वाली लाड़लियों को स्नातक में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए देगी। साथ ही इंजीनियरिंग और मेडिकल में प्रवेश पाने वाली हर लाड़ली का खर्च सरकार उठाएगी।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने की पहल

महिला सशक्तिकरण के लिए प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न बैंकों के माध्यम से आर्थिक सहयोग कर उन्हें आत्म-निर्भर बनाने की जो पहल हुई है, उसमें ग्रामीण महिलाओं ने अपनी कड़ी मेहनत से अपने हुनर को बाजार में ला खड़ा किया है। आज अनेक महिला समूहों द्वारा ऐसी सामग्री का निर्माण किया जा रहा है, जो न केवल प्रदेश में बल्कि अन्य राज्यों में भी क्रय की जा रही है। महिलाओं समूह द्वारा उत्पादित एवं निर्मित सामग्रियों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए एप भी लांच किया गया है। समूहों को मिले आर्थिक सहयोग और उनके द्वारा बनाए गए माल को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने के लिए राज्य सरकार हर सहयोग कर रही है। चौहान ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मियों को भी आत्म-निर्भर बनाने के लिए उन्हें शिक्षा की पूर्ण सुविधाएं देने के साथ उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया जाएगा।

सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही सरकार : पीसी शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। शनिवार को पृथ्वीपुर में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अवनीश बुंदेला और जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश सिंह दांगी ने सयुक्त पत्रकार वार्ता करते हुए यह आरोप लगाए हैं।

शर्मा ने कहा कि शिवराज सरकार भ्रष्टाचार और खरीद फरोख्त के साथ सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेसियों पर मुकदमे कायम किए जा रहे हैं। भाजपा के लिए कोई कोविड गाइडलाइन नहीं है, सिर्फ कांग्रेसियों के लिए है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पटवारी पंचायत सचिव की अपने हिसाब से जमावट की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को कोविड की तीसरी लहर की कोई चिंता नही हे। भाजपा को केवल चुनाव की चिंता है। श्री बुंदेला ने कहा कि पृथ्वीपुर में विकास कार्यों का श्रेय पूर्व विधायक स्व बृजेंद्र सिंह राठौर को दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री दांगी ने कहा कि ओरछा में जो भी विकास कार्य हुए हैं अधिकतर स्व राठौड़ ने कराए, स्थानीय विधायक भाजपा का भी कोई रोल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा पृथ्वीपुर में अपनी जमानत बचा ले तो बड़ी बात है। भाजपा को पृथ्वीपुर उपचुनाव में मुंह की खानी पड़ेगी। पृथ्वीपुर में भी एक बार फिर सच की जीत होगी। कांग्रेस की जीत होगी।

हम दो हमारे दो के गाना बांसुरी में अलग अंदाज में नजर आए कृति, राजकुमार

ए.आर. रहमान द्वारा रचित ट्रैक, परम सुंदरी से इंटरनेट सनसनी पैदा करने के बाद कृति फिर धमाल मचाने वापस आ गई है। इस बार उनके साथ राजकुमार राव भी है जो अपकमिंग फिल्म हम दो हमारे दो ट्रैक बांसुरी में धमाका करने वाले है।

सचिन-जिगर द्वारा रचित, बांसुरी एक फुट-टैपिंग राग है। कृति, राजकुमार दोनों की सिजलिंग केमिस्ट्री इस गाने को एक ऑडियो ट्रीट जितना ही विजुअल बना रही है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी बताती है जो माता-पिता को गोद लेने की एक अजीब योजना तैयार करता है ताकि वह अपने प्यार से शादी कर सके। इसमें परेश रावल और रत्ना पाठक शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रचना के बारे में बात करते हुए, संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कहा कि बांसुरी एक जीवंत ट्रैक है जो निश्चित रूप से युवा लोगों के बीच पसंदीदा है। हमने भारतीय बांसुरी के जादू को देसी बीट्स के फंकी आकर्षण के साथ मिश्रित किया है। यह विचित्र, ताजा और आकर्षक नंबर है। पीयूष-शाजिया द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस ट्रैक को शेली ने लिखा है और इसे असीस कौर, आईपी सिंह, देव नेगी के साथ-साथ संगीतकार सचिन-जिगर ने गाया है। दिनेश विजन द्वारा निर्मित और अभिषेक जैन द्वारा निर्देशित हम दो हमारे दो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 29 अक्टूबर को रिलीज के लिए तैयार है।

अपकमिंग फिल्म में हेलेन केलर की भूमिका निभाएंगी एक्ट्रेस मिलिसेंट सिममंड्स

अमेरिकी अभिनेत्री और दिन्यांग कार्यकर्ता मिलिसेंट सिममंड्स अपकमिंग फीचर फिल्म हेलेन एंड टीचर में हेलेन केलर की भूमिका निभाएंगी, वहीं राचेल ब्रोसनाहन उनकी शिक्षक ऐनी सुलिवन की भूमिका निभाएंगी। वैराइटी डॉट कॉम के अनुसार, सिमंड्स की कास्टिंग स्क्रीन पर डीफ के प्रतिनिधित्व के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। वर्षों से केलर की कहानी के अधिकांश रूपांतरों में आम तौर पर ऐसे एक्टर शामिल थे, जो बहरे नहीं हैं। इस बीच, ब्रोसनाहन, केलर इसे नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। 1900 के दशक की शुरूआत में, कहानी रेडक्लिफ कॉलेज, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में केलर के अशांत समय का अनुसरण करती है, जब उसकी तेजी से बढ़ती विश्वदृष्टि और यौन जागृति उसे रूढ़िवादी सुलिवन के साथ सीधे संघर्ष में लाती है। जब सुलिवन को युवा और प्रतिभाशाली प्रकाशक, जॉन मैसी द्वारा प्यार किया जाता है, तो दो महिलाओं के बीच तनाव बढ़ जाता है, जिससे उनकी दोस्ती टूट जाती है। केलर की कहानी को कई स्टेज प्रस्तुतियों (सबसे प्रसिद्ध विलियम गिब्सन की 1959 में द मिरेकल वर्कर) और डिज्नी की 2000 की टीवी फिल्म द मिरेकल वर्कर सहित फिल्मों में रूपांतरित किया गया है।

इस दिवाली अक्षय कुमार बॉक्स ऑफिस पर करेंगे बड़ा धमाका

5 नवंबर को रिलीज होगी सूर्यवंशी

अभिनेता अक्षय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सूर्यवंशी' दुनिया भर में पांच नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की राज्य के सिनेमा घरों को 22 अक्टूबर से खोले जाने की घोषणा के बाद निर्देशक रोहित शेट्टी ने पिछले महीने सोशल मीडिया पर बताया था कि 'सूर्यवंशी' दिवाली के दौरान रिलीज होगी। हालांकि, इसके बाद फिल्म की रिलीज को लेकर किसी तारीख की घोषणा नहीं की गई। कुमार ने सोशल मीडिया पर छोटा सा एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनके साथ अजय देवगन और रणवीर सिंह भी दिख रहे हैं। 'सूर्यवंशी' में ये दोनों अभिनेता मेहमान भूमिका में नजर आएंगे। एक सिनेमा हॉल के भीतर फिल्माए गए वीडियो में तीनों अभिनेता दर्शकों से दिवाली के दौरान सिनेमाघरों में फिल्म देखने की अपील कर रहे हैं।

कुमार ने कहा, ''क्या आपको यह जगह याद है, जहां आपने कितनी ही भावनाओं को पर्दे पर उमड़ते देखा है। किसी ने नहीं सोचा था कि फिल्मों की तरह हमारे जीवन में भी 'मध्यांतर' आ जाएगा। लेकिन हम लोग वापस आ गए हैं।'' यह फिल्म 24 मार्च, 2020 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसकी रिलीज की तारीख कई बार बढ़ाई गई। महामारी के कारण देशभर में सिनेमाघरों को बंद करना पड़ा था। शेट्टी की पुलिस अधिकारी पर आधारित यह चौथी फिल्म है। इससे पहले इसी विषय पर वह अजय देवगन के साथ 'सिंघम', 'सिंघम रिटर्न्स' और रणवीर सिंह के साथ 'सिम्बा' बना चुके हैं। 'सूर्यवंशी' में कुमार के साथ कटरीना कैफ नजर आएंगी। आगामी फिल्म के प्रस्तोता रिलायंस एंटरटेनमेंट हैं और रोहित शेट्टी पिक्चर्स ने धर्मा प्रोडक्शंस एवं केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर इसका निर्माण किया है।

फिल्म 'खुफिया में नजर आएंगे बांग्लादेशी एक्ट्रेस अजमेरी हक बधोन

प्रतिष्ठित फिल्मकार विशाल भारद्वाज ने बृहस्पतिवार को बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म 'खुफिया' में बांग्लादेशी एक्ट्रेस अजमेरी हक बाधोन को लिया है। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने वाली इस फिल्म में तब्बू, अली फजल, आशीष विद्यार्थी और वामिका गब्बी भी नजर आएंगे। यह फिल्म जासूसी रोमांच से भरपूर होगी औरयह सत्य घटनाओं व अनिल भूषण के लोकप्रिय जासूसी उपन्यास 'एस्केप टू नोवेयर' पर आधारित है। भारद्वाज ने बाधोन को फिल्म में लेने की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से दी और इसके साथ ही अभिनेता के साथ अपनी तस्वीर साझा की। बाधोन हाल में चर्चित बांग्लादेशी फिल्म 'रेहाना मरियम नूर' में नजर आए थे।

सनी, अमीषा के साथ गदर का सीक्वल जल्द होगा रिलीज

सनी देओल और अमीषा पटेल 20 साल बाद गदर: एक प्रेम कथा की अगली कड़ी में बड़े पर्दे पर एक साथ वापसी करेंगे, जो 2001 में रिलीज हुई सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। गदर 2 निर्देशक अनिल शर्मा और जी स्टूडियो भी साथ आएंगे। फिल्म में शर्मा के बेटे, अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी हैं, जो गदर- एक प्रेम कथा में देओल और पटेल द्वारा निभाए गए पात्रों के बच्चे के रूप में दिखाई दिए थे। इस फिल्म के जल्द ही रिलीज होने की योजना है, अभी गदर 2 के प्लॉट को गुप्त रखा गया है। मूल फिल्म ब्रिटिश भारतीय सेना द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी बूटा सिंह और विभाजन की पृष्ठभूमि के खिलाफ जैनब नाम की एक युवा मुस्लिम महिला के बीच दुखद प्रेम कहानी पर आधारित है।

इन्टू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स में दिखेंगे अजय देवगन, कहा- यह बहुत डरावना था

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन डिस्कवरी चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम ' इन्टू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' में दिखेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए शूटिंग करना 'डरावना' अनुभव था क्योंकि अनजान क्षेत्र में 'कुछ भी हो सकता था।' देवगन ने हाल में कार्यक्रम के एक एपिसोड के लिए मालदीव में कार्यक्रम के मेजबान बेयर ग्रिल्स के साथ शूटिंग की है। एपिसोड की शूटिंग हिंद महासागर में हुई, जहां शार्क का प्रभुत्व है और प्रतिकूल मौसम है। इसके बाद वे वीरान द्वीप पर चले जाते हैं। कार्यक्रम के लिए आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान देवगन ने कहा कि इस एपिसोड को फिल्माना किसी फिल्म के एक्शन दृश्य की शूटिंग करने जैसा नहीं था। उन्होंने कहा, 'हम फिल्म की शूटिंग की योजना बनाते हैं। हमें पता होता है कि हमें क्या करना है। उसका अभ्यास होता है और फिर रिटेक भी होते हैं। यहां हमें नहीं पता था कि हमें क्या करना है, कम से कम मुझे तो नहीं पता था। यह डरावना था लेकिन मजेदार था।' अभिनेता ने कहा, 'यह एक तरह से खतरनाक था। कुछ भी हो सकता था। हम जंगल में थे, अज्ञात क्षेत्र में थे। बेयर को इस बारे में फिर भी थोड़ी बहुत जानकारी थी, लेकन मुझे तो कुछ पता ही नहीं था।' प्रेस वार्ता में देवगन के साथ ग्रिल्स और डिस्कवरी इंक की दक्षिण एशिया की प्रबंधक निदेशक मेघना टाटा भी थीं। ग्रिल्स ने कहा कि एपिसोड की शूटिंग उनकी टीम के लिए चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि हमेशा निर्जन या वीरान द्वीप 'स्वर्ग' नहीं होता है।

सनी लियोनी का नया गाना हुआ रिलीज़

बॉलीवुड इंडस्ट्री के महफ़िल में चार चाँद लगाने वाली सनी लियोनी का नया सॉन्ग 'परदेसी' रिलीज हो गया है. इस सॉन्ग में सनी लियोन कमाल का डांस कर रही है और अपने फैन्स को खूब लुभा रही हैं.

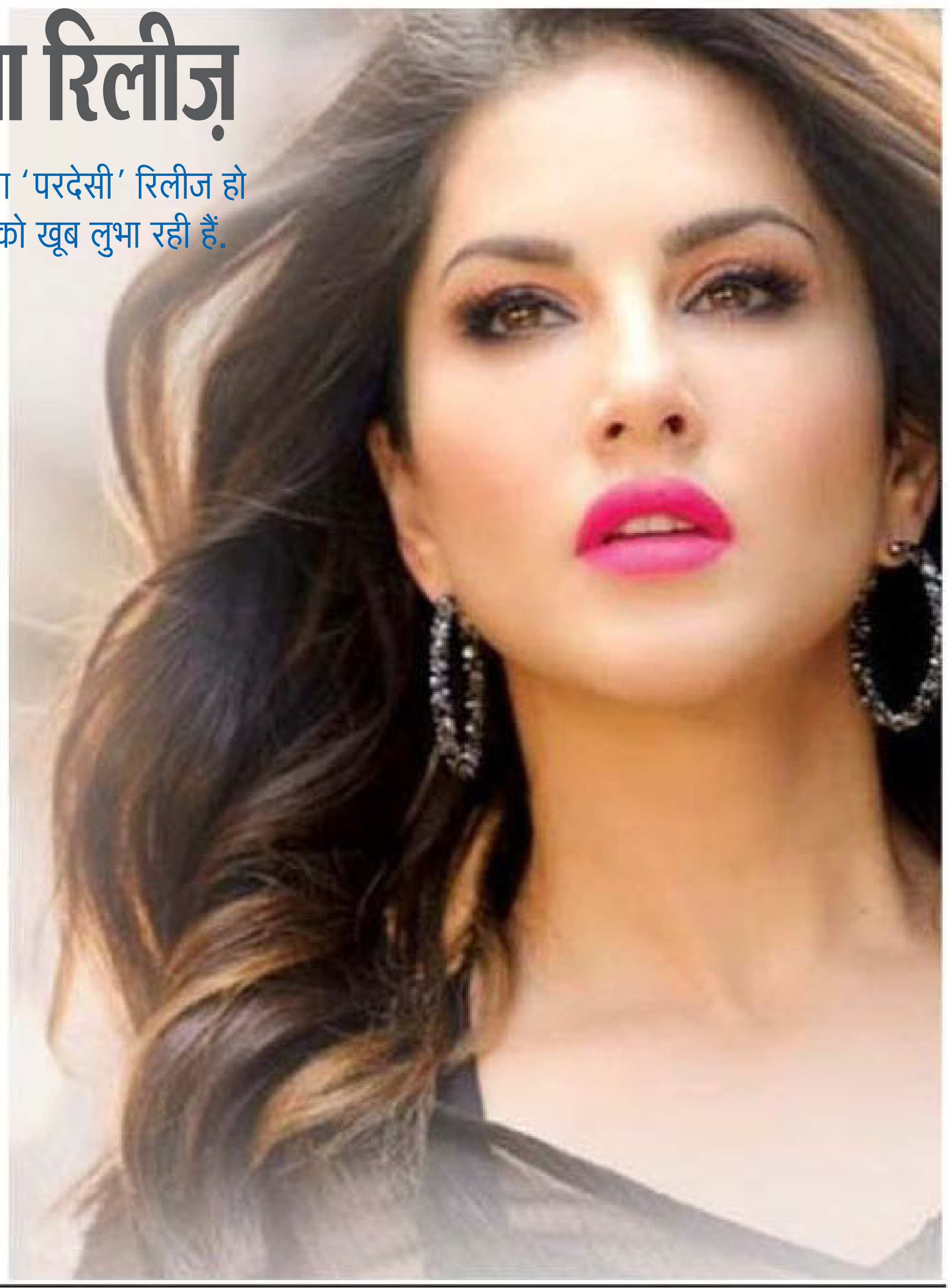

सॉन्ग को यूट्यूब पर रिलीज किया गया है. सनी लियोन के इस सॉन्ग में म्यूजिक आर्को का है और लिरिक्स भी आर्को की ही हैं. इस गाने के रिलीज होते ही यूट्यूब पर फैन्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. सनी लियोनी पिछले कुछ दिनों से मेनस्ट्रीम एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से दूर नजर आ रही थीं. उनके फैंस उनके अगले काम का इंतज़ार कर रहे थे. इसी बीच सन्नी का एक म्यूजिक वीडियो यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया और अब उम्मीद है की उनके फैंस को उनका यह अंदाज़ काफी पसंद आएगा. सनी लियोनी अपने डांस से हमेशा ही लोगों को हैरान करती नजर आई है. गाने में क्रॉप टॉप और मल्टीकलर स्कर्ट में एक्ट्रेस का अंदाज गाने में चार चाँद लगा रहा हैं. जब से गाना रिलीज़ हुआ है तब से उनका ये गाना तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसपर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं.

सनी लियोनी बॉलीवुड फिल्मों से काफी समय से दूर हैं. वो आखिरी बार एम एक्स प्लेयर की सीरीज बुलेट्स में नज़र आई थी. हालांकि वो सीरीज दर्शकों में कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई. सनी लियोनी आगे के तमिल सिनेमा में अभिनय करती दिखाई देंगी और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में एक्ट्रेस की कई फिल्में बैक-टू-बैक बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली हैं. और यह भी उम्मीद किया जा रहा है कि बॉक्स ऑफिस पर उनकी नई फिल्में रिलीज़ होने के बाद उनके फैंस उनसे बेहद खुश हो जाएंगे. सनी लियोन के 'परदेसी' सॉन्ग पर फैन्स के कमेंट्स की बात करें तो वें भी काफी मजेदार हैं. उनके एक फैन ने लिखा, 'सनी लियोन का डांस बहुत ही कमाल का है और उन्होंने डांस फ्लोर पर आग लगा दी है.' वहीं दूसरे ने लिखा कि उनकी क्यूटनेस उम्र को भी मात दे रही है. वहीं एक फैन ने यह भी लिखा, 'सनी हमेशा ही हमारे दिल चुरा लेती हैं. सो स्वीट परदेसी.' फैन्स की प्रतिक्रियों को देखकर लग रहा है की भले ही सनी लियोनी परदे पर लम्बे समय के बाद दिखाई दे रही हैं लेकिन उनके फैंस के दिल में उनकी जगह आज भी बरकरार है.

सनी लियोन एक भूतपूर्व पोर्नस्टार, प्रसिद्ध भारतीय-कनाडाई अभिनेत्री हैं जो कई भारतीय और अमेरिकी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. आपको बता दें की सनी लियोन के पास कनाडा और अमेरिकी दोनो की नागरिकता है. सनी लियोन 2011 में एक प्रतियोगी के रूप में चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 5 का हिस्सा थीं, जिसने उन्हें भारतीय मनोरंजन उद्योग में बड़े पैमाने पर प्रसिद्धि दिलाई.

टी20 विश्व कप: पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ ओमान की कोशिश घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की

अल अमेरात ,(एजेंसी)।

कोविड-19 के सबसे बुरे से दौर से जूझ रहे पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) की टीम रविवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के क्वालीफाइंग दौर में रविवार को जब ओमान के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश महामारी से निराशा के बीच अपने देशवासियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने की होगी। दूसरी तरफ टूर्नामेंट का सह-मेजबान ओमान घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा उठाना चाहेगा। पीएनजी टीम दो बार बेहद करीब से टी20 विश्व के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद 2019 में आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालीफायर में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बनी थी। ग्रुप चरण में नीदरलैंड पर पांच विकेट की जीत उनके लिए निर्णायक साबित हुई। टीम हालांकि वे फाइनल हार गई थी लेकिन कप्तान असद वाला और उनके खिलाड़ी अपने पहले आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे थे। पीएनजी की टीम यहां हालांकि काफी मुश्किल परिस्थितियों में पहुंची है। देश इस समय कोविड-19 के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को भी अपने परिवार के सदस्यों को खोना पड़ा है। करीब दो साल तक कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। टूर्नामेंट से पहले हालांकि टीम को लगातार 12 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, इसमें आठ एकदिवसीय, दो टी20 अंतरराष्ट्रीय और विश्व कप के दो अभ्यास मैच शामिल है। टीम को हालांकि उम्मीद होगी की सितंबर की शुरुआत से ओमान में रहने का उन्हें फायदा होगा और परिस्थितियों से सामंजस्य बैठा का टीम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट वाली लय हासिल करने में कामयाब रहेगी। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने वाले कप्तान असद को खुद से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है और तेज गेंदबाज नोर्मन वनुआ टीम में अहम भूमिका निभाएंगे। वनुआ आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते है। उन्होंने बरमूडा के खिलाफ 2019 क्वालीफायर्स में हैट्रिक लिया था। सलामी बल्लेबाज टोनी उरा टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगा चुके है। उन्होंने 2018 में आयरलैंड के खिलाफ 151 रन बनाए थे। टीम उनसे फिर से वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। टूर्नामेंट की सह-मेजबान ओमान को अपने खेल में सुधार और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए सुपर 12 चरण में जगह बनाने की उम्मीद होगी।

टीमें

ओमान: जीशान मकसूद (कप्तान), आकिब इलियास, जतिंदर सिंह, खावर अली, मोहम्मद नदीम, अयान खान, सूरज कुमार, संदीप गौड़, नेस्टर ढांबा, कलीमुल्लाह, बिलाल खान, नसीम खुशी, सुफियान महमूद, फैयाज बट, खुर्म नवाज खान।

पापुआ न्यू गिनी: असद वाला (कप्तान), चार्ल्स अमिनी, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, नोस्यो पोकाना, किपलिंग डोरिगा, टोनी उरा, हिरी हिरी, गौड़ी टोका, सेस बाउ, डेमियन रावू, कबुआ वागी-मोरिया, साइमन अताई, जेसन किला, चाड सोपर, जैक गार्डनर।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से खेल जाएगा।

एक नजर

एससी ईस्ट बंगाल ने सत्र पूर्व मैत्री मैच में सलगांवकर को हराया

पणजी। एससी ईस्ट बंगाल ने शनिवार को यहां आमिर डर्विसेविच और सौरव दास के गोल की मदद से सत्र पूर्व मैत्री मैच में पूर्व आई लीग चैम्पियन सलगांवकर पर 2-0 से जीत दर्ज की। स्लोवेनियाई मिडफील्डर डर्विसेविच ने छठे और दास ने 65वें मिनट में गोल किए। टीम ने शुक्रवार को पहले मैत्री मैच में वास्को एससी पर 3-। से जीत दर्ज की थी, जिससे उसने इसी लय को दूसरे मैच में भी जारी रखा।

इंग्लैंड के खिलाड़ी स्टोक्स की वापसी के बारे में नहीं सोच रहे है : वुड्स

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा कि बेन स्टोक्स के इस हफ्ते नेट पर ट्रेनिंग में वापसी के बाद खिलाड़ियों के दिमाग में एक बार भी यह बात नहीं आई कि इस आल राउंडर को एशेज टीम में शामिल किया जा सकता है क्योंकि सभी को बस उनके ठीक होने की चिंता है। जुलाई में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की थी कि स्टोक्स अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक ले रहे हैं जबकि इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र के पहले चरण के दौरान लगी ऊंगली की चोट से भी उबर रहे हैं। इसके कारण वह भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे और उन्हें टी20 विश्व कप और एशेज टीम में भी शामिल नहीं किया गया था। लेकिन 30 साल के खिलाड़ी ने इस हफ्ते के शुरू में ट्रेनिंग पर वापसी की वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की जिससे अटकलें लगाई जाने लगी कि वह आठ दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेल सकते हैं। वुड ने द गार्जियन से कहा, किसी भी खिलाड़ी ने एक बार भी स्टोक्स का जिक्र नहीं किया है। हर किसी के दिमाग में बस एक ही चीज है कि वे सभी उन्हें ठीक देखना चाहते हैं। कोई भी इससे आगे के बारे में सोचना नहीं चाहता।

संक्षिप्त खबर

टी20 विश्व कप जीतने के लिए परिपक्वता दिखाने की जरूरत : सौरव गांगुली

दुबई ,(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को कहा कि विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम में टी20 विश्व कप के उचित दावेदार के रूप में हर तरह की प्रतिभा मौजूद है और ट्राफी जीतने के लिए टीम को बस थोड़ी परिपक्वता दिखाने की जरूरत है। भारतीय टीम अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरूआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 24 अक्टूबर को करेगी। गांगुली से जब पूछा गया कि भारत को खिताब जीतने के लिए क्या करने की जरूरत है तो उन्होंने कहा, आप आसानी से चैम्पियन नहीं बनते और आप सिर्फ टूर्नामेंट में प्रवेश से भी चैम्पियन नहीं बनते इसलिए आपको एक प्रक्रिया से गुजरना होगा और उन्हें परिपक्वता दिखानी होगी। उन्होंने कहा, टीम में प्रतिभा मौजूद है, उनके पास इस स्तर पर रन जुटाने और विकेट चटकाने के लिए शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्हें विश्व कप जीतने के लिए मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में होना चाहिए। गांगुली ने कहा कि टीम को सीधे खिताब का लक्ष्य बनाने के बजाय प्रत्एक मैच जीतने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, खिताब तभी जीता जा सकता है, जब फाइनल्स खत्म हो जाएं। इसलिए इससे पहले आपको काफी क्रिकेट खेलना होगा और मुझे लगता है कि भारत को प्रत्एक मैच पर ध्यान लगाना चाहिए और फिर आगे बढ़ने के बारे में देखना चाहिए, न कि शुरू से ही खिताब के बारे में सोचना चाहिए। गांगुली ने कहा, वे (भारत) हमेशा ही दावेदार होते हैं, वे किसी भी टूर्नामेंट में खेलें और उनके लिए चुनौती शांत बने रहने की है, नतीजों के बजाय प्रक्रिया पर ध्यान लगाओ क्योंकि सबसे मुश्किल चीज और सबसे गलत चीज वही होती है जब आप एहतियात बरतने लगते हो और आप समझते हो कि मैं यहां विश्व कप जीतने के लिए हूं। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण चीज गेंदबाज के हाथों से निकलकर आ रही अगली गेंद को खेलना है और लगातार ऐसा करते रहना है जब तक कि आप फाइनल्स में नहीं पहुंच जाते। पूर्व भारतीय कप्तान ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए इसके फैंटेसी स्पोर्ट्स मंच माई11सर्कल पर एक लांच कार्यक्रम के इतर ए बातें कहीं।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के ट्रेंड को देखते क्या गांगुली को कम स्कोर वाले टी20 विश्व कप की उम्मीद है? तो उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने कहा, शायद शारजाह में विकेट की वजह से ऐसा हो सकता है, लेकिन दुबई में ऐसा नहीं होगा जहां कल आईपीएल फाइनल खेला गया था। गांगुली ने कहा, अबुधाबी बल्लेबाजी के लिए शानदार होगा और यह बेहतरीन विश्व कप होगा।

सौराष्ट्र के युवा खिलाड़ी अवि बरोट का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

सौराष्ट्र के बल्लेबाज और भारत के पूर्व अंडर-19 कप्तान अवि बरोट का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया, वह 29 साल के थे। सौराष्ट्र की रणजी ट्राफी (2019-20 सत्र) जीतने वाली टीम के सदस्य बरोट ने अपने करियर में हरियाणा और गुजरात की टीमों का भी प्रतिनिधित्व किया था। अहमदाबाद में अपने घर में बेचैनी महसूस करने के बाद शुक्रवार को उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। बरोट के परिवार में उनकी मां और गर्भवती पत्नी हैं। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) के अध्यक्ष जयदेव शाह ने पीटीआई से कहा, अवि को जब बेचैनी महसूस हुई, तब वह घर में थे। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन एम्बुलेंस में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। वह बहुत ही जिंदादिल लड़का था और उसकी प्रतिभा देखकर ही मैं उसे हरियाणा से सौराष्ट्र लाया था। उसने अपना प्रथम श्रेणी करियर हरियाणा में शुरू किया था। शाह ने कहा, अवि के पिता का 42 साल की उम्र में निधन हो गया था। अवि के परिवार में अब उनकी मां और पत्नी हैं। उनकी पत्नी को चार माह का गर्भ है। इस दुखद घटना से उबरने में उन्हें काफी समय लगेगा। यह युवा क्रिकेटर पिछले हफ्ते एक स्थानीय टूर्नामेंट में खेला था। वह दाएं हाथ का बल्लेबाज था जो ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी कर सकता था। शाह ने कहा, मैं अब भी इस खबर से स्तब्ध हूं। वह महज 29 साल का था और पिछले हफ्ते हमारा एक राज्य स्तर का टूर्नामेंट जीवन ट्राफी हुआ था जिसमें वह खेला था। बल्कि मैंने उसे कहा था कि तुम रन बना रहे हो, आराम से बनाओ तो उसने कहा, जयदेव भाई हमें इसे जीतना होगा। बरोट 38 प्रथम श्रेणी मैच, 38 लिस्ट ए मैच और 20 घरेलू टी20 मैच खेल चुके थे। वह विकेटकीपर बल्लेबाज थे जिन्होंने प्रथम श्रेणी मैचों में।,547 और लिस्ट ए मैचों में।,030 और टी20 मैचों में 717 रन बनाए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा, अवि बरोट के असामयिक निधन से काफी स्तब्ध और दुखी हूं। भारत की अंडर-19 टीम, सौराष्ट और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाला युवा क्रिकेटर हमें बहुत जल्दी छोड़कर चला गया। उनके परिवार और दोस्तों को इस दुख की घड़ी में संवेदनाएं। वह सौराष्ट्र की रणजी ट्राफी जीतने वाली टीम के सदस्य थे जिसने फाइनल में बंगाल को हराया था।

▶▶ राहुल 2023 विश्व कप तक भारतीय टीम को कोचिंग देने के लिए सहमत हो गए है।

द्रविड़ भारतीय टीम के कोच बनने को तैयार

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बनने के लिए तैयार हो गए हैं।

द्रविड़ हालांकि पहले इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं थे लेकिन बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की ओर जोर देने के बाद उन्होंने इसके लिए हामी भर दी। भारत के सबसे महानतम खिलाड़ियों में से एक 48 वर्षीय द्रविड़ पिछले छह वर्षों से भारत ए और अंडर -19 प्रणाली के प्रभारी हैं। उनकी देखरेख में ऋषभ पंत, अवेश खान, पृथ्वी साव, हनुमा विहारी और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों ने जूनियर स्तर से राष्ट्रीय टीम का सफर तय किया है। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा, हां, राहुल 2023 विश्व कप तक भारतीय टीम को कोचिंग देने के लिए सहमत हो गए हैं। शुरू में, वह अनिच्छुक थे, लेकिन यह समझा जाता है कि अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने राहुल के साथ आईपीएल फाइनल के दौरान बैठक की थी और जिम्मेदारी के लिए उन्हें मनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा, यह अंतरिम जिम्मेदारी नहीं होगी। यह समझा जा रहा है कि द्रविड़ के भरोसेमंद पारस महाम्ब्रे टीम के गेंदबाजी कोच होंगे जबकि विक्रम राठौर के बल्लेबाजी कोच के रूप में बने रहने की संभावना है। यह पता चला है कि बीसीसीआई अब भी इस पद के लिए एक विज्ञापन देगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है। बोर्ड को इसके लिए क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) का गठन करना होगा, जो लोढ़ा समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अनिवार्य होगा। बोर्ड के पदाधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा संसाधन और प्रबंधन को लेकर द्रविड़ के विशाल ज्ञान का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए और उनकी भूमिका केवल राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच तक सीमित रहने के बजाय अधिक समग्र हो सकती है। भारत ए या अंडर -19 टीमों के अपने-अपने कोच होंगे लेकिन बीसीसीआई द्रविड़ को सभी कोचों का प्रमुख बना सकता है, जिसमें एनसीए स्टाफ के साथ सभी क्रिकेट विभाग उनकी देखरेख में काम करेंगे। जब गांगुली ने बीसीसीआई का कार्यभार संभाला, तो उन्होंने मीडिया से राष्ट्रीय टीम, आयु वर्ग की टीम और एनसीए के बीच तालमेल के बारे में बात की थी। रवि शास्त्री के कार्यकाल में भारतीय टीम की सफलता को देखने के बाद बीसीसीआई फिर से भारतीय कोच नियुक्त करना चाहता है लेकिन उस कद के कम ही विकल्प है। एक पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज ने पहले ही मौजूदा टीम प्रणाली में कोच बनने से इनकार कर दिया था क्योंकि विराट कोहली अभी भी टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान बने हुए हैं। यह पता चला है कि कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कोहली के नेतृत्व वाली टीम को कोचिंग देने से कतराते थे। उनके पितृत्व अवकाश के दौरान ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की शानदार जीत के बाद हालांकि इस स्थिति में बदलाव हुआ है। शास्त्री को बीसीसीआई से उनकी सेवाओं के लिए लगभग साढ़े आठ करोड़ रुपए मिलता है। यह समझा जाता है कि बीसीसीआई द्रविड़ को भी बड़ी राशि की पेशकश कर रहा है, जो उनके एनसीए पारिश्रमिक के साथ-साथ शास्त्री के वर्तमान वेतन से अधिक होगा। द्रविड़ हालांकि परिवार को समय देने के लिए इससे पहले इस भूमिका को नकार चुके थे। द्रविड़ के बेटे समित कर्नाटक के आयु वर्ग के क्रिकेट में बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बनाने लगे है। भारतीय टीम में द्रविड़-म्हाम्ब्रे संयोजन होने के पीछे मूल विचार यह सुनिश्चित करना है कि अगले दो वर्षों में जब इस टीम में बदलाव का दौर शुरू होगा तो सुचारू रूप से हो सके। बीसीसीआई सूत्र ने कहा, रोहित अगले साल 35 साल के हो जाएंगे, विराट अपने 33वें जन्मदिन से कुछ दिन दूर हैं। उनके अलावा मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे सभी शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन अगले दो वर्षों के दौरान उन्हें चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय टीम बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों की जगह जिन खिलाड़ियों का आना तय है, वे ज्यादातर अंडर-19 प्रणाली से हैं। इसलिए जरूरी है कि द्रविड़ को नियुक्त किया जाए। राष्ट्रीय टीम के कोच के मामले में टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी (13,288 रन) से बेहतर शायद ही कोई और हो।

सीएसके की शानदार टीम से हारे, रसेल फिर से चोटिल होने के डर से नहीं खेले : मैकुलम

दुबई ,(एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स केकेआर) के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना कि उनकी टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की एक बहुत शानदार टीम ने हराया और उन्होंने इस खराब प्रदर्शन का जिम्मेदार मध्यक्रम के बल्लेबाजों की नाकामी को ठहराया। मैकुलम ने यह भी कहा कि विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल मांसपेशियों में खिंचाव से उबर कर मैच-फिट होने के लिए कड़ी मेहनत करने के बावजूद अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सके क्योंकि मैच के दौरान उनके फिर से चोटिल होने का जोखिम था। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई की टीम ने शुक्रवार को खेले गए फाइनल के एकतरफा मुकाबले में केकेआर को 27 रन से हराकर अपना चौथा इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीता। मैकुलम ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह निराशाजनक है कि हम जीतने में नाकाम रहे, लेकिन हम सीएसके की एक बेहतरीन टीम से हारे। जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए शुभमन गिल (51 रन) और वेंकटेश अय्यर (50 रन) ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़कर केकेआर को ठोस शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने 34 रन के अंदर आठ विकेट गंवा दिए। दोनों सलामी बल्लेबाजों के अलावा निचले क्रम में शिवम मावी (20 रन) और लॉकी फर्गुसन (नाबाद 18) ही दोहरे अंक में पहुंचे जिससे हार का अंतर ही कम हुआ। मैकुलन से जब मध्यक्रम की नाकामी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हाँ, मुझे लगता है, यह एक उचित मूल्यांकन है। हमारे गेंदबाजी समूह ने वास्तव में अच्छा काम किया, हमने अच्छा क्षेत्ररक्षण किया और हमारी शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी शानदार थी, लेकिन दुर्भाग्य से मध्यक्रम प्रभावित करने में नाकाम रहा। मध्यक्रम में काफी अनुभव है लेकिन कई बार ऐसा हो सकता है। कोच ने कहा, मैं अपने खिलाड़ियों और उनके प्रयासों के लिए वास्तव में गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमारी कहानी शानदार रही, टूर्नामेंट के मध्य में हम बाहर होने (खिताब की दौड़ से) के कगार पर थे। उन्होंने फाइनल में रसेल की गैरमौजूदगी के बारे में पूछे जाने पर कहा, टूर्नामेंट के दूसरे चरण की शुरुआत में ही आंद्रे की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने खुद को चयन के लिए उपलब्ध कराने की कोशिश के तहत अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की। उन पर हालांकि फिर से चोटिल होने का खतरा था, यह एक जोखिम की तरह था। फाइनल को लेकर मुझे लगा कि जोखिम नहीं उठाना चाहिए। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने लय में चल रहे वेंकटेश अय्यर की भी तारीफ की, जिन्होंने टीम के फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी।

फ्रिट्ज और बासिलाश्विली उलटफेर कर इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स

टेलर फ्रिट्ज ने तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 7-6 से हराकर उलटफेर करते हुए बीएनपी पारिबस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह फ्रिट्ज के छोटे से करियर की सबसे बड़ी जीत थी। संन्यास ले चुकी टेनिस खिलाड़ी कैथी मे के 23 साल के बेटे फ्रिट्ज तीसरे सेट में पिछड़ रहे थे लेकिन वह इसे टाईब्रेकर तक ले गए और जीत गए। फ्रिट्ज ने इससे पहले 2019 में शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल पांच खिलाड़ियों पर जीत दर्ज की थी जिसमें डोमिनिक थिएम भी शामिल थे। लेकिन विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ज्वेरेव के खिलाफ उनकी सबसे बड़ी जीत रही। फ्रिट्ज शनिवार को सेमीफाइनल में 29वें वरीय निकोलोज बासिलाश्विली से खेलेंगे जिन्होंने दूसरे वरीय स्टेफानोस सिटसिपास को 6-4, 2-6, 6-4 से हराकर उलटफेर किया। दूसरा सेमीफाइनल कैमरन नौरी और ग्रिगोर दिमित्रोव के बीच होगा। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में विक्टोरिया अजारेंका का सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा जबकि दूसरे में ओन्स जाबेयूर की भिड़त पाउला बाडोसा से होगी।

टी20 विश्व कप के ग्रुप बी — बांग्लादेश की टीम इस टूर्नामेंट से पहले कैलेंडर वर्ष मे नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचो मे जीत दर्ज कर चुकी है

ग्रुप बी से सुपर 12 में क्वालीफाई करने में प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगा बांग्लादेश

अल अमेरात (ओमान)

शानदार लय में चल रही बांग्लादेश की टीम टी20 विश्व कप के ग्रुप बी क्वालीफाइंग दौर में प्रबल दावेदार के रूप में रविवार को यहां अपना अभियान स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। अंडरडॉग का टैग हटाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में शानदार काम करने वाली बांग्लादेश की टीम को पहले दौर में स्कॉटलैंड, ओमान और पापुआ न्यू गिनी के साथ रखा गया है। और हालिया फार्म के देखते हुए उसके ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। बांग्लादेश की टीम इस टूर्नामेंट से पहले कैलेंडर वर्ष में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत दर्ज कर चुकी है और केवल दक्षिण अफ्रीका से पीछे है जिसके नाम 12 जीत हैं। बल्कि मार्च में न्यूजीलैंड से उसकी सरजमीं पर हारने के बाद से बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे (2-1), आस्ट्रेलिया (4-1) और न्यूजीलैंड (3-2) के खिलाफ श्रृंखलाएं जीती हैं। अगर बांग्लादेश की टीम ग्रुप बी में शीर्ष पर रहकर क्वालीफाई कर लेती है तो सुपर 12 में वह भारत, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान तथा ग्रुप ए की उप विजेता टीम से जुड़ जाएगी। बांग्लादेश के लिए हालांकि टी20 विश्व कप में सफर इतना अच्छा नहीं रहा है। 2007 में शुरुआती चरण में टीम सुपर आठ में पहुंची थी जो उसके लिए शानदार सफर रहा था। लेकिन इसके बाद से टाइगर्स टीम 2009, 2010 और 2012 चरण में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। जब 2014 में टीमों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दिया गया तो बांग्लादेश की टीम ने वापसी की और ग्रुप ए में शीर्ष पर रहकर सुपर 10 चरण में पहुंची थी, हालांकि इसके बाद सभी चारों मैच गंवा बैठी थी। वहीं 2016 में भी यही सिलसिला जारी रहा जिसमें उन्हें भारत से निराशाजनक हार के बाद बाहर होना पड़ा था। लेकिन बांग्लादेश ने सही समय पर फार्म में वापसी की और एमआरएफ टायर्स आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज है जिसमें वह आस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान से आगे है। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पर इस साल श्रृंखला में मिली जीत - इन दोनों देशों के साथ श्रृंखला में पहली जीत - इस बात का प्रमाण है कि वह 2021 में कितना शानदार प्रदर्शन कर रही है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के सही समावेश से बांग्लादेश के पास टूर्नामेंट में दूर तक जाने के लिए सभी चीजें मौजूद हैं। कप्तान महमूदुल्लाह काफी अनुभवी हैं जबकि आल राउंडर शाकिब अल हसन हाल में समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कुछ अच्छा प्रदर्शन करके टीम से जुड़ हैं। टीम के लिए मुश्फिकर रहीम, सौम्य सरकार और तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान काफी अहम खिलाड़ी साबित होंगे।

टीमें इस प्रकार हैं :

बांग्लादेश : महमूदुल्लाह (कप्तान), लिटन दास, मोहम्मद नईम, मेहदी हसन, शाकिब अल हसन, सौम्य सरकार, मुश्फिकर रहीम, नुरूल हसन (विकेटकीपर), अफीफ हुसैन, नसुम अहमद, तास्किन अहमद, शमीम हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन

स्कॉटलैंड : काइल कोएत्जर (कप्तान), रिचर्ड बैरिंगटन, डिलन बज, मैथ्यू क्रास (विकेटकीपर), जोश डेवी, एली इवांस, क्रिस ग्रीव्स, माइकल लीस्क, कैलुम मैक्लियोड, जार्ज मुनसे, साफ्यान शरीफ, हम्जा ताहिर, क्रेग वालेस, मार्क वाट, ब्रैड व्हील।